



30/4/92

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशन
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]
No. 7]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 15, 1992/माघ 26, 1913
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 15, 1992/MAGHA 26, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(विधि कार्य विभाग)

(Department of Legal Affairs)

(न्यायिक विभाग)

(Judicial Section)

सूचना

NOTICE

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

New Delhi, the 22nd January, 1992

का. आ. 498 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के
अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री
रतन लाल चौधरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के
नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि
उसे बलोत्रा (जिला बाहमेर), राजस्थान में व्यवसाय करने के
लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस
सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे
पास भेजा जाए।

S.O. 498.—Notice is hereby given by the Competent
Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act,
1956, that application has been made to the said Authority,
under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ratan Lal
Chaudhury, Advocate for appointment as a Notary to
practise in Balotra, Rajasthan.

2. Any objection to the appointment of the said person
as a Notary may be submitted in writing to the undersigned
within fourteen days of the publication of this Notice.

[सं. फा. 5 (21) / 92 न्या.]

[No. F. 5(21)/92-Judl.]

पो.सो. कानन, सक्षम प्राधिकारी

P. C. KANAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1992

का. आ. 499 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बिभस चन्द्र मित्रा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 5 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हावड़ा (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. का. 5 (22)/92-न्या.]

पी. सी. कणन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 24th January, 1992

S.O. 499.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Bibhas Chandra Mitra, Advocate for appointment as a Notary to practise in Howrah Calcutta.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(22)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1992

का. आ. 500 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एम. के. त्रिवेदी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे भयान्दर, जिला थाने (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. का. 5 (23)/92-न्या.]

पी. सी. कणन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 24th January, 1992

S.O. 500.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri S. K. Trivedi, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bhayander, Distt. Thane (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(23)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1992

का. आ. 501 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रमेश एस. देसाई ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तवसारी और बिल्वासोर (गुजरात) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. का. 5 (135)/91-न्या.]

पी. सी. कणन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 29th January, 1992

S.O. 501.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ramesh S. Desai, Advocate for appointment as a Notary to practise in Navsari and Bilimara (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(135)/91-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक निकायन तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1992

का. आ. 502 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषित किए जाने के लिए निम्नलिखित अपराधों और वर्गों के अपराधों को त्रिविष्ट करना है, यर्थात् :—

(क) राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 (1971 का अधिनियम सं. 69) के अधीन वंडनीय अपराध;

(ख) खंड (क) में वर्णित किसी अपराध के संबंध में या उससे संसक्त प्रवृत्त, बुद्धिमान और पद्धत तथा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संयोजन के अनुक्रम में किया गया कोई अन्य अपराध।

[संख्या 228/1/92-ए. पी. डी. -II]

ए. सी. शर्मा, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC

GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 31st January, 1992

S.O. 502.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences and classes of offen-

ces which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely :—

- (a) offences punishable under the Prevention of Offences to National Honour Act, 1971 (Act No. 69 of 1971) ;
- (b) attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with any offence mentioned in clause (a) and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/1/92-AVD-II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

महानिदेशक (आयकर छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 4 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. आ. 503 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसी/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संच" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-स्थाय, आस्तियों एवं वित्तवस्तियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविन्द इन्स्टिट्यूट ऑफ अप्लाइड साइंटिफिक रिसर्च ट्रस्ट,
अकावमो हाउस, 12, नरायणी स्ट्रीट,
पदमिनी नगर, पाण्डिचेरी-605012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को ताल प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश

उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नं. 526/फा. सं. डॉ. जॉ. /पण्ड-2/कल/35(1)(ii)/89-
आ. कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उप निदेशक (छूट)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
INCOME TAX (EXEMPTIONS).**

Calcutta, the 4th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 503.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Institute of Applied Scientific Research Trust, Academy House, 12, Marvade Street, Padmini Nagar, Pondicherry-605012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 526/F, No. DG/Pond-2/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 4 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. भा. 504 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैरिस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्ट्रल मशीन टूल इन्स्टिट्यूट,

तुमकुर रोड,

बैंगलूर—560022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 527/का. सं. डी. जी. /के. टी. 19/कल. / 35(1) (ii)/90-आ. कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 4th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 504.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of

Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Central Machine Tool Institute, Tumkur Road, Bangalore-260022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 227/F. No. DG/KT-19/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]
M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 4 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. भा. 505 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरिस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव,

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आय-कर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन इन्स्टिट्यूट ऑफ़ केमिकल इंजीनियरिंग,
डा. एच. एल. राय बिल्डिंग्स,
राजा सुबोध मल्लिक रोड,
पोस्ट बॉक्स नं. 17001,
कलकत्ता-700032।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां, अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उस अवधि को समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोद की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 528/फा. सं. डी. जी. /डब्ल्यू. बी. 1/कल./ 35 (1) (ii)
89-आ. कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उपनिर्देश (छूट)

Calcutta, the 4th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 505.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return on its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Chemical Engineers, Dr. H. L. Roy Buildings, Raja Subodh Mullick Road, Post Box No. 17001, Calcutta-700032.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 528/F. No. DG/WB-1/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 18 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. आ. 506.—सर्वसाधारण को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पै.स/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारों अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मुलजीभाई पटेल सोसाइटी फार
रिसर्च इन नेफ्रो यूरोलाजी
डा. बीरेन्द्र देशाई रोड,
नवियाद-387001,
गुजरात (इण्डिया)।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की

समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो। संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 529/फा. सं. डी. जी./गो-10/कल./35(1)(ii) 89-
आ. कर (छूट)]

एम. कं. सरकार उपनिदेशक (छूट)

Calcutta, the 18th November, 1991

INCOME-TAX

S.O. 506.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Muljibhai Patel Society for Research in Nephro Urology, Dr. Virendra Desai Road, Nadiad-387 001, Gujarat (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 529/F. No. DG/G-10/Cal/35(1)(ii)/89-IT(F)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 18 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. आ. 507.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर

अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महाविदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रभेद के अन्तर्गत अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमाओं का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपने-आप, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महाविदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविन्द इंटरनेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ
एजुकेशन रिसर्च,
असपीरेशन, अरोधिया,
कोड/कूपम-605104

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महाविदेशक (छूट), कलकत्ता को नान प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 530/फा. सं. डी. जी./गो. एन. 8/कल. 35/(1)(iii) 89-
आ. कर (छूट)]

एम. कं. सरकार, उपनिदेशक (छूट)

Calcutta, the 18th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 507.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo International Institute of Educational Research, Aspiration, Auroville, Kottakuppam-605 104.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 530/F. No. DG/TN-8/Cnl/35(1)(iii)/89-IT(F)]

M. K. SARKAR, Dy Director (F)

कलकत्ता, 18 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. आ. 508.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एवद्भास यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीम/एक/सो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्टर फार साइंटिफिक रिसर्च,
अरोशिल्पम, अरोशिला-605101
पाण्डिचेरी।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उत्तम अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथासंभव अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 531/फा. सं. डी. जो./टी. एन. 23/कन./35(1) (ii) 89
आ. कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उपनिदेशक (छूट)

Calcutta, the 18th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 508.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Scientific Research, Auroshilpam, Auroville-605 101, Pondicherry.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting

approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 531/F. No. DG/TN-23/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 18 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. प्रा. 509—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1461 की धारा 35 (पैरीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी आय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविन्द आश्रम ट्रस्ट,

प. प्रा. - श्री अरविन्द आश्रम

पाण्डिचेरी - 605002

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विषय मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 532/का.सं.डी जी/पण्ड-3/कल./35(1)(ii)/89-आ. कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उप निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 18th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 509.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-

tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Ashram Trust, P. O. Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry-605 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 532/F. No. DG/Pond-3/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 22 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का. प्रा. 510.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली; 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी आय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित,

(क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोसाइटी फार डिवलपमेंट अल्टरनेटिव्स,
बी. 32, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
न्यू महरोली रोड,
नई दिल्ली - 110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 533/फा.सं. डी.जी./एन.डी. 19/कल./35/(1) (ii)/89-आ.कर (छूट)]
एम. के. सरकार, उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 22nd November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 510.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Society for Development Alternatives,
B-32, Institutional Area,
New Mehrauli Road,
New Delhi-110016.

This Notification is effective for that period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to

the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 533/F. No. DG/ND-19/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 27 नवम्बर, 1991

(आयकर)

का.आ. 511.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल एग्रीकल्चरल एंड साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन,
23/24, राधा बाजार स्ट्रीट,
कलकत्ता - 700001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 534/फा.सं. डी.जी.डब्ल्यू.डी. 15/कल./35/(1) (ii)/89-आ.कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उप निदेशक (आयकर छूट)

Calcutta, the 27th November, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 511.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" to subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities

NAME OF THE ORGANISATION

National Agricultural & Scientific Research Foundation,
23/24, Radhabazar Street,
Calcutta-700001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received, after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 534/F. No. DG/WB-15/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director(F)

कलकत्ता, 4 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

क्र.सं. 512.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिये एक मसल लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यवस्थितियों एवं दस्तावेजों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक छूट जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भार हरकिशनदास नारायणदास,
मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,
राजा राममोहन राय रोड,
बम्बई - 400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के लिए पण्डित यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 535/फ.सं. डी जी/एम-25/कल/35/(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 4th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 512.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" to subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sir Hurkisondas Nurrotumdas Medical Research Society,
Raja Rammohan Roy Road,
Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-1-1992 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 535]F. No. DG[M-25/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 4 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.आ 513.--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पेंसल/एक/बी) का उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, रंगू महाराज रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीट्यूट आफ किडनी डिजांजिस एण्ड रिनल सेंटर,
बी.जे. मेडिकल कॉलेज एण्ड सिविल अस्पताल,
न्यू ब्लॉक, ग्राउंड फ्लोर,
अहमदाबाद-380016,
गुजरात स्टेट (इण्डिया)

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-1991 से 31-3-1992 तक का अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन का अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तान प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदन आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् मर्यादा अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 536/का.सं. डी.जी. जी.-1 कल. 35 (1)(ii)/
89-आ.कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 4th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 513.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" to subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Kidney Diseases & Research Centre,
B. J. Medical College & Civil Hospital,
New Block, Ground Floor,
Ahmedabad-380016,
Gujarat State (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months, aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the

application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 536/F. No. DG/G-1/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 4 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.पा. - 514--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) का उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू सहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यवस्थापिकाओं एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर प्राप्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कस्तूरबा हेल्थ सोसाइटी,
(यूनिट : महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस)
पो.ओ.-सेवाग्राम,
बरा-442102

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर प्राप्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके वैज्ञानिक क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये रुखाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथासंभव अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 537/फा.सं. डी.ओ./एम.-31/कल./35 (1)

(ii) 89-आ.कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उपनिदेशक (छूट)

Calcutta, the 4th December, 1991

INCOME-TAX

S.O. 514.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Kasturba Health Society,
(Unit: Mahatma Gandhi Institute
of Medical Sciences),
P.O. Sevagram Wardha-442102

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 537/F. No. DG/M-31/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 5 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.पा. 515--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, मखिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 20 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आयों एवं वेतन-दरियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) मखिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डाक्टरेट, एंजाइमेशन आफ इंडिया,
मानिकर्जा वादिया बिल्डिंग,
1म फ्लोर, 127, एम.जी. रोड,
फोर्ट, बम्बई-400001.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियें मखिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 540/फा.सं. डी.जी./एम-56कल./35(1)
(ii)/89-आ. कर (छूट)]

एम.के. सक्कार, उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 5th Decembre, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 515—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Com-

missioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Diabetic Association of India,
Maneckji Wadia Building,
1st Floor, 127, M.G. Road,
Fort, Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax; Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 538/E. No. DG/M-56/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 9 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.आ. 516-- सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (वैकल्प/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, मखिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्न-लिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, मखिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आयों एवं वेतन-दरियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) मखिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सुर स्मारक, मण्डल,
ई-113, कमल नगर,
आगरा-5

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-12-92 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[म. 539/फा.स. डी.जी./वू.पा.-2/कल. 35/(1)]

(iii) 90-प्रा. कर (छूट)]

एम. के. सरकार उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 9th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 516—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five)one|three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sur Smarak Mandal,
E-113, Kamal Nagar,
Agra-5.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the

application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 539/F. No. DG/UP-11/Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 13 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.प्रा. 517— सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-पराक्षित वार्षिक लेखा की एक प्रति अपनी-व्यय, अस्तित्वों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्रीमती नाथीबाई दासोवर शंकरसे,
महिला विश्वविद्यालय,
1, नाथीबाई शंकरसे रोड,
बम्बई-400020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये गये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 540/फा.सं. डी.जी./एम-97/कल./35/(1)]

(ii) /90-प्रा. कर (छूट)

एम. के. सरकार उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 13th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 517.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research :
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Shreemati Nathibai Damodar Thackersey,
Women's University,
T Nathibai Thackersey Road,
Bombay-400020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research,

[No. 540/E. No. DG/M-97/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]
M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 16 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.आ 518—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, वैज्ञानिक, संचिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष

की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-अपने, प्राप्तियों एवं वेनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इकसपति रिमर्से फाउंडेशन,
9/543, इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
इकनकरणजी-416 115
जिमा कोल्हापुर (एम एस)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदित की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूझा दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[म. 541/का.सं. डी.जी./एम.-117/कल./35(1)(ii)/
90-आ. कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उपा-निदेशक (छूट)

Calcutta, the 16th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 518.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Deco-pin Research Foundation,
9/543, Industrial Estate,
Ichalkaranji-416115,
Distt. Kolhapur (M.S.)

This Notification is effective for the period from
1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 541/F. No. DG|M-117|Cal|35(1)(ii)|90-IT(F)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 16 दिसम्बर, 1991

(अवकाश)

का. धा. 519.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (वैतनिक/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदन दिया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक धनग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यालयों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, 22 महर्षी रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति धनो-व्यय, भास्तिषों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन कोपर डिवेलपमेंट सेंटर,
27-बी, कामाक स्ट्रीट,
कलकत्ता-700016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम

से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूत्राव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशक्ति अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र का 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 512/का. सं. डी. जी./इन्सू.वी.-19/क /35 (1) (ii) 99-
आ. कर (छूट)]

एम. क. सरकार, उ. निदेशक (छूट)

Calcutta, the 16th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 519.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cosper Development Centre,
27-B, Camac Street,
Calcutta-700016.

This Notification is effective for the period from
1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 542/F. No. DG|WB-19|Cal|35(1)(ii)|89-IT(F)]
Calcutta, the 26th December, 1991

M K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 26 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का. आ. 520.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1991 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिसके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भारतीय विद्या भवन,
मुंशी सदन,
कुलपति के. एम. मुंशी मार्ग,
बम्बई-4000 007

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभाव में है।

(टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमादित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 543 का. सं. डी.जी./एम-42/कल. 35 (1)(ii)/89-
आ. कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उपनिदेशक (छट)

Calcutta, the 26th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 520.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five)[one][two]

280 GI/92—3

of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Bhartiya Vidya Bhawan.
Munshi Sadan,
Kulapati K. M. Munshi Marg,
Bombay-400007.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 543/M-42/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

M. R. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 26 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का. आ. 521.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1991 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1992 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक

ब औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिन क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हैदराबाद आई रिसर्च फाउंडेशन,
रोड नं.-2, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:--संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नं. 544/फा. सं. डी. जी. ए. पी. 16/कल./35 (1) (ii) 91-
आ. कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उप निदेशक

Calcutta, the 26th December, 1991.

(INCOME-TAX)

S.O. 521.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110015 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Hyderabad Eye Research Foundation,
Road No. 2, Banjara Hills,
Hyderabad-500034.

This Notification is effective for the period from 3-9-1991 to 31-3-1993.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 544/F. No. DG/AP-16/Cal/35(1)(ii)91-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता:—26 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.प्र. 522:--सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरिस/एक/दो) की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महेरौली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हालमिया इन्स्टिट्यूट ऑफ साइनेटिफिक एंड इण्डस्ट्रियल रिसर्च,
पोस्ट बॉक्स नं. - 2, राजगंगापुर - 770017,
जिला - सुन्दरगढ़ (ओडिसा)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की, समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की

अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 545/फा.सं.डी. जी/जी-1/कल/35(1)(ii)/89-प्रा. कर (छूट)]

एम.के. सरकार, उप निदेशक, (छूट)

Calcutta, the 26th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 522.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Dalmia Institute of Scientific & Industrial Research,
Post Box No. 2, Rajgangpur-770017.
Dist. Sundargarh (Orissa).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 545/F. No. DG|0-1|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. K. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 30 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का. प्रा. 523—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एनद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (परीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की

सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपनी व्यवस्थापिका एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हेक्सामार एग्रीकालचरल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट फाउंडेशन,
हेक्सामार हाउस, सयानी रोड, बम्बई - 400025

यह अधिसूचना दिनांक 01-04-1990 से 31-03-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन का अनुमोदन या अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन को समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुहताब दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि के अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथासोघ अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 546/फा.सं. डी जी/एम-3/कल/35(1)(ii)/89-प्रा. कर (छूट)]

एम.के. सरकार उपनिदेशक (छूट)

Calcutta, the 30th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 523.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c)

Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Hexamar Agricultural Research and Development Foundation.

Hexamar House, Sayani Road, Bombay-400025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 546/F. No. DG|M-3|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. R. SARKAR, Dy. Director (E)

कलकत्ता, 30 दिसम्बर, 1991

(भायकर)

का. भा. 524:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/वो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक भलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एसोसिएटड इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउंडेशन,

5A/1, 223, अंसारी नगर,

वरिया गंज, नई दिल्ली - 110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार के संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में दिए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 547/का.सं. डी.जी./एन.डी. 2/कल/35/(1)(ii)/89-आ. कर (छूट)]

एम. के. सरकार, उप निदेशक (छूट)

Calcutta, the 30th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 524.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi 110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Associated Electronics Research Foundation,

5A/1, 223, Ansari Nagar.

Darya Ganj,

New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991- to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 547/F. No. DG|ND-2|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

M. R. SARKAR, Dy. Director (E)

कार्यालय, मुख्य आयकर आयुक्त-III

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1991

सं. स. आ./मुख्या/योजना/366/89-90

का.आ 525 :--आयकर अधिनियम 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं मुख्य आयकर आयुक्त-III कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूँ कि इसके संलग्न अनुसूची के कालम (3) में निर्दिष्ट कर वसूली अधिकारी, जो क्रमशः उक्त अनुसूची के कालम (1) और (2) में निर्दिष्ट आयकर आयुक्त एवं आयकर उपायुक्त के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं, दिनांक 18-5-1989 की अधिसूचना सं. 5/89-90 (ज्ञापन सं. आ.अ./मुख्या/तक/366/89/90/4170-4669 दिनांक 25-5-89 द्वारा परिचालित के अनुसार पहले ही सुपुर्द किये गये अधिकारिता के अतिरिक्त ऐसे निर्धारितियों जो उक्त अनुसूची के कालम (4) में निर्दिष्ट आयकर प्राधिकारियों के अधिकारिता के अधीन वर्तमान अथवा होने वाले निर्धारितियों पर अपनी अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. यह अधिसूचना दिनांक 1-1-1992 से प्रभावी होगी।

अनुसूची

आ.आ. के प्रभार	आयकर उपायुक्त, रज-क.व.अ के प्रभार	विभिन्न आयकर प्राधिकारियों की अधिकारिता के अधीन के कर वसूली अधिकारियों की वर्तमान अथवा होनेवाले निर्धारितियों (दिनांक 18-5-89 की अधिसूचना संख्या 5/89-90 के अनुसार पहले दी गई अधिकारिता के अतिरिक्त पर अधिकारिता।	
1	2	3	4
आ.आ. प.व.-1 कलकत्ता	उ.आ. रेंज-9, कलकत्ता	क.व.अ.-6, कलकत्ता एवं 24 परगना	उ.आ. विशेष परिक्षेत्र-20 कल. आ.अ. विशेष वार्ड-20 (1), कलकत्ता
आ.अ.प.व.-10, कलकत्ता	उ.आ. रेंज-19, कलकत्ता	क.व.अ.-12 कल. एवं 24 परगना	स.आ.अनु. सकल 19 (3) कल. आ.आ. वार्ड 19 (ii) कलकत्ता

[सं. 14/91-92]

ए.आर. मण्डल, मुख्य आयकर आयुक्त-III

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF
INCOME TAX-III

Calcutta, the 18th December, 1991

No. AC/Hqrs/Planning/366/89-90

S.O. 525.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) and (2) of Section 120 of the I.T. Act, 1961, I the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, hereby direct that the Tax Recovery Officers mentioned in column (3) of the Schedule annexed hereto, who are under the Administrative Control of the Commissioners of

Income Tax and Deputy Commissioners of Income Tax mentioned in columns (1) and (2) respectively in the said Schedule, shall in addition to the jurisdiction already vested on them vide Notification No. 5/89-90 dated 18-5-1989 (circulated through memo. No. ITO/Hqrs./Tech/366/89/90/4170-4669 dated 25-5-1989), exercise jurisdiction also in respect of the assesseees who are or would come under the jurisdiction of the Income Tax authorities mentioned in column (4) of the said Schedule.

This notification will take effect from the first day of January, 1992.

[No. 14/91-92]

A. R. MONDAL, Chief Commissioner of Income Tax-III

SCHEDULE

CIT's Charge	D.C. Range	TRO's Charge	Jurisdiction of the TRO over the assesseees in addition to the jurisdiction already vested on them vide Notification No. 5/89-90 dated 18-5-1989 who are or would come under the jurisdiction of different income-tax authorities.
1	2	3	4
C.I.T. WB,V, Calcutta.	D.C., Range-9, Calcutta.	T.R.O.-VI, Calcutta 24-Parganas.	D.C. Spl. Range-20, Calcutta. I.T.O., Spl. Ward-20(1), Calcutta.
C.I.T., WB-XI, Calcutta.	D.C. Range-19, Calcutta.	T.R.O., XII, Calcutta & 24-Parganas.	A.C. Inv. Circle-19 (3), Calcutta. I.T.O., Ward-19 (11), Calcutta.

[No. 14/91-92]

A.R. MONDAL, Chief Commissioner Income Tax-III.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1991

का. भा. 526 :—भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 57 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा 31 दिसम्बर, 1991 को उस दिन के रूप में विनिश्चित करती है जिस दिन इंपीरियल बैंक विघटित हो जाएगा और भारतीय इंपीरियल बैंक अधिनियम, 1920 (1920 का 47) निरस्त हो जाएगा।

[एफ. सं. 1/1/91 - बी. ओ. 1]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 30th December, 1991

S.O. 526.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 57 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby specifies the 31st day of December, 1991 as the day on which the Imperial Bank shall stand dissolved, and the Imperial Bank of India Act, 1920 (47 of 1920), shall stand repealed.

[F. No. 1/1/91-BO. I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1992

का. भा. 527 :—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 8 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एस. एस. तारापोर, वर्तमान कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 30 सितम्बर, 1996 तक की अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एफ. 7/9/91 - बी. ओ. - 1]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1992

S.O. 527.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) read with sub-section (4) of section 8 of the Reserve Bank

of India Act, 1934 the Central Government hereby appoints Shri S. S. Tarapore, presently Executive Director, Reserve Bank of India, as Deputy Governor of the Reserve Bank of India for the period from the date of his taking charge and upto 30th September, 1996.

[No. F. 7/9/91-BO. I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1992

का. भा. 528 :—भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) की धारा 12 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री टी. पण्डुरंगराव, वर्तमान प्रबन्ध निदेशक, स्टेट बैंक भाक पटियाला को अपना कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से और 31 जुलाई 1994 तक भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है। श्री टी. पण्डुरंगराव इस अवधि के लिए बैंक के प्रबन्ध निदेशक भी होंगे।

[संख्या एफ. 7/4/91 - बी. ओ. - 1]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 31st January, 1992

S.O. 528.—In pursuance of clause a) of sub-section (1) of section 10, read with sub-section (1) of section 12, of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984), the Central Government hereby appoints Shri T. Panduranga Rao, presently Managing Director, State Bank of Patiala, as Chairman, who shall also function as the Managing Director of Industrial Reconstruction Bank of India for the period commencing with the date of his taking charge and upto 31st July, 1994.

[No. F. 7/4/91-BO. I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1992

का. भा. 529 :—भारतीय रिजर्व बैंक की संसुति पर, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि दि अलेप्पी अवन कोआपरेटिव बैंक लि. के मामले में 30 जून, 1990 की समाप्त वर्ष के लिए उसके द्वारा उगरे

गुप्त पत्र, लाभ हानि लेख एवं नेत्र परीक्षा की रिपोर्ट समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के संबंध में बैंकारी विनियमन (सहकारी गमितियाँ) नियमावली, 1966 के नियम 10 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध उन पर लागू नहीं होंगे।

[फा. सं. 10(2)/91 - विकास]

तेजिन्दर सिंह लश्चर, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 20th January, 1992

S.O. 529.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act read with Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Alleppey Urban Co-operative Bank Ltd. so far as it relates to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended 30 June 1990 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 10(2)/91-Dev.]

TEJINDER SINGH LASCHAR, Jt. Director

(बीमा प्रभाग)

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का. आ. 530 जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री जे. एस. सलुंखे, प्रबन्ध निदेशक, भारतीय जीवन बीमा निगम को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए और जब तक वह निगम के प्रबन्ध निदेशक का पद संभाल, इनमें से जो भी पहले हो तब तक के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 102(1)बीमा IV/91]

जी.सी. बासुमातारी, उप सचिव

(Insurance Division)

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 530.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri J. S. Salunkhe, Managing Director, Life Insurance Corporation of India as Member of the Board of Life Insurance Corporation of India for a period of three years from the date of assumption of charge and till he holds the post of Managing Director of the Corporation, whichever is earlier.

[F. No. 102(1)/Ins.IV/91]

G. C. BASUMATARI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का. आ. 531 जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री के. पी. नरसिम्हन, प्रबन्ध निदेशक को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक भारतीय जीवन बीमा निगम का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[फा. सं. 102(1)बीमा IV/91]

जी.सी. बासुमातारी, उप सचिव

New Delhi, the 22nd January, 1992

O.S. 531.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri K. P. Narasimhan, Managing Director as the Chairman of the Life Insurance Corporation of India with effect from the date of assumption of the charge upto the date of his superannuation.

[F. No. 102(1)/Ins.IV/91]

G. C. BASUMATARI, Dy. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1992

का. आ. 532 मैसर्स नीरज पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, हैदराबाद को पश्चिमी जर्मनी पुंजीगत ऋण के अंतर्गत मेलेईक एनहाइड्राइड के विनिर्माण के लिए 3,34,03,794/- (रुपये तीन करोड़ चौतिस लाख तीन हजार सात सौ चौरानवें डीएम 3318667) मूल्य की लाइसेंस सं. 2126601 दिनांक 31-7-90 मंजूर किया गया था।

कर्म ने निर्यात वास्तविकी अनुसूचियों सहित 3,34,03,794/- रुपये के पूरे मूल्य की सीमा शुल्क प्रयोजन की अनुलिपि प्रति जारी करने का आदेश यह उल्लेख करते हुए किया है कि लाइसेंस के पूरे मूल्य को इसी उपयोग में लाया जाना है तथा मूल लाइसेंस खो/गुम हो गया है। आगे यह भी बताया गया है कि ऊपर उल्लिखित लाइसेंस किसी सीमा शुल्क प्राधिकरण के साथ पंजीकृत नहीं किया गया है।

2. अपन तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक के समक्ष स्टाम्प पेपर पर विधिवत शपथ लेकर हलफनामा दाखिल किया है मैं तत्-नुसार इस बात से संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस (सीमाशुल्क/प्रयोजन तथा शर्तों की अनुसूची सहित) संख्या पी/सीजी/2126601/एच/जीएन/17/एच/90/सीजी-3 दिनांक 31-7-90 कर्म द्वारा खो/गुम हो गई है। यथासंशोधित आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैसर्स नीरज पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, हैदराबाद को जारी लाइसेंस संख्या पी/सीजी/2126601/को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

पोर्ट को लाइसेंस की अनुलिपि प्रति प्रत्यक्ष से जारी की जा रही है।

[सं. सीजी - 3/1560/19/89-90/97]

जोगिन्द्र सिंह, उप मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य निर्यातक, आयात - निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 23rd January, 1992

S.O. 532.—M/s. Neeraj Petrochemicals Ltd., Hyderabad were granted an import licence No. 2126601 dated 31-7-90. for Rs. 3,34,03,794 (Rupees Three Crores Thirty four Lakhs Three Thousand Seven Hundred Ninety four only) (DM/3318667) for import of Capital Goods for Setting up a New unit at Hyderabad for manufacture of Maleic Anhydride under West Germany Capital Goods Credit.

The firm has applied for issue of Duplicate Licence Custom Purposes Copy for full value of Rs. 34,03,794 and alongwith schedules of Export Obligation stating that full value of the Licence is yet to be utilised and the Original Licence has been lost/misplaced. It has further been stated that the above noted licence has not been registered with any Custom Authority.

an affidavit on stamped paper duly sworn in before a
2. In support of their contention, the licensee has filed

Notary Public. I am accordingly satisfied that the original Licence (Custom Purpose alongwith Schedule of conditions) No. P/CG/2126601/S/GN/17/H/90/CG. III dt. 31-7-90 has been lost/misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(D) of the Import (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended the licence No. P/CG/2126601 (Customs Copy) dated 31-7-90 issued to M/s. Neeraj- Petrochemicals Ltd., Hyderabad is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the licence is being issued to the party.

[No. CG-III/1560/19/89-90/497]

JOGINDER SINGH, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

नागरिक पूति, उपभोक्ता मामलें और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का. आ. 533.—सतपूर्व नागरिक पूति और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की दिनांक 1 अक्टूबर, 1991 की अधिसूचना सं. 9/5/87-सी. पी. यू. के क्रम में राष्ट्रपति उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) माननीय

न्यायमूर्ति श्री वी. बी. इराडी को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 और उपभोक्ता संरक्षण नियम, 1987 में निर्धारित निबंधन और शर्तों पर 19-6-1992 से 19-6-1997 तक आगे पांच वर्ष की अवधि के लिए, जब वह 75 वर्ष की आयु प्राप्त कर लें, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतियोग आयोग के अध्यक्ष के रूप में पुनः नियुक्त करते हैं।

[मि. सं. 9/6/91 - सी. पी. यू.]

अनुराग सक्सेना, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION NOTIFICATION

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 533.—In continuation of the erstwhile Ministry of Civil Supplies & Public Distribution Notification No. 9/5/87-CPU dated 1st October, 1991, the President is pleased to reappoint Hon'ble Justice Shri V. B. Eradi, Supreme Court Judge (Retd.) as the President of the National Consumer Disputes Redressal Commission for a further period of five years beyond 19th June, 1992 and upto 19th June, 1997 when he would attain the age of 75 years, on the terms and conditions prescribed in the Consumer Protection Act, 1986 and Consumer Protection Rules, 1987.

[No. 9/6/91-CPU]
ANURAG SAXENA, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. आ. 534.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत कोंडगूडम से सदरन मेगनीटिजम कैमिकल्स लिमिटेड तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है ;

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है ;

वस्तुतः कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ;

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

कोंडगूडम से सदरन मेगनीटिजम लिमिटेड

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टर / एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	देवरुम	कोंडगूडम	63-2बी	0.110	
			6-2	0.165	
			66-1बी, 2बी	0.210	
			3बी, 4बी		

1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी (जारी)			72-1 ⁰ 2	0.010	
			73-212	0.015	
			73-2 ^व	-----	
				0.135	
		2	73-3 ^ए	0.080	
		2	73-3 ^{वा}	0.075	
		2	75-5 ^{वा} 2	0.090	
			75-5 ^{वा} 3	0.205	
			75-5 ^{वा} 4	0.030	
				1.125 हेक्टर.	
		जोड़	एवं	2.77 एकड़	

[सं. ओ-12016/141/91-ओ एन जी-डी. 4]

एम मार्टिन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 534.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kondagudem to Southern Magnesium Chemicals Ltd. in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103;

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM KONDAGUDEM TO SOUTHERN MAGNESIUM LIMITED

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect/Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Godavari	Devarapalimandal	Kondagudem	63-2B	0.110	
			64-2	0.165	
			65-1B, 2B, 3B, 4B	0.210	
			72-1A2	0.010	
			73-212	0.015	
			73-2B/2	0.135	
			73-3A/2	0.080	
			73-3B/2	0.075	
			75-5B2	0.090	
			75-5B/B	0.205	
			75-5B4	0.030	
			TOTAL	1.125 Hectares & 2.77 Acres	

[No. O-12016/141/91-ONG-D.4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. आ. 535.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पंगिडि से गोरिपटनम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है;

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार भूग्रहण करना आवश्यक है;

अतः, पेट्रोलियम एवं खनिजवाइय लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है;

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, जे. ज़ि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंडि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है;

और, ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विषेय रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

पंगिडि से गोरिपटनम

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टर / एकड़ में	विवरण
पश्चिम गोदावरी	कोठवरु	पंगिडि	185-2अ	0.055	
			185-2सी	0.110	
			185-2ब	0.100	
			185-2ए	0.100	
			185-1ब	0.075	
			184-1ब	0.005	
			28-1पार्ट	0.630	
			184-1ए	0.130	
			179-4पार्ट	0.030	
			179-3पार्ट	0.025	
			179-2	0.020	
			180-1पार्ट	0.155	
			178-2पार्ट	0.065	
			178-1पार्ट	0.065	
			41-पार्ट	0.030	
			40-4पार्ट	0.065	
			40-3	0.060	
			40-1, 2पार्ट	0.015	{
				0.045	
			40-5पार्ट	0.050	
			33-8	0.005	
			34-4ब	0.190	
			30-4ब	0.005	
			34-3	0.065	

1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	कोकट	पंगिडी	34-1ब	0.130	
			30-9	0.010	
			30-7	0.080	
			30-6	0.005	
			30-8	0.010	
			30-1ए	0.160	
			5पार्ट	0.040	
			30-1बी	0.025	
			24-2पार्ट	0.010	
			1पार्ट	0.025	
			25पार्ट	0.020	
			26पार्ट	0.020	
			11-2	0.145	
			11-1पार्ट	0.075	
			11-3एपार्ट	0.055	
			12-2पार्ट	0.180	
			8-4ए	0.015	
			8-3ए	0.125	
			8-2बी	0.055	
			8-2ए	0.055	
			8-1ए	0.030	
			7-2सी	0.030	
			7-2ए	0.030	
			7-1पार्ट	0.095	
			1/3बी	0.130	
			7-2बी	0.030	
			1-3सी	0.180	
			1-3ए	0.315	
			76पार्ट	0.080	
				4.17 हेक्टर.	
				या	
				10.30 एकड़ में	

[सं. ओ-12016/142/91-ओ एन जी-डी. 4]

[एम. माटिन, डेस्क अधिकारी]

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 535.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pangidi to Gauripatnam in A. P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
PANGIDI TO GOWRIPATNAM

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (In Hect. Acres)	Remarks
West Godavari	Kovvur	Pangidi	185-2D	0.055	
			185-2C	0.110	
			185-2B	0.100	
			185-2A	0.100	
			185-1B	0.075	
			184-1B	0.005	
			28-1 pt	0.630	
			184-1A	0.130	
			179-4 pt	0.030	
			179-3 pt	0.025	
			179-2	0.020	
			180-1 pt	0.055	
			178-2 pt	0.065	
			178-1 pt	0.065	
			41-pt	0.030	
			40-9 pt	0.065	
			40-3	0.060	
			40-1, 2 Pt	{ 0.015 0.045	
			40-5 Pt	0.050	
			33-8	0.005	
			34-4B	0.190	
			30-4B	0.005	
			34-3	0.065	
			34-1B	0.130	
			30-9	0.010	
			30-7	0.080	
			30-6	0.005	
			30-8	0.010	
			30-1A	0.160	
			5 pt	0.040	
			30-1B	0.025	
			24-2 pt	0.010	
			1 pt	0.025	
			25 pt	0.020	
			26 pt	0.020	
			12-2	0.145	
			11-1 pt	0.075	
			11-3 A pt	0.055	
			12-2 pt	0.190	
			8-4 A	0.015	
			8-3 A	0.125	
			8-2 B	0.055	
			8-2 A	0.055	
			8-1A	0.030	
			7-2C	0.030	
			7-2A	0.030	
			7-1 pt	0.095	
			1/3 B	0.130	
			7-2B	0.030	
			1-3C	0.180	
			1-3A	0.315	
			76 pt	0.080	
				4.17 Hectar	
				OR	
				10.30 Acres	

[No. O-12016/142/91-ONG.D.4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. आ. 536.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पांगिडि से गौरिपटनम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसका साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची
पांगिडि से गौरिपटनम

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टे/ एकड़ में	विवरण
पश्चिम गोदावरी	देकरपल्ली	कोंडगूडेम	9-7 भाग	0.075	
			7-2	0.245	
			2.2	0.345	
			86.2	0.005	
			"	0.120	
			8-5	0.030	
			8-4	0.080	
			6-2	0.060	
			5-1	0.090	
			5-20 भाग	0.075	
			4-6 भाग	0.095	
			4-5 भाग	0.155	
			3-4 भाग	0.245	
			84-2	0.480	
			83-1	0.120	
			83-3	0.485	
			83.2	0.120	
			कुल	2.825 हेक्टेह या 7.00 एकड़ में	

[सं. ओ-12016/143/91-ओ एन जी-डी-4]

एक. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 536.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pangidi to Gouripatnam in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, where it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, E.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE PANGIDI TO GOWRIPATNAM

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (In Hect. Acres)
West Godavari	Devarapalli	Kenda Gudem	9-7 pt	0.075
			7-2	0.245
			2-2	0.345
			86-2	0.005
			86-2	0.120
			8-5	0.030
			8-4	0.080
			6-2	0.060
			5-1	0.090
			5-2 cpt	0.075
			4-6 pt	0.095
			4-5 pt	0.155
			3-4 pt	0.245
			84-2	0.480
			83-1	0.120
			83-3	0.485
			83-2	0.120
TOTAL			2.825 Hect. OR 7.00 Acres	

[No. O-12016/143/91-ONG-D.4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. प्रा. 537 —जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत दोम्बेरे से एन. सी. एन. इन्डस्ट्रीज लिमिटेड तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोजता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एन. सी. एन. उप पर प्रयोजता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेवर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत, पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट सूचकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

दोम्मेरु से एन. सी. एल. इन्डस्ट्रीज लिमिटेड

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टे./ एकड़ में	
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	कोव्वूर	दोम्मेरु	520-1	0.105	
			520-2	0.085	
			520-3	0.055	
			520-4	0.050	
			520-5	0.070	
			519 भाग	0.060	
			573.2	0.100	
			619.2	0.065	
			618.2	0.270	
			615 भाग	0.200	
				1.060 हेक्टे.	
				2.62 एकड़	

[सं. ओ-12016/144/91-ओ एन जी डेस्क-4]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 537.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dommeru to N.C.L. Industries Ltd. in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
DOMMERU TO N.C.L. INDUSTRIES LIMITED

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (In Hect Acres)	Remarks
West Godavari	Kovvur	Dommeru	520-1	0.105	
			520-2	0.085	
			520-3	0.055	
			520-A	0.050	
			520-5	0.070	
			519 pt	0.060	
			573-2	0.100	
			619-2	0.065	
			618-2	0.270	
			615 pt	0.200	
			TOTAL	1.060 Hect.	
				OR	
				2.62 Acres	

[No. O-12016/144/91-ONG(D4)]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. आ. 538.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत कोव्वूर से अरिकिरेवुला तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाये जाते हैं।

और यह भी अनुभव करती है कि इस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्द्वारा इस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वैशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुंद्री, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूचा

आर. ओ. थु. गैस पाइप लाइन कोव्वूर से अरिकिरेवुला

सदरन पेस्ट्रिसेड्स कारपोरेशन कोव्वूर

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश विलेज : अरिकिरेवुला

मंडल : कोव्वूर

जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टर्स	एर्स	सेन्टएर्स	एर्स	सेन्टस
अरिकिरेवुला	149-1 बी/2	0	11	5	0	29
	152-1	0	32	5	0	81
		0	44	0	1	10

[सं. ओ-12016/145/91-ओ एन जी डैस्क-4]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. —Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kollur to Arikerevula in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Gas Pipe Line from Kovvur to Arikirevula Southern Pesticides Corporation Kovvur

Village : Arikirevula

Mandal : Kovvur

District : West Godavari

STATE : Andhra Pradesh

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
Arikirevula	149-1B/2	0	11	5	0	29
	152-1	0	32	5	0	81
		0	44	0	1	10

[No. O-12016/145/91-ONG-D.4]

M. MARTIN, Desk Office

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1992

का.प्र. 539.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरवली से कोव्वूर और पांगिडि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजन का अधिकार, ग्रहण करना आवश्यक है;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमूद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यावसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. यू. गैस पाइप लाइन पेरवली, कोव्वूर और पांगिडि

स्टेट :—आन्ध्र प्रदेश

गांव : कोव्वूर

मंडल : कोव्वूर

जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	एस. नं.	हेक्टेर्स	एर्स	सेन्टिअर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
कोव्वूर	525	0	12	5	0	31
	526	0	10	0	0	25
	527-1 भाग	0	08	0	0	20
	528-1 बी	0	41	5	1	02
	527-2	0	06	0	0	15
	52बी-2 बी 2	0	16	0	0	40
	528-1 ए	0	05	5	0	14
	519-3 ए भाग	0	04	0	0	10
	519-2 भाग	0	12	5	0	31
	518-2	0	20	0	0	50
	518-1	0	24	5	0	60

1	2	3	4	5	6	7
कोम्बुर-जारी	516-1	0	04	0	0	10
	516-2ए भाग	0	09	5	0	23
	516-2 बी	0	15	0	0	37
	572-2 बी	0	21	0	0	52
	603-2 बी	0	18	5	0	46
	514-1 बी भाग	0	0	5	0	01
	514-16	0	17	5	0	43
	568-2 ए भाग	0	20	0	0	49
	568-3 ए 2 भाग	0	0	5	0	01
	568-3ए 3	0	01	5	0	04
	573-1ए 1	0	0	5	0	01
	1ए 2	0	03	0	0	08
	589-3 भाग	0	05	0	0	12
	4ए भाग	0	16	0	0	40
	572-1ए भाग	0	21	0	0	52
	574-4ए 1 भाग	0	44	5	1	10
	-3बी भाग	0	0	5	0	01
	588-1	0	11	5	0	29
	59-1 भाग	0	19	5	0	48
	2 भाग	0	0	5	0	01
	3 भाग	0	05	5	0	14
	591-1 भाग	0	07	5	0	18
	590-1ए 3	0	03	5	0	09
	-2सी	0	0	5	0	01
	591-3 भाग	0	16	0	0	39
	590-1 बी	0	02	0	0	05
	601-1 भाग	0	0	5	0	01
	601-2 बी	0	13	5	0	33
	602-2	0	01	5	0	04
	601-3 भाग	0	07	0	0	17
	602-1 भाग	0	20	5	0	51
	603-1	0	02	5	0	06
	603-2ए	0	07	5	0	18
	381-1 भाग	0	12	0	0	30
	381-2 भाग	0	05	0	0	12
	380-4बी	0	05	0	0	12
	618-2	0	01	5	0	04
	380-2 भाग	0	15	5	0	38
	4 भाग	0	07	5	0	18
	380-1 बी	0	14	0	0	34
	379-3 बी	0	03	0	0	08
	380-1सी	0	02	0	0	05
	379-5बी	0	10	0	0	25
	379-2बी	0	07	5	0	18
	377-2ए	0	14	5	0	35
	377-1ए	0	0	5	0	01
	372-1बी	0	07	5	0	18

1	2	3	4	5	6	7
कोव्वूर (जारी)	378-1	0	01	0	0	02
	378-2	0	02	0	0	05
	378-3	0	41	5	1	03
	372-1सी	0	07	5	0	18
	372-2,भाग, 3 भाग	0	23	5	0	58
	373 भाग	0	02	5	0	06
	370 भाग	0	52	0	1	29
	310-2 भाग	0	13	5	0	33
	310-1 भाग	0	13	5	0	33
	309-5बी	0	11	5	0	29
	5ए	0	10	0	0	25
	293-3बी	0	15	0	0	37
	2बी	0	02	5	0	06
	294-1बी	0	12	5	0	31
	2ए	0	01	0	0	03
	309-4 भाग	0	13	5	0	33
	309-1 भाग	0	11	0	0	27
	302-2 भाग	0	26	5	0	65
	-3 भाग	0	02	5	0	06
	302-4 भाग	0	08	5	0	21
	302-5	0	08	5	0	21
	302-6	0	18	0	0	44
	301-4	0	12	5	0	31
	301-3	0	11	5	0	29
	301-2	0	06	0	0	15
		9	12	0	22	50

[ओ-12016/146/91-ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 539.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur to Pandigi in A. P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Gas Pipe Line From Peravali to Kovvur and Pandigi

State : Andhra Pradesh

Village : Kovvur
 Mandal : Kovvur
 District : West Godavari

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kovvur	525	0	12	5	0	31
	526	0	10	0	0	25

1	2	3	4	5	6	7
Kovvur Contd.	527-1 pt	0	08	0	0	20
	528-1B	0	41	5	1	02
	527-2	0	06	0	0	15
	528-2B2	0	16	0	0	40
	528-1A	0	05	5	0	14
	519-3A pt	0	04	0	0	10
	519 2 pt	0	12	5	0	31
	518-2	0	20	0	0	50
	518-1	0	24	5	0	60
	516-1	0	04	0	0	10
	516-2A pt	0	00	5	0	23
	516-2B	0	15	0	0	37
	572-2B	0	21	0	0	52
	603-2B	0	18	5	0	46
	514-1A pt	0	0	5	0	01
	514-1C	0	17	5	0	43
	508-1 A pt	0	20	0	0	49
	568-3A 2 pt	0	0	5	0	01
	568-3A3	0	01	5	0	04
	573-1A1	0	0	5	0	01
	1A2	0	03	0	0	08
	569-3 pt	0	05	0	0	12
	4A pt	0	16	0	0	40
	572-1A pt	0	21	0	0	52
	574-4A 1 pt	0	44	5	1	10
	-3 B pt	0	0	5	0	01
	588-1	0	11	5	0	29
	59-1 pt	0	19	5	0	48
	2 pt	0	0	5	0	01
	3 pt	0	05	5	0	14
	591-1 pt	0	07	5	0	18
	590-1 E 3	0	03	5	0	09
	-2C	0	0	5	0	01
	591-3 pt	0	16	0	0	39
	590-1B	0	02	0	0	05
	601-1 pt	0	0	5	0	01
	601-2 B	0	13	5	0	33
	602-2	0	01	5	0	04
	601-3 pt	0	07	0	0	17
	602-1 pt	0	20	5	0	51
	603-1	0	02	5	0	06
	603-2A	0	07	5	0	18
	381-1 pt	0	12	0	0	30
	381-2 pt	0	05	0	0	12
	380-4 B	0	05	0	0	12
	618-2	0	01	5	0	04
	380-2 pt	0	15	5	0	38
	4 pt	0	07	5	0	18
	380-1B	0	14	0	0	34
	379-3 B	0	03	0	0	08
	380-1C	0	02	0	0	05
	379-5B	0	10	0	0	25
	379-2B	0	07	5	0	18
	377-2A	0	14	5	0	35
	377-1A	0	0	5	0	01
	372-1B	0	07	5	0	18
	378-1	0	01	0	0	02
	378-2	0	02	0	0	05
	378-3	0	41	5	1	03
	372-1C	0	07	5	0	18
	372-2 pt, 3 pt	0	23	5	0	58
	373 pt	0	02	5	0	06
	370 pt	0	52	0	1	29
	310-2 pt	0	13	5	0	33
	310-1 pt	0	13	5	0	33

1	2	3	4	5	6	7
	309-5 B	0	11	5	0	29
	-5 A	0	10	0	0	25
	293-3 B	0	15	0	0	37
	-2 B	0	02	5	0	06
	294-1B	0	12	5	0	31
	-2A	0	01	0	0	03
	309-4 pt	0	13	5	0	33
	309-1 pt	0	11	0	0	27
	302-2 pt	0	26	5	0	65
	3 pt	0	02	5	0	06
	302-4 pt	0	08	5	0	21
	302-5	0	08	5	0	21
	302-6	0	18	0	0	44
	301-4	0	12	5	0	31
	301-3	0	11	5	0	29
	301-2	0	06	0	0	15
		9	12	0	22	50

[O-12016/146/91-O.N.G.-D.-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का.आ. 540.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिये पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत तणुकु से गौतमि सालवेन्ड्स तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिये इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वशत कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अविसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसंस्करण, कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश, में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर.ओ. यु. गैस पाइप लाइन तणुकु से गौतमि सालवेन्ड्स आइल लिमिटेड और कोस्टल आगरी इंडस्ट्रीज लिमिटेड

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश
 विलेज : तेतलि
 मंडल : तणुकु
 जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	आर एस नं.	हेक्टास	एस	सेंटियर्स	एक्स	सेंट्स
	325-7	0	08	5	0	21
	377-1	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6	7
	377-2	0	02	0	0	05
	377-3	0	01	0	0	03
	336-6ए	0	07	5	0	18
	13ए					
	17ए					
	327	0	01	5	0	04
	374	0	04	0	0	10
	326	0	01	5	0	04
		0	30	0	0	75

[ओ.-12016/147/91-ओएनजी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 540.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tanuku to Youtran Society in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM TANUKU TO GAUTAMI SOLVENTS OILS LIMITED AND COASTAL AGRO INDUSTRIES LIMITED

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : TETALI
MANDAL : TANUKU
DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
TETALI	325-7	0	08	5	0	21
	377-1	0	04	0	0	10
	377-2	0	02	0	0	05
	377-3	0	01	0	0	03
	336-6A, 13A, 12A	0	07	5	0	18
	327	0	01	5	0	04
	374	0	04	0	0	10
	362	0	01	5	0	04
		0	30	0	0	75

[No. O-12016/147/91-O.N.G.-D.-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का.आ. 541—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिये पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेखलि में कोन्तूर और पंगिडि तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिये उसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्शते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर.ओ.यू. गैस पाइप लाइन परबलि से कोन्नूर और पंगिडि

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिवीजन : वेमलुरु

मंडल : कोन्नूर

जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	एस.नं.	हैक्टर्स	एस	सेन्टियर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
वेमलुरु	120	0	02	5	0	06
121 पीटी		0	06	5	0	16
122 पीटी		0	06	5	0	16
123 पीटी		0	06	0	0	15
124 पीटी		0	06	0	0	15
117-3सी		0	13	5	0	33
117-3बी		0	01	5	0	04
117-3ए		0	14	5	0	35
114-2सी		0	11	5	0	29
114-2सी		0	10	5	0	26
114-1सी		0	03	0	0	08
114-1ए1		0	03	5	0	04
114-1ए2		0	03	5	0	09
113-3		0	27	5	0	68
113-1		0	11	0	0	27
81-1		0	15	0	0	37
82-4ए1		0	08	5	0	21
82-4ए2		0	04	0	0	10
82-31		0	01	0	0	02
2ए		0	11	5	0	28
82-32, 2बी		0	10	0	0	25
82-1ए		0	09	5	0	23
77		0	03	5	0	09
44-5, 6, 7		0	20	5	0	51

1	2	3	4	5	6	7
बेमलूर (समाप्त)	44-1	0	02	5	0	06
	43-2	0	07	5	0	19
	43-1बी 2	0	05	0	0	12
	43-1/1	0	10	0	0	25
	51-2बी	0	05	0	0	12
	54-7बी, 7सी	0	14	0	0	34
	54-7बी, 7बी	0	11	5	5	29
	64 पीटी	0	03	5	0	09
	63 पीटी	0	16	0	0	40
	62 पीटी	0	05	5	0	13
	61 पीटी	0	14	0	0	34
	60-3, 4	0	26	0	0	64
	59	0	05	0	0	12
	145-2	0	26	0	0	64
	144-9बी	0	15	5	0	38
	144-8सी	0	07	5	0	19
	ए 1	0	05	0	0	12
	बी 1	0	03	0	0	08
	144-4बी	0	03	0	0	08
	5ए	0	03		0	07
	7बी	0	04	0	0	10
	6ए	0	02	5	0	06
	144-3बी	0	06	0	0	15
	144-10	0	16	0	0	39
	144-1बी	0	17	5	0	43
	160-1ए 1	0	19	0	0	47
	1बी 1	0	20	0	0	49
		4	84	5	11	96

[ओ 12016/148/91-ओ. एन. जी. डी. -4]

एम माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 541.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur and Pangidi in A. P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM PERAVAU TO KOVVUR AND PANGIDI

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : VEMULURU

MANDAL : KOVVUR

DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
VEMULURU	120	0	02	5	0	06
	121 pt	0	06	5	0	16
	122 pt	0	06	5	0	16
	123 pt	0	06	0	0	15
	124 pt	0	06	0	0	15
	117-3C	0	13	5	0	33
	117-3B	0	01	5	0	04
	117-3A	0	14	5	0	35
	114-2C	0	11	5	0	29
	114-2D	0	10	5	0	26
	114-1C	0	03	0	0	08
	114-1A1	0	03	5	0	09
	114-1A2	0	03	5	0	09
	113-3	0	27	5	0	68
	113-1	0	11	0	0	37
	81-1	0	15	0	0	47
	82-4A1	0	08	5	0	21
	82-4A2	0	04	0	0	10
	82-31	0	01	0	0	02
	2A	0	11	5	0	28
	82-32, 2B	0	10	0	0	25
	82-1A	0	09	5	0	23
	77	0	03	5	0	09
	44-5, 6, 7	0	20	5	0	51
	44-1	0	02	5	0	06
	43-2	0	07	5	0	19
	43-1B2	0	05	0	0	12
	43-1/1	0	10	0	0	25
	51-2B	0	05	0	0	12
	54-7B, 7C	0	14	0	0	34
	54-7B, 7E	0	11	5	0	29
	64 pt	0	03	5	0	09
	63 pt	0	16	0	0	40
	62 pt	0	05	5	0	13
	61 pt	0	14	0	0	34
	60-3, 4	0	26	0	0	84
	59	0	05	0	0	12
	145-2	0	26	0	0	64
	144-9B	0	15	5	0	33
	144-8C	0	07	5	0	11
	A1	0	05	0	0	12
	B1	0	07	0	0	08
	144-4B	0	03	0	0	08
	5A	0	03	0	0	07
	7B	0	03	0	0	10
	6A	0	02	5	0	06
	144-3B	0	06	0	0	15
	144-10	0	16	0	0	39
	144-1B	0	17	5	0	43
	160-1A1	0	19	0	0	47
	1B1	0	20	0	0	49
		4	84	5	11	96

[O-12016/148/91-ONG-Desk.4]

नई दिल्ली, 27 जनवरी 1992

का.आ. 542.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पैट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाइन परियोजना के अन्तर्गत कोन्नूर में मारिकिरेवूला सधरन पस्टि मंडल कारपोरेशन कोब्बू तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पैट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि गन पाईप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मक्षम प्राधिकारी मक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर.ओ. यू. गैस पाइप लाइन कोब्बू से मारिकिरेवूला
सधरन रेपिसेडस कारपोरेशन

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिवीज : कोब्बूर

मंडल : कोब्बूर

जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	एस नं.	हेक्टेयर्स	एम्	सेंटियर	एकर्स	सेंटस
1	2	3	4	5	6	7
कोब्बूर	234-2ए	0	16	0	0	39
	234-1ए	0	20	0	0	49
	235-2बी	0	10	0	0	25
	243-2बी	0	02	0	0	05
	235-1बी	0	07	0	0	17
	233-1पीटी	0	01	0	0	02
	244-2	0	47	5	1	17
	245-2बी	0	31	0	0	77
	228-1	0	0	5	0	01
	228-4	0	01	0	0	03
	228-3	0	04	5	0	11
	228-2	0	04	0	0	10
	187-2बी	0	04	0	0	10
	249-2	0	22	0	0	54
	187-1ए	0	08	0	0	20
	250-2डी	0	11	5	0	29
	250-2सी	0	11	5	0	29
	250-2बी	0	07	5	0	18
	250-1सी/2	0	31	5	0	78

1	2	3	4	5	6	7
कोव्वूर	103-3बी12	0	18	5	0	46
	104-1बी	0	24	5	0	61
	108-2ए	0	14	5	0	35
	108-2बी	0	08	5	0	21
	109-2ए3	0	08	5	0	21
	110-1ए	0	34	0	0	84
	111-1बी/1बी	0	45	5	1	12
	115-1ए/2	0	02	0	0	05
	371-2	0	07	0	0	19
	250-1ए/2	0	02	0	5	05
	83-2पीटी	0	03	0	0	08
	103-1ए2	0	0	5	0	01
	104-2बी	0	0	5	0	01
	111-1ए2	0	02	0	0	05
	115-1ए	0	05	5	0	14
		4	25	5	10	53

[ओ.-12016/149/91-ओ.एन.जी. डी.-4]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 542.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kovvur to Arikretur Southern Pesticides Corporation in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM KOVVUR TO APIKIREVULA SOUTHERN PESTICIDES CORPORATION KOVVUR

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : KOVVUR
MANDAL : KOVVUR
DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centi Ares	Acres	Cent
Kovvur	234-2A	0	16	0	0	39
	234-1A	0	20	0	0	49
	235-2B	0	10	0	0	25
	243-2B	0	02	0	0	05
	235-1B	0	07	0	0	17
	233-1 pt	0	01	0	0	02
	244-2	0	47	5	1	17
	245-2B	0	31	0	0	77
	228-1	0	0	5	0	01
	228-4	0	01	0	0	03
	228-3	0	04	5	0	11

1	2	3	4	5	6	7
	228-2	0	04	0	0	10
	187-2B	0	04	0	0	10
	249-2	0	22	0	0	54
	187-1A	0	08	0	0	20
	250-1D	0	11	5	0	29
	250-2C	0	11	5	0	29
	250-2B	0	07	5	0	18
	250-1 C/2	0	31	5	0	78
	103-3B/2	0	18	5	0	46
	104-1B	0	24	5	0	61
	108-2A	0	14	5	0	35
	108-2B	0	08	5	0	21
	109-2A ₂	0	08	5	0	21
	109-2A ₃	0	08	5	0	21
	110-1A	0	34	0	0	84
	111-1B	0	45	5	5	12
	1B					
	115-1A/2	0	02	0	0	05
	371-2	0	07	0	0	19
	250-1A/2	0	02	0	0	05
	83-2 pt	0	03	0	0	08
	103-1A2	0	0	5	0	01
	104-2B	0	0	5	0	01
	111-1A2	0	02	0	0	05
	115-1A	0	05	5	0	14
	TOTAL	4	25	5	10	53

[No. O-12016/149/91-ONG-D. 4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का.आ. 543—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिये पार्श्व लाईन परियोजना के अन्तर्गत पेरवलि से कांव्वूर और पंगिड तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिये इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पार्श्व लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

वर्षा कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पार्श्व लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है

आर.ओ. यू. गैस पाईप लाइन परावली से कोव्वूर और पंगिडि

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

ज़िलेज : तोगुम्मि

मंडल : कोव्वूर

ज़िला : पश्चिम गोदावरी

गांव	एस नं.	हेक्टेयर	एस	सेन्टियर	एकर्स	सेन्ट्स
तोगुम्मि	41-4ए	0	08	5	5	21
	3ए	0	12	5	0	31
	2ए	0	12	0	0	30
	42-4बी	0	22	5	0	55
	42-2बी	0	11	5	0	28
	42-1बी	0	11	5	0	29
	62-5ए	0	06	0	0	15
	62-3ए	0	14	5	0	36
	62-1ए	0	03	5	0	09
	43-2बी	0	08	5	0	21
	43-2ए	0	03	5	0	09
	44-6	0	07	5	0	18
	49-3ए	0	34	0	0	84
	44-5ए	0	05	0	0	12
	4ए	0	01	5	0	04
	44-2ए	0	08	5	0	21
	47-1बी	0	10	0	0	25
	45-3ए	0	0	5	0	21
	6ए	0	06	0	0	15
	45-5ए	0	08	5	0	21
	96-4बी	0	14	5	0	36
	46-5बी	0	13	0	0	32
	47-3बी	5	17	0	0	42
	49-8बी	0	13	5	0	33
	49-7बी	0	12	0	0	30
		2	72	0	6	73

[सं. ओ.-12016/150/91-ओ एन जी डी.-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 543.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Peravali to Kovvur and Pangidi in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM PERAVALI TO KOVVUR AND PANGIDI

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : THOGUMMI

MANDAL : KOVVUR

DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centi ares	Acres	Cents
Thogummi	41-4A	0	08	5	0	21
	3A	0	12	5	0	31
	2A	0	12	0	0	30
	42-4B	0	22	5	0	55
	42-2B	0	11	5	0	28
	42-1B	0	11	5	0	29
	62-5A	0	06	0	0	15
	62-4A	0	06	0	0	15
	62-3A	0	14	5	0	36
	62-1A	0	03	5	0	09
	43-2B	0	08	5	0	21
	43-2A	0	03	5	0	09
	44-6	0	07	5	0	18
	49-3A	0	34	0	0	84
	44-5A	0	05	0	0	12
	4A	0	01	5	0	04
	44-2A	0	08	5	0	21
	47-1B	0	10	0	0	25
	45-3A	0	0	5	0	01
	6A	0	06	0	0	15
	45-5A	0	08	5	0	21
	46-4B	0	14	5	0	36
	46-5B	0	13	0	0	32
	47-3B	0	17	0	0	42
	49-8B	0	13	5	0	33
	49-7B	0	12	0	0	30
TOTAL		2	72	0	6	73

[No. O-12016/150/91-ONG.D-4]

M. Martin, Desh Officer

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1992

का. आ. 544 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए :

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना से उपाय्य अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है :

अतः केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइप लाइन बिछाने के संबंध में आपत्ति लिखित रूप में श्री आर. पी. कौशिक, तहसीलदार और सक्षम प्राधिकारी,

इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, कांडला - भटिंडा पाइपलाइन परियोजना, 1158, सैक्टर 13 मॉर्न एस्टेट, करनाल (हरियाणा) को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : बाबल		जिला : रिवाड़ी		राज्य : हरियाणा	
गांव का नाम	हदबस्त नं.	भूखेती नं.		क्षेत्रफल	
		किला नं.		हेक्टेयर आर	वर्ग-मीटर
1	2	3	4	5	6
बगडोरा	50	04			
		19	0	01	77
		18	0	01	27

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अ						आ					
1	50	19	0	14	16	आ 50	50	25	0	09	36
		21	0	10	12			54			
		22	0	04	05			02	0	00	25
		09						3/1	0	10	12
		5/2	0	00	25			3/2	0	01	52
		14	0	03	04			08	0	00	51
		17	0	10	12			9/1	0	05	82
		18	0	02	53			9/2	0	04	30
		23	0	13	66			11	0	03	79
		10						12/1	0	07	08
		1/1	0	06	07			12/2	0	02	53
		1/2	0	02	53			20	0	13	66
		25						21	0	04	30
		02	0	08	85			77			
		03	0	04	80			04	0	01	26
		09	0	12	14			05	0	11	89
		10	0	01	01			06	0	00	25
		11	0	13	15			07	0	04	30
		12/1	0	00	25			81			
		20	0	07	08			10	0	29	59
		26						89	0	01	77
		16/1	0	06	07			92	0	01	77
		16/2	0	00	25			532	0	00	25
		24/1	0	00	25			545	0	01	01
		25	0	12	30			562	0	03	54
		29				आ 48	48	19			
		04	0	11	89			15	0	09	35
		5/1	0	01	27			16	0	12	14
		7/2	0	08	35			17	0	01	26
		08	0	05	31			24	0	12	39
		12	0	05	10			25	0	00	51
		13	0	13	41			20			
		29						10	0	09	61
		18	0	02	28			11	0	03	54
		19	0	11	38			22			
		21	0	04	55			03	0	04	55
		22	0	09	10			04	0	07	08
		50						12	0	08	60
		01	0	13	66			13	0	04	81
		10	0	03	29			19	0	12	65
		51						20	0	00	76
		06	0	10	12			21	0	11	13
		14	0	01	52			22	0	01	01
		15	0	11	64			33			
		16	0	00	25			5/2	0	04	05
		17	0	11	63			06	0	13	41
		22	0	06	58			14/2	0	00	51
		24	0	07	33			14/3	0	07	58
		53						15/1	0	02	53
								15/2	0	01	01
								15/3	0	02	02

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		17/1	0	08	60			13	0	13	15
		17/3	0	03	54			14	0	04	05
		18	0	00	51			18	0	03	29
		23	0	11	93			19/1	0	00	51
		24	0	01	52			19/2	0	07	08
		34						20/1	0	00	00
		01	0	07	34			21/2	0	09	86
		39						22	0	03	54
		02	0	03	04			74			
		03	0	00	00			1/1	0	04	81
		08	0	10	12			1/2	0	00	51
		09	0	13	40			87			
		11	0	07	06			01	0	05	06
		12	0	06	32		18	88			
		20	0	13	15			06	0	10	88
		21/1	0	02	02			07	0	01	26
		40						11	0	13	15
		16/1	0	00	25			17	0	03	79
		25/1	0	00	26			18/1	0	10	88
		25/2	0	08	55			22	0	06	32
48		51						23	0	08	34
		1/1	0	00	25			26	0	00	51
		1/2	0	03	54			91			
		05	0	08	10			15	0	04	82
		06	0	00	26			92			
		07	0	13	15			01	0	01	26
		13	0	05	57			02	0	12	90
		14	0	06	32			09	0	00	51
		18/1	0	04	05			10/1	0	06	58
		18/2	0	09	11			10/2	0	06	83
		19	0	00	00			11	0	05	31
		22	0	05	06			133	0	06	58
		23	0	06	83			139	0	03	03
		26	0	01	01			144	0	03	03
		61						146	0	01	52
		02	0	10	12			147	0	01	77
		03	0	00	25			148	0	01	51
		09	0	11	13			149	0	01	51
		12/1	0	04	30			150/1	0	01	77
		12/2	0	05	06			267	0	01	51
		19	0	11	38			268	0	01	26
		20/1	0	02	28			274	0	02	53
		21	0	08	35			292	0	00	25
		22/2	0	05	82			297/1	0	01	52
		73						297/2	0	02	78
		5/1	0	01	01			298	0	01	01
		5/2	0	09	61	नगसह पुरगढ़ी	08	02			
		5/3	0	01	26			13/2	0	07	59
		06	0	04	55			18	0	11	64
		07	0	11	38			19	0	00	76
		12	0	00	00			22	0	12	65

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
नर सिंह पुर गढ़ी (जारी)	23/1	0	00	51	घारण (जारी)	07	23	0	09	86	
	23/2	0	00	00			21				
	06						01	0	00	25	
	1/2	0	04	55			25				
	02	0	08	09			2/1	0	00	76	
	09	0	01	77			2/2	0	10	12	
	177	0	01	26			09	0	00	25	
घारण	07	04					10	0	10	62	
	13	0	12	14			11	0	11	64	
	04						20/2	0	00	25	
	14	0	03	54			26				
	18	0	10	12							
	19	0	03	29			15	0	02	02	
	22	0	13	15			16	0	11	64	
	23/1	0	00	00			33				
	10						03	0	00	51	
	6/2	0	01	01			04	0	13	15	
	15	0	12	65			07	0	01	77	
	16	0	08	09			8/1	0	07	84	
	17	0	05	31			8/2	0	04	05	
	23/2	0	00	25			12	0	03	79	
	24/1	0	10	62			13	0	09	36	
	24/2	0	03	29			19/1	0	02	78	
	11						19/2	0	05	56	
	01	0	08	85			21/2	0	09	86	
	2/1	0	05	06			22	0	02	28	
	10	0	10	12			40				
	11	0	01	01			1/1	0	08	60	
	15						1/2	0	00	25	
	3/1	0	00	51			41				
	3/2	0	10	87			5/2	0	00	00	
	04	0	02	28			06	0	10	37	
	08	0	10	37			14	0	06	58	
	09	0	03	04			15	0	07	08	
	12	0	13	41			17	0	12	39	
	13/1	0	00	00			18	0	00	25	
	19	0	05	06			23	0	01	62	
	20	0	08	60			24	0	02	28	
	21	0	11	89			26	0	05	31	
	16						45				
	25	0	01	52			25	0	01	77	
	20						46				
	05	0	12	14			03	0	12	39	
	06	0	07	33			8/1/1	0	00	25	
	08	0	06	32			8/1/2	0	02	03	
	13	0	00	25			8/2/1	0	00	25	
	14	0	13	15			8/2/2	0	06	83	
	17/1	0	02	02			12	0	00	00	
	18/1	0	03	04			13	0	11	13	
	18/2	0	07	33							
	22/2	0	04	30							

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	07	46						28			
		18/1	0	02	28			04	0	06	32
		19	0	14	67			05	0	07	34
		20	0	00	76			07	0	12	14
		21	0	15	18			38	0	01	52
		22	0	01	01			39	0	01	77
		57						93	0	01	26
		01	0	00	25	मुलखा]	2	23			
		58						19	0	00	25
		04	0	03	54			24			
		05	0	14	16			23/1	0	12	39
		07	0	13	14			23/2	0	01	01
		13	0	01	77			32			
		14	0	03	79			21/1	0	00	25
		151	0	13	66			21/2	0	07	85
		157/1	0	01	77			44			
		161	0	01	77			1/1	0	03	04
		164	0	04	30			1/2	0	01	77
		165	0	01	52			45			
		167	0	01	77			5/1	0	12	14
		168	0	01	52			5/2	0	01	26
		169	0	01	52			46			
		181	0	04	55			19/1	0	00	51
		189/1	0	00	51			19/2	0	02	78
		189/2	0	00	25			21/1	0	08	86
		510	0	00	25			21/2	0	04	55
		513	0	02	02						
		524	0	01	01						
बीरवाल	05	13				भदरना	04	52			
		01	0	03	04			19	0	06	07
		10	0	00	76			21/1	0	05	31
		14						21/2	0	04	30
		05	0	01	52			22	0	04	30
		06	0	13	40			56			
		14	0	05	56			01	0	08	09
		15	0	06	57			236	0	01	01
		17	0	13	40						
		18	0	00	25						
		23/1	0	11	38						
		24	0	02	02						
		22									
		16/1	0	01	27						
		25/1	0	08	85						
		25/2	0	02	78						
05	23										
	02		0	04	05						
	3/1		0	08	35						
	3/2		0	00	25						
	09		0	13	66						
	11		0	09	10						
	12		0	04	55						
	20		0	12	39						
	21		0	00	76						

[संख्या प्रार - 31015/1/92 - अ. प्रार. 1]

कुलदीप सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 6th February, 1992

S.O. 544.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipeline(s) should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R. P. Kaushik, Tehsildar and Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla-Bhatinda Pipeline Project, 1158, Sector-13, Urban Estate, Karnal, Haryana.

SCHEDULE

Tehsil : Bawal Distt : Rewari State : Haryana

Name of village	Had- bast No.	Mustatcel No./ Killa No.	Area		
			Hec- tare	Are	Centi- Are
1	2	3	4	5	6
Khandora	50	04			
		12	0	01	77
		18	0	01	27
		19	0	14	16
		21	0	10	12
		22	0	04	05
		09			
		5/2	0	00	25
		14	0	03	04
		17	0	10	12
		18	0	02	53
		23	0	13	66
		10			
		1/1	0	06	07
		1/2	0	02	53
		25			
		02			
		02	0	08	85
		03	0	04	80
		09	0	12	14
		10	0	01	01
		11	0	13	15
		12/1	0	00	25
		20	0	07	08
		26			
		16/1	0	06	07
		16/2	0	00	25
		24/1	0	00	25
		25	0	12	39
		29			
		04	0	11	89
		5/1	0	01	27
		7/2	0	08	35
		08	0	05	31
		12	0	00	10
		13	0	13	41
		29			
		18	0	02	28
		19	0	11	38
		21	0	04	55
		22	0	09	10

1	2	3	4	5	6
Khadora	50	01	0	13	66
		10	0	03	29
		51			
		06	0	10	12
		14	0	01	52
		15	0	11	64
		16	0	00	25
		17	0	11	63
		23	0	06	58
		24	0	07	33
		53			
		25	0	09	36
		54			
		02	0	00	25
		3/1	0	10	12
		3/2	0	01	52
		08	0	00	51
		9/1	0	05	82
		9/2	0	04	30
		11	0	03	79
		12/1	0	07	08
		12/2	0	02	53
		20	0	13	66
		21	0	04	30
		77			
		04	0	01	26
		05	0	11	89
		06	0	00	25
		07	0	04	30
		81			
		10	0	29	59
		89	0	01	77
		92	0	01	77
		532	0	00	25
		545	0	01	01
		562	0	03	54
Tankri	48	19			
		15	0	09	35
		16	0	12	14
		17	0	01	26
		24	0	12	39
		25	0	00	51
		20			
		10	0	09	61
		11	0	03	54
		22			
		03	0	04	55
		04	0	07	08
		12	0	08	60
		13	0	04	81
		19		12	65
		20	0	00	76
		21		11	13
		22	0	01	01
		33			
		5/2	0	04	05
		06	0	13	41
		14/2	0	00	51
		14/3	0	07	58
		15/1	0	02	53
		15/2	0	01	01

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Tankri—Contd.	48	15/3	0	02	02	Tankri—Contd.	48	1/1	0	04	81
		17/1	0	8	60			1/2	0	00	51
		17/3	0	3	54			87			
		18	0	00	51			01	0	05	00
		23	0	1	63			88			
								06	0	10	88
		34	0	01	52			07	0	01	26
		01	0	07	34			14	0	03	15
		39						17	0	03	79
		02	0	03	04			18/1	0	10	88
		03	0	10	12			22	0	06	32
		08	0	00	00			23	0	08	34
		09	0	13	40			26	0	00	51
		11	0	07	08			91			
		12	0	06	32			15	0	04	82
		20	0	13	15			92			
		21/1	0	02	02			01	0	01	26
		40						02	0	12	90
		16/1	0	00	25			09	0	00	51
		25/1	0	00	26			10/1	0	06	58
		25/2	0	08	85			10/2	0	06	83
								11	0	05	31
		51						133	0	06	58
		4/1	0	00	25			139	0	03	03
		4/2	0	03	54			144	0	03	03
		05	0	08	10			146	0	01	52
		06	0	00	26			147	0	01	77
		07	0	13	15			148	0	01	51
		13	0	05	57			149	0	01	51
		14	0	06	32			150/1	0	01	77
		18/1	0	04	05			267	0	01	51
		18/2	0	09	11			268	0	01	26
		19	0	00	00			274	0	02	53
		22	0	05	06			292	0	00	25
		23	0	06	83			297/1	0	01	52
		26	0	01	01			297/2	0	02	78
		61						298	0	01	01
		02	0	10	12	Nar Singh	08	02			
		03	0	00	25	Pur Garhi		13/2	0	07	59
		09	0	11	13			18	0	11	64
		12/1	0	04	30			19	0	00	76
		12/2	0	05	06			22	0	12	65
		19	0	11	38			23/1	0	00	51
		20/1	0	02	28			23/2	0	00	00
		21	0	08	35			06			
		22/2	0	05	82			1/2	0	04	55
		73						02	0	08	09
		5/1	0	01	01			09	0	01	77
		5/2	0	09	61			177	0	01	26
		5/3	0	01	26	Dharan	07	04			
		06	0	04	55			13	0	12	14
		07	0	11	38	Dharan—Contd.	07	04			
		12	0	00	00			14	0	03	54
		13	0	13	15			18	0	10	12
		14	0	04	05			19	0	03	29
		18	0	03	29			22	0	13	15
		19/1	0	00	51			23/1	0	00	00
		19/2	0	07	08			10			
		20/1	0	00	00			6/2	0	01	01
		21/2	0	09	86			15	0	12	65
		22	0	03	54			16	0	08	09
		74						17	0	05	31
								23/2	0	00	25

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Dharan—Contd. 07	24/1		0	10	62	Dharan—Contd. 07	5/2		0	00	00
	24/2		0	03	29		06		0	10	37
	11						14		0	06	58
	01		0	08	85		15		0	07	08
2/1			0	05	06		17		0	12	39
10			0	10	12		18		0	00	25
11			0	01	01		23		0	01	62
15							24		0	02	28
3/1			0	00	51		26		0	05	31
3/2			0	10	87		45				
04			0	02	28		25		0	01	77
08			0	10	37		46				
09			0	03	04		03		0	12	39
12			0	13	41		8/1/1		0	00	25
13/1			0	00	00		8/1/2		0	02	03
19			0	05	06		8/2/1		0	00	25
20			0	08	60		8/2/2		0	06	83
21			0	11	89		12		0	00	00
16							13		0	11	13
25			0	01	52		46				
20							18/1		0	02	28
05			0	12	14		19		0	14	67
06			0	07	33		20		0	00	76
08			0	06	32		21		0	15	18
13			0	00	25		22		0	01	01
14			0	13	15		57				
17/1			0	02	02		01		0	00	25
18/1			0	03	04		58				
18/2			0	07	33		04		0	03	54
22/2			0	04	30		05		0	14	16
23			0	09	86		07		0	13	14
21							13		0	01	77
01			0	00	25		14		0	03	79
25							151		0	13	66
2/1			0	00	76		1 7/1		0	01	77
2/2			0	10	12		161		0	01	77
09			0	00	25		164		0	04	30
10			0	11	62		165		0	01	52
11			0	11	64		167		0	01	77
20/2			0	00	25		168		0	01	52
26							169		0	01	52
15			0	02	02		181		0	04	55
16			0	11	64		189/1		0	00	51
33							189/2		0	00	25
03			0	00	51		510		0	00	25
04			0	13	15		513		0	02	02
07			0	01	77		524		0	01	01
8/1			0	07	84	Berwal	05	13			
8/2			0	04	05		01		0	03	04
12			0	03	79		10		0	00	76
13			—	09	36		14				
19/1			0	02	78		05		0	01	52
19/2			0	05	56		06		0	13	40
21/2			0	09	86		14		0	05	56
22			0	02	28		15		0	06	57
40							17		0	13	40
1/1			0	08	60		18		0	00	25
1/2			0	00	25		23/1		0	11	38
41							24		0	02	02
							22				
							16/1		0	01	27
							25/1		0	08	85
							25/2		0	02	78

1	2	3	4	5	6
Berwal—Contd.	05	23			
		02	0	04	05
		3/1	0	08	35
		3/2	0	00	25
		09	0	13	66
		11	0	09	10
		12	0	04	55
		20	0	12	39
		21	0	00	76
		28			
		04	0	06	32
		05	0	07	34
		07	0	12	14
		38	0	01	52
		39	0	01	77
		93	0	01	26
Shukha	2	23			
		19	0	00	25
		24			
		23/1	0	12	39
		23/2	0	01	01
		32			
		21/1	0	00	25
		21/2		07	85
		44			
		1/1	1	03	04
		1/2	0	01	77
		45			
		5/1	0	00	14
		5/2	0	01	26
		46			
		19/1	0	00	51
		19/2	0	02	78
		21/1	0	08	86
		21/2	0	04	55
Bhadrana	04	52			
		19	0	06	07
		21/1	0	05	31
		21/2	0	04	30
		22	0	04	30
		56			
		01	0	08	09
		236	0	01	01

की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आग्रह की घोषणा करती है।

उक्त अनसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपूत में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिया साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइप-लाइन बिछाने के संबंध में आपत्ति लिखित रूप में श्री आर. पी. कौशिक, तहसीलदार और सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, कांडला, भटिंडा पाइपलाइन परियोजना, 1158, सेक्टर 13, अर्बन एस्टेट, करनाल (हरियाणा) को कर सकेगा।

अनसूची

तहसील : गोहाना		जिला : सोनीपत		राज्य : हरियाणा	
गांव का नाम	हदबस्त नं.	मुख्यतः मं. / किला मं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6
गिबाना	74	13			
		4/1	0	06	07
		4/2	0	01	77
		07	0	11	38
		13/2	0	01	01
		14	0	10	37
		17	0	02	53
		18/1	0	00	51
		18/3	0	08	09
		23	0	11	38
		32			
		3/1	0	05	56
		3/2	0	05	56
		8/2	0	10	88
		09	0	00	51
		12	0	07	84
		13	0	03	29
		19	0	10	12
		22	0	10	37
		36			
		01	0	00	51
		02	0	11	13
		09	0	05	06
		10	0	05	06
		11/2	0	10	12
		12	0	01	26
		20/1	0	11	13
		20/2	0	00	10
		21/1	0	08	60
		21/2	0	02	53
		55			
		15/2	0	00	10
		16/1	0	03	54
		25	0	07	08

[No. R-31015/1/92-OR-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

सई दिल्ली, 6 फरवरी, 1992

का. आ. 545.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए :

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50)

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
गिबाना (जारी)						ग्रांथली					
		56						245	0	00	51
		01	0	11	13			590	0	01	01
		10	0	11	13			609	0	01	26
		11	0	06	83			612/1	0	00	25
		20	0	03	79			653	0	01	01
		21/1	0	00	25						
		60					71	12			
		05	0	08	60			13	0	05	31
		06	0	11	38			18	0	10	62
		15	0	11	38			22	0	05	56
		16	0	09	86			26			
		17/1	0	01	52			02	0	00	51
		24/1	0	04	81			65			
		24/2	0	06	58			09	0	01	01
		25/1	0	00	76			12	0	00	25
		79						13	0	09	86
		4/2	0	11	38			19	0	08	60
		4/1/2	0	00	25			22/2	0	09	11
		7/1	0	08	35			66			
		7/2	0	03	04			02	0	10	37
		13	0	00	10			09	0	11	38
		14	0	10	88			11	0	01	26
		17	0	07	08			12	0	10	12
		18	0	07	33			20	0	11	38
		23	0	05	06			21	0	09	61
		24/1	0	00	51			86			
		83						15	0	02	78
		03	0	11	38			16	0	10	12
		08	0	11	38			25	0	10	87
		12	0	00	25			87			
		13/1	0	05	06			01	0	11	38
		13/2	0	06	32			10/1	0	08	60
		18	0	05	06			10/2	0	02	68
		19/1	0	01	77			11	0	08	09
		19/2	0	04	81			20/1	0	01	01
		22/1	0	06	32			20/2	0	00	25
		22/2	0	04	81			89			
		23	0	00	05			05	0	11	38
		101						06	0	11	13
		02	0	11	38			07	0	00	25
		9/2	0	10	12			14/1	0	03	54
		11	0	02	78			14/2	0	00	76
		12	0	08	09			15	0	05	06
		19	0	01	52			16	0	00	25
		20	0	10	12			17	0	10	62
		21	0	11	38			24	0	10	87
		104/1	0	01	26			108			
		119	0	02	53			04	0	11	38
		138	0	02	38			07	0	10	12
		137	0	02	02			08	0	01	52
		231	0	01	01			13/1	0	09	11
		233	0	00	5						
		235	0	02	28						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अविनी (जारी)											
		108						10			
		13/2	0	01	26			01	0	10	62
		14	0	01	77			02	0	00	76
		18	0	09	86			10	0	10	88
		112						11	0	10	62
		02	0	04	81			20	0	11	13
		09	0	12	14			21	0	05	32
		10	0	00	10			25			
		11	0	08 ⁷	09			01	0	00	10
		12	0	04	05			26			
		20	0	11	13			05	0	11	13
		21	0	10	62			06	0	11	38
		129						15	0	11	38
		05	0	07	84			16	0	09	86
		6/1	0	08	60			17	0	01	52
		6/2	0	02	78			24	0	08	35
		15	0	11	38			25	0	02	02
		16	0	10	12			27			
		17	0	01	01			04	0	11	38
		24	0	08	60			07	0	11	38
		25	0	02	53			14	0	11	38
		134						17	0	07	84
		04	0	03	79			18	0	03	54
		130/1	0	03	54			23	0	10	12
		340	0	18	21			24	0	01	01
		349	0	0	28			48			
		350	0	01	77			03	0	11	38
		351	0	01	77			08	0	10	12
		363	0	00	51			48			
		365	0	00	51			13	0	01	52
		366	0	00	51			18	0	02	53
		367		00	76			23	0	02	02
		368	0	00	51			49/2	0	00	51
		1291	0	00	51			49/12	0	00	25
		1293	0	00	76			315	0	00	51
		1305	0	01	52			495	0	01	01
		1307	0	01	01			504	0	09	76
मिलबिधान 72						मैक्स लाल कला 68 मिशन					
		01						34			
		18	0	00	25			04	0	01	52
		23	0	05	56			07	0	10	88
		07						13/2	0	00	25
		02	0	09	36			14	0	11	38
		03	0	01	77			17	0	04	81
		09	0	11	38			36			
		12/1	0	05	56			12	0	00	51
		12/2	0	05	56			18	0	08	35
		19	0	11	38			19	0	06	32
		21	0	04	55			22	0	11	63
		22	0	06	58			23	0	00	10
		09						56			
		16	0	00	25			02	0	10	88
		25	0	05	83						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		9/1	0	00	51			20/1/1	0	08	09
		9/2	0	11	13			20/1/2	0	02	38
		11	0	01	77			20/2	0	01	01
		12	0	08	85			21	0	10	82
		19/1	0	01	52			135			
		20	0	10	13			1/1	0	07	84
		21	0	10	88			135			
		59						1/2	0	00	51
		06	0	00	25			10	0	02	02
		15	0	05	56			136			
		16	0	10	62			05	0	02	78
		23	0	11	38			06	0	09	36
		60						15	0	11	38
		01	0	10	88			16/1	0	06	32
		10	0	11	13			16/2	0	02	53
		11	0	05	56			24/2	0	00	10
		82						25/1/1	0	07	08
		05	0	11	38			25/1/2	0	01	26
		06	0	10	62			25/2	0	03	04
		07	0	01	01			140			
		14	0	07	59			04	0	04	81
		15	0	04	05			5/1/1	0	02	28
		16	0	03	04			5/1/2	0	00	25
		17	0	04	05			5/2	0	01	77
		24	0	11	38			07	0	10	37
		86						14	0	11	38
		4/1	0	05	56			17	0	11	38
		4/2	0	05	56			23	0	01	01
		7/1	0	07	08			24	0	10	62
		7/2	0	01	77			153			
		08	0	02	28			03	0	07	59
		13	0	09	36				0	04	05
		18	0	00	51			08	0	11	38
		23	0	07	59			13	0	04	55
108								166	0	06	06
03			0	10	88			169	0	03	78
08			0	06	32			185	0	05	56
9/1			0	03	29			280	0	01	01
9/2			0	01	52			281	0	00	25
12			0	08	35			282	0	00	51
13			0	00	51			282/1	0	02	28
19/1			0	11	38			283	0	00	51
22			0	11	38			291	0	02	28
116								293	0	01	77
1/1			0	00	10			301	0	00	51
1/2			0	00	51			302	0	00	51
2/1			0	10	88			304	01	01	01
2/2			0	00	51			984	0	00	51
09			0	04	05			988	0	01	01
10			0	07	33			989	0	00	76
11/1			0	05	82			1071	0	00	10
11/2			0	05	31						

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
		1073		0	02	28				11	0	11	38
		1083		0	01	01				20	0	11	13
		1082		0	00	51				21	0	04	05
		1820		0	02	78				41			
मैत्रेय बाल कला	67	21								01	0	00	05
बाबिला										42			
		08		0	08	09				05	0	11	13
		14/1		0	00	76				6/1	0	08	09
		38								6 2	0	01	27
		06		0	01	52				14	0	00	25
		15		0	07	33				150	0	06	07
		16		0	07	59				840	0	00	51
		17		0	01	52				859	0	02	02
		24		0	09	61				897	0	01	01
		25		0	01	01				948	0	00	51
		53					काठ	65					
		04		0	09	86				23	0	08	88
		17		0	03	04				62			
		18		0	03	54				03	0	11	38
		23		0	08	85				08	0	11	13
		24		0	00	51				62			
		56								09	0	00	25
		03		0	11	38				12/1	0	00	05
		8/1		0	07	84				12/2	0	08	82
		8/2		0	03	79				13	0	05	31
		13		0	08	60				18/2	0	00	25
		265		0	02	28				19	0	11	38
		278		0	04	30				22	0	10	38
		853		0	01	01				66			
		877		0	02	28				02	0	10	63
कटवाल	69	15								9/1	0	00	25
		08		0	00	25				9/2	0	10	88
		13		0	09	86				10	0	00	05
		18		0	07	84				11/2	0	04	81
		22		0	01	77				12	0	06	32
		23		0	07	34				19/2	0	00	51
		16								20	0	10	88
		02		0	08	60				21	0	11	38
		03		0	03	04				90			
		09		0	11	38				6/1	0	00	25
		12/1		0	06	32				15	0	05	31
		12/2		0	05	31				16	0	11	38
		19/1		0	00	06				25	0	09	86
		19/2		0	11	13				91			
		21		0	03	04				01	0	10	88
		22/1		0	07	08				10	0	10	37
		39								11/1	0	04	05
		16		0	00	25				96			
		25		0	07	59				05	0	11	38
		40								06	0	06	32
		01		0	10	63				14	0	06	32
		02		0	01	01							
		10		0	11	38							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
		15/1		0	03	29			220/1		0	34	40
		15/2		0	01	01			238		0	10	12
		16		0	00	05			240		0	01	52
		17		0	11	63			285		0	00	51
		24		0	11	38			286		0	04	05
		117							287		0	01	52
		04		0	10	88			1328		0	00	25
		07		0	10	37			1329		0	01	01
		117							1346		0	01	01
		08		0	01	01			1348		0	02	01
		13		0	07	59			1356		0	01	01
		14		0	03	04			1363		0	01	01
		18/1		0	11	38			1364		0	01	52
		23		0	11	38	जीलो 61	02					
		26		0	00	25			20		0	00	76
		122							21		0	09	86
		03		0	11	38			16				
		8/2		0	02	78			01		0	09	86
		8/3		0	05	82			10		0	03	54
		9/1		0	02	78			17				
		12/2		0	10	12			05		0	01	76
		13		0	01	52			06		0	07	59
		19		0	11	38			15/2		0	11	13
		22		0	11	38			16		0	04	81
		141							25/1		0	10	37
		01		0	00	05			19				
		02		0	09	86			05		0	11	38
		09		0	05	82			06		0	10	88
		10		0	05	82			07		0	00	76
		11		0	03	54			14/2		0	06	32
		12		0	00	25			15		0	05	31
		147							19				
		1/2		0	03	29			16		0	03	04
		148							17		0	04	05
		05		0	01	01			24		0	11	38
		06		0	08	35			39				
		15		0	11	38			04		0	11	38
		16		0	11	38			07		0	11	38
		25		0	11	38			13		0	02	28
		163							14		0	09	11
		4/2		0	03	79			17		0	02	28
		5/1		0	06	83			18		0	09	11
		06		0	01	01			23		0	11	13
		07		0	10	37			43				
		14		0	11	38			03		0	10	12
		17		0	11	38			07		0	06	07
		163							08		0	07	33
		23		0	00	25			14		0	10	62
		24		0	10	37			15		0	02	02
		166/3		0	06	07			44				
		166/4		0	05	31			21		0	11	13
		212		0	05	31			22		0	00	76
									66				

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		01	0	01	01			01	0	11	13
		2/1	0	10	62			10	0	10	62
		2/2	0	01	26			11	0	11	13
		9/2	0	10	12			20	0	11	13
		12	0	11	13			21	0	07	54
		19	0	11	13			157			
		22	0	11	13						
		74						06	0	00	51
								15	0	02	02
		02	0	11	13			16	0	03	04
		09	0	11	13			25	0	04	81
		12	0	11	13						
		19/2	0	11	13			158			
		22	0	08	35						
		96						01	0	09	86
		01	0	00	51			10	0	08	85
		02	0	07	84			11	0	07	33
		96						20	0	05	82
		09	0	05	56			21/1	0	01	77
		10	0	08	35			21/2	0	02	78
		11	0	07	08			174			
		12/1	0	02	02						
		12/2	0	02	28			01	0	01	52
		19	0	04	05						
		20	0	11	12			175			
		21	0	11	12						
		22	0	02	53			05	0	14	16
		105						06	0	01	26
		01	0	08	86			07	0	11	38
		02	0	01	52			08	0	00	10
		09	0	02	53			13	0	04	81
		10	0	08	35			14	0	06	32
		11	0	09	86			17	0	00	51
		12	0	01	01			18	0	10	62
		20/1	0	07	84			24	0	02	53
		20/2	0	03	29						
		21/1	0	05	06			217	0	03	04
		21/2	0	00	51			283	0	06	07
		21/3	0	05	50			285	0	20	72
		126						288	0	04	30
		01	0	11	12			299	0	01	77
		10	0	11	12			302	0	03	29
		11	0	10	12			308	0	00	51
		20	0	11	12			311	0	01	52
		21	0	11	12			321	0	00	51
		134						322	0	00	51
		01	0	10	62			335	0	00	51
		10	0	11	13			337	0	00	51
		11	0	11	13			356	0	00	51
		20	0	11	13			361	0	00	51
		21	0	10	62			362	0	00	51
		152						363	0	10	02
								1363	0	01	01
								1368	0	01	01

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		1387	0	01	01			04	0	11	13
		1392	0	02	78			07	0	11	38
		1412	0	09	61			08	0	00	25
		1417	0	02	28			13	0	04	55
		1435	0	01	01			14	0	06	58
		1444	0	00	51			17	0	01	26
								18	0	10	12
स्थान	62	40						23	0	11	13
		23	0	07	59			15			
		42						03	0	04	81
								08	0	11	13
		03	0	10	88			13	0	11	13
		08	0	11	38			18	0	11	03
		13	0	11	38			19	0	01	77
		18	0	13	15			22	0	01	53
		19/1	0	00	25			23	0	02	78
		19/2	0	00	25						
		22/1	0	00	76			26			
		22/2	0	03	54						
		23	0	01	26			02	0	09	86
								03	0	00	76
								09	0	11	13
		61						12	0	05	31
								13	0	02	28
		02	0	11	38			19	0	11	38
		03	0	00	10			22	0	11	38
		09	0	11	38						
		12	0	11	38			31			
		19/2	0	09	61						
		22	0	30	02			01	0	03	79
								2/1	0	06	58
		64						09	0	01	01
								10	0	10	62
		1/2	0	05	56			11	0	11	38
		2/1	0	03	04			20/1	0	01	01
		2/2	0	01	52			20/2/3	0	10	02
		09	0	00	10			21/1	0	02	53
		10	0	10	62			21/2	0	08	60
		11/1	0	00	76			42			
		11/2	0	10	12						
		11/3	0	00	25			01	0	10	12
		20	0	12	90			42			
		84	0	03	79			10	0	05	82
		182	0	00	51			11	0	00	25
		183	0	00	51			43			
		327	0	01	01						
		328	0	04	55			05	0	00	50
ककाना मादरी	57	02						06	0	06	82
								15	0	11	38
		24	0	09	36			16	0	11	38
								25	0	11	38
		11						46			

1	2	3	4	5	6	1	2	1	4	5	6
		05	0	11	38			8/2	0	01	26
		06	0	10	12			13	0	10	12
		07	0	01	01			18	0	11	38
		14	0	06	83			23	0	10	62
		15/1	0	03	29			39			
		17/1	0	05	56			2/2	0	00	76
		24	0	11	38			03	0	09	62
								8/2	0	04	05
	60							09	0	06	07
								12	0	09	62
	04		0	11	13			13	0	00	10
	07		0	11	13			19	0	11	13
	13		0	00	25			22	0	10	37
	14/1		0	03	29						
	14/2		0	07	84			55			
	17		0	06	07						
	18		0	05	06			02	0	11	38
	24		0	03	54			9/1	0	08	61
								9/2	0	02	02
	88		0	03	04			10	0	00	76
	89		0	01	52			11/2	0	06	07
	95		0	03	29			12	0	05	08
	104		0	02	53			19	0	02	02
	224		0	00	51			20	0	09	86
	227		0	00	51			21	0	04	30
	228		0	02	02			26	5	30	85
	220		0	00	51			69			
	231		0	04	30						
	571		0	01	01			15	0	00	51
	576		0	01	01			16	0	05	56
	614		0	01	01			25/1	0	05	56
								23/2	0	03	29
बामपुर कला	56	05						70			
		16	0	08	83						
		05						11	0	08	61
								20	0	05	56
		17/1	0	00	25			21/1	0	00	76
		17/2	0	03	54						
		24	0	09	36			88			
		25	0	01	77						
								05	0	11	13
	17							06	0	11	13
								15	0	11	13
	04		0	11	38			16/1	0	07	84
	07		0	11	38			16/2	0	01	26
	14		0	11	38			24	0	04	05
	17		0	10	37			25	0	07	08
	23		0	02	78						
	24		0	08	35			100			
	26							4/1	0	06	08
								4/2	0	03	79
	03		0	07	33			05	0	01	26
	4/2		0	00	76			7/1	0	51	52
	8/1		0	08	60						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	7/2	0	09	62			1/1	0	00	76	
	14	0	10	62			1/2	0	00	51	
	17	0	11	13			172				
	24		10	62							
	119						05	0	10	12	
	04	0	03	54			06	0	11	13	
	04	0	04	55			15/1	0	04	30	
	07	0	00	55			15/2	0	06	83	
	08	0	00	02			16/1	0	07	33	
	13/1	0	09	33			16/2	0	03	79	
	13/2	0	02	53			25	0	11	13	
	18	0	11	38							
	23/1	0	11	30			184				
	135						4/3	0	01	02	
							5/1	0	06	07	
	02	0	00	10			5/2	0	03	79	
	3/1	0	04	82			14	0	06	83	
	135						17/1	0	04	30	
							17/2	0	09	11	
	3/2	0	06	83			26	0	14	67	
	08	0	07	33			236	0	01	52	
	09	0	04	05			239	0	03	29	
	12	0	09	36			242	0	03	79	
	13	0	01	77			243	0	03	79	
	16/1	0	06	07			248	0	02	02	
	19/2	0	01	77			251	0	01	52	
	22	0	11	13			329		00	51	
	147						531	0	00	51	
							537	0	00	51	
	02	0	09	33			548	0	01	01	
	09	0	09	36			581	0	00	51	
	11	0	00	10			588	0	04	80	
	12	0	11	13			870	0	01	01	
	19	0	11	13			873	0	01	01	
	20	0	04	05			875	0	01	01	
	21/2	0	10	37			902	0	01	01	
	22	0	11	13			946	0	11	13	
	163					शामची सिमान	55	38			
	16	0	00	10			08	0	03	29	
	25/1	0	00	51			13	0	11	13	
	25/2	0	02	78			18	0	08	85	
	164						19	0	02	02	
	01	0	03	79			22	0	07	33	
	02	0	08	34			23	0	03	79	
	10	0	08	34			44				
	11/1	0	06	32							
	11/2	0	04	82			02	0	11	38	
	20	0	11	38			44				
	21	0	08	09							
	171						03	0	00	10	
							09	0	11	13	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	12		0	11	13		15/1		0	08	10
	19		0	11	13		15/2		0	01	51
	21		0	00	10		16/1		0	01	01
	22		0	10	12		17/1		0	10	88
							24		0	10	12
	57						25		0	00	51
	01		0	03	79		12				
	02		0	07	33						
	9/1		0	01	52		04		0	11	38
	9/2		0	00	51		07		0	11	38
	10/1		0	09	36		14		0	11	38
	11		0	11	13		17		0	10	88
	20		0	11	13		18		0	00	25
	21/1		0	11	13		23		0	05	51
							34		0	05	82
	66						23				
	06		0	01	26						
	15		0	06	07		03		0	10	63
	16		0	10	88		04		0	00	25
	25/1		0	08	35		08		0	11	38
	25/2		0	02	78		13/1/1/1		0	02	53
							13/1/1/2		0	08	86
	67						18/1		0	02	02
							18/2		0	09	36
	01		0	11	13		22		0	00	51
	10		0	10	12		33/1		0	08	09
	11/1		0	05	06		33/2		0	03	04
	20		0	00	25						
	82						28				
	05		0	11	13		02		0	07	34
	06		0	11	13		03		0	04	05
	15/1		0	05	56		08		0	00	25
	15/2		0	05	31		09		0	10	88
	161		0	03	04		12		0	11	38
	164		0	01	01		19		0	11	38
	098		0	02	02		22		0	10	63
	710		0	00	51		39				
शामरी कुरान	53	02					1/2		0	01	77
							02		0	09	36
	15/2		0	03	02		09		0	03	54
	16/1		0	09	36		10/1		0	07	84
	25		0	10	37		11		0	11	38
	03						20		0	11	38
	10		0	00	86		21		0	11	38
	11		0	09	01						
	20/2		0	03	04		45				
	08						06		0	02	78
	05		0	11	38		15		0	06	83
	06		0	12	14		16		0	10	88
	07		0	00	10		25		0	11	38
	14/1		0	01	01						

1	2	3	4	5	6
	46				
	01	0	11	38	
	10	0	07	34	
	11	0	00	76	
	56				
	5/1	0	08	09	
	5/2	0	03	54	
	06	0	10	37	
	14	0	05	56	
	15/1	0	06	07	
	16	0	00	10	
	56				
	17	0	11	38	
	24	0	11	38	
	62				
	04	0	11	38	
	07	0	11	13	
	08	0	00	25	
	13	0	04	55	
	14/1	0	05	82	
	17/2	0	01	27	
	18/1	0	09	86	
	23/2	0	11	38	
	66				
	03	0	11	38	
	08	0	04	55	
	66				
	133	0	03	04	
	137	0	02	53	
	145	0	03	04	
	175	0	01	01	
	176	0	01	01	
	185	0	00	51	
	189	0	01	01	
	548	0	01	01	
	552	0	01	01	
	565	0	01	01	
	571	0	01	01	
	586	0	01	01	
	591	0	01	01	

[संख्या प्रार-31015/1/92-प्रो.प्रार-1]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 6th February, 1992

S.O. 545.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to

Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipeline(s) should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R. P. Kaushik, Tehsildar and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited Kandla-Bhatinda Pipeline Project, 1158, Sector-13, Urban Estate, Karnal, Haryana.

SCHEDULE

Tehsil : Gohana Distt. : Sonapat State : Haryana					
Name of Village	Hadbast No.	Mustateel No./ Killa No.	Area		
			Hec-tare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5	6
Giwana	74	13			
		4/1	0	06	07
		4/2	0	01	77
		07	0	11	38
		13/2	0	01	01
		14	0	10	37
		17	0	02	53
		18/1	0	00	51
		18/2	0	08	09
		23	0	11	38
		32			
		3/1	0	05	56
		3/2	0	05	56
		8/2	0	10	88
		09	0	00	51
		12	0	07	84
		13	0	03	29
		19	0	10	12
		22	0	10	37
		36			
		01	0	00	51
		02	0	11	13
		09	0	5	06
		10	0	5	06
		11/2	0	10	12
		12	0	01	26
		20/1	0	11	13
		20/2	0	00	10
		21/1	0	08	60
		21/2	0	02	53
		55			
		15/2	0	00	10
		16/1	0	03	54
		25	0	07	08
		56			
		01	0	11	13
		10	0	11	13

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		11	0	06	83			22/2	0	09	11
		20	0	03	79			66			
		21/1	0	00	25			02	0	10	37
		60						09	0	11	38
		05	0	08	60			11	0	01	26
		06	0	11	38			12	0	10	12
		15	0	11	38			20	0	11	38
		16	0	09	86			21	0	09	61
		17/1	0	01	52			86			
		24/1	0	04	81			15	0	02	78
		24/2	0	06	58			16	0	10	12
		25/1	0	00	76			25	0	10	87
		79		11	38			87			
		4/2	0	00	25			01	0	11	38
		7/1	0	08	35			10/1	0	03	60
		7/2	0	03	04				0	02	78
		13	0	00	10			10/2	0		
		14	0	10	88			11	0	08	09
		17	0	07	08			20/1	0	01	01
		18	0	07	33			20/2	0	00	25
		23	0	05	06			89			
		24/1	0	00	51			05	0	11	38
		83						06	0	11	13
		03	0	11	38			07	0	00	25
		08	0	11	38			14/1	0	03	54
		12	0	00	25			14/2	0	00	76
		13/1	0	05	06			15	0	05	06
		13/2	0	06	32			16	0	00	25
		18	0	05	06			17	0	10	62
		19/1	0	01	77			24	0	10	87
		19/2	0	04	81			108			
		22/1	0	06	32			04	0	11	38
		22/2	0	04	81			07	0	10	12
		23	0	00	05			08	0	01	52
		101						13/1	0	09	11
		02	0	11	38			108	0		
		9/2	0	10	12			13/2	0	01	26
		11	0	02	78			14	0	01	77
		12	0	08	09			18	0	09	86
		19	0	01	52			112			
		20	0	10	12			02	0	04	81
		21	0	11	38			09	0	12	14
		104/1	0	01	26			10	0	00	10
		119	0	02	53			11	0	08	09
		135	0	02	38			12	0	04	05
		137	0	02	02			20	0	11	13
		231	0	01	01			21	0	10	62
		233	0	00	51			129			
		235	0	02	28			05	0	07	84
		245	0	00	51			6/1	0	08	60
		590	0	01	01			6/2	0	02	78
		609	0	01	26			15	0	11	38
		612/1	0	00	25			16	0	10	12
		653	0	01	01			17	0	01	01
								24	0	08	60
								25	0	02	53
Aanwli	71	12	0					134			
		13	0	05	31			04	0	03	79
		18	0	10	62			130/1	0	03	54
		22	0	05	56			340	0	18	21
		26						349	0	02	28
		02	0	00	51			350	0	01	77
		65						351	0	01	77
		09	0	01	01			363	0	00	51
		12	0	00	25			365	0	00	51
		13	0	09	86						
		19	0	08	60						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		366	0	00	51			17	0	04	81
		367	0	00	76			36			
		368	0	00	51			12	0	00	51
		1291	0	00	51			18	0	08	35
		1293	0	00	76			19	0	06	32
		1305	0	01	52			22	0	11	63
		1307	0	01	01			23	0	00	10
								56			
Bilbilan	72	01						02	0	10	88
		18	0	00	25			9/1	0	00	51
		23	0	05	56			9/2	0	11	13
		07						11	0	01	77
		02	0	09	36			12	0	08	85
		03	0	01	77			19/1	0	01	52
		09	0	11	38			20	0	10	12
		12/1	0	05	56			21	0	10	88
		12/2	0	05	56			59			
		19	0	11	38			06	0	00	25
		21	0	04	55			15	0	05	56
		22	0	06	58			16	0	10	62
		09						25	0	11	38
		16	0	00	25			60			
		25	0	05	83			01	0	10	88
		10						10	0	11	13
		01	0	10	62			11	0	05	56
		02	0	00	76			05	0	11	38
		10	0	10	88			06	0	10	62
		11	0	10	62			07	0	01	01
		20	0	11	13			14	0	07	59
		21	0	05	32			15	0	04	05
		25						16	0	03	04
		01	0	00	10			17	0	04	05
		26						24	0	11	38
		05	0	11	13			86			
		06	0	11	38			4/1	0	05	56
		15	0	11	38			4/2	0	05	56
		16	0	09	86			7/1	0	07	08
		17	0	01	52			7/2	0	01	77
		24	0	08	35			08	0	02	28
		25	0	02	02			13	0	09	36
		27						18	0	00	51
		04	0	11	38			23	0	07	59
		07	0	11	38			108			
		14	0	11	38			03	0	10	88
		17	0	07	84			08	0	06	32
		18	0	03	54			9/1	0	03	29
		23	0	10	12			9/2	0	01	52
		24	0	01	01			12	0	08	35
		48						13	0	00	51
		03	0	11	38			19/1	0	11	38
		08	0	10	12			22	0	11	38
		48						116			
		13	0	01	52			1/1	0	00	10
		18	0	02	53			1/2	0	00	51
		23	0	02	02			2/1	0	10	88
		49/2	0	00	51			2/2	0	00	51
		49/12	0	00	25			09	0	04	05
		315	0	00	51			10	0	07	33
		495	0	01	01			11/1	0	05	82
		504	0	00	76			11/2	0	05	31
								20/1/1	0	08	09
Bhainswal Kalan		34						20/1/2	0	02	28
Mithan	68	04	0	01	52			20/2	0	01	01
		07	0	10	88			21	0	10	62
		13/2	0	00	25			135			
		14	0	11	38						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		1/1	0	07	84			23	0	08	85
		135						24	0	00	51
		1/2	0	00	51			56			
		10	0	02	02			03	0	11	38
		136						8/1	0	07	84
		05	0	02	78			8/2	0	03	79
		06	0	09	36			13	0	08	60
		15	0	11	38			265	0	02	28
		16/1	0	06	32			278	0	04	30
		16/2	0	02	53			853	0	01	01
		24/2	0	00	10			877	0	02	28
		25/1/1	0	07	08	Katwal	69	15			
		25/1/2	0	01	26			08	0	00	25
		25/2	0	03	04			13	0	09	86
		140			0			18	0	07	84
		04	0	04	81			22	0	01	77
		5/1/1	0	02	28			23	0	07	34
		5/1/2	0	00	25			16			
		5/2	0	01	77			02	0	08	60
		07	0	10	37			03	0	03	04
		14	0	11	38			09	0	11	38
		17	0	11	38			12/1	0	06	32
		23	0	01	01			12/2	0	05	31
		24	0	10	62			19/1	0	00	06
		153						19/2	0	11	13
		03	0	07	59			21	0	03	04
		04	0	04	05			22/1	0	07	08
		08	0	11	38			39			
		13	0	04	55			16	0	00	25
		166	0	06	06			25	0	07	59
		169	0	03	78			40			
		185	0	05	56			01	0	10	63
		280	0	01	01			02	0	01	01
		281	0	00	25			10	0	11	38
		282	0	00	51			11	0	11	38
		282/1	1	02	28			20	0	11	13
		283	0	00	51			21	0	04	05
		291	0	02	28			41			
		293	0	01	77			01	0	00	05
		301	0	00	51			42			
		302	0	00	51			05	0	11	13
		304	0	01	01			6/1	0	08	09
		984	0	00	51			6/2	0	01	27
		988	0	01	01			14	0	00	25
		989	0	00	76			150	0	06	07
		1071	0	00	10			840	0	00	51
		1073	0	02	28			859	0	02	02
		1083	0	01	01			897	0	01	01
		1092	0	00	51			948	0	00	51
		1820	0	02	78						
Bhainswal	67	21				Laath	65	37			
Kalan Bawla		08	0	88	09			23	0	08	86
		14/1	0	00	76			62			
		38						03	0	11	38
		06	0	01	52			08	0	11	13
		15	0	07	33			62			
		16	0	07	59			09	0	00	25
		17	0	01	52			12/1	0	00	05
		24	0	09	61			12/2	0	05	82
		25	0	01	01			13	0	05	31
		53						18/2	0	00	25
		04	0	09	86			19	0	11	38
		17	0	03	04			22	0	10	38
		18	0	03	54			66			
								02	0	10	63

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		9/1	0	00	25						
		9/2	0	10	88			163			
		10	0	00	05			23	0	00	25
		11/2	0	04	81			24	0	10	37
		12	0	06	32			166/3	0	06	07
		19/2	0	10	51			166/4	0	05	31
		20	0	10	88			212	0	05	31
		21	0	11	38			220/1	0	34	40
		90						238	0	10	12
		6/1	0	00	25			240	0	01	52
		15	0	05	31			285	0	00	51
		16	0	11	38			286	0	04	05
		25	0	09	86			287	0	01	52
		91						1328	0	00	25
		01	0	10	88			1329	0	01	01
		10	0	10	37			1346	0	01	01
		11/1	0	04	05			1348	0	01	01
		96						1356	0	01	01
		05	0	11	38			1363	0	01	01
		06	0	06	32			1364	0	01	52
		14	0	06	32	Jauli	61	02			
		15/1	0	03	29			20	0	00	76
		15/2	0	01	01			21	0	09	86
		16	0	00	05			16			
		17	0	11	63			01	0	09	86
		24	0	11	38			10	0	03	54
		117						17			
		04	0	10	88			05	0	01	76
		07	0	10	37			06	0	07	59
		117						15/2	0	11	13
		08	0	01	01			16	0	04	81
		13	0	07	59			25/1	0	10	37
		14	0	03	04			19			
		18/1	0	11	38			05	0	11	38
		23	0	11	38			06	0	10	88
		26	0	00	25			07	0	00	76
		122						14/2	0	06	32
		03	0	11	38			15	0	05	31
		8/2	0	02	78			19			
		8/3	0	05	82			16	0	03	04
		9/1	0	02	78			17	0	04	05
		12/2	0	10	12			24	0	11	38
		13	0	01	52			39			
		19	0	11	38			04	0	11	38
		22	0	11	38			07	0	11	38
		141						13	0	02	28
		01	0	00	05			14	0	09	11
		02	0	09	86			17	0	02	28
		09	0	05	82			18	0	09	11
		10	0	05	82			23	0	11	13
		11	0	03	54			43			
		12	0	00	25			03	0	10	12
		147						07	0	06	07
		1/2	0	03	29			08	0	07	33
		148						14	0	10	62
		05	0	01	01			15	0	02	02
		06	0	08	35			44			
		15	0	11	38			21	0	11	13
		16	0	11	38			22	0	00	76
		25	0	11	38			66			
		163						01	0	01	01
		4/2	0	03	79			2/1	0	10	62
		5/1	0	06	83			2/2	0	01	26
		06	0	01	01			9/2	0	10	12
		07	0	10	37			12	0	11	13
		14	0	11	38			19	0	11	13
		17	0	11	38			22	0	11	13

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	74							06	0	0	26
	02	0	11	13				07	0	11	38
	09	0	11	13				08	0	00	10
	12	0	11	13				13	0	04	81
	19/2	0	11	13				14	0	06	32
	22	0	08	35				17	0	00	51
	96							18	0	10	62
	01	0	00	51				24	0	02	53
	02	0	07	84				217	0	03	04
	09	0	05	56				283	0	06	07
	10	0	08	35				285	0	20	72
	11	0	07	08				288	0	04	30
	12/1	0	02	02				299	0	01	77
	1, r2	0	02	28				302	0	03	29
	19	0	04	12				308	0	00	51
	20	0	11	05				311	0	01	52
	21	0	11	12				321	0	00	51
	22	0	02	53				322	0	00	51
	105							335	0	00	51
	01	0	08	86				337	0	00	51
	02	0	01	52				356	0	00	51
	09	0	02	53				361	0	00	51
	10	0	08	35				362	0	00	51
	11	0	09	86				363	0	10	62
	12	0	01	01				1363	0	01	01
	20/1	0	07	84				1368	0	01	01
	20/2	0	03	29				1387	0	01	01
	21/1	0	05	06				1392	0	02	78
	21/2	0	00	51				1412	0	09	61
	21/3	0	05	56				1417	0	02	28
	126							1435	0	01	01
	01	0	11	12		Nyat	62	1444	0	00	51
	10	0	11	12				40			
	11	0	10	12				23	0	07	59
	20	0	11	12				42			
	21	0	11	12				03	0	10	88
	134							08	0	11	38
	01	0	10	62				13	0	11	38
	10	0	11	13				18	0	13	15
	11	0	11	13				19/1	0	00	25
	20	0	11	13				19/2	0	00	25
	21	0	10	62				22/1	0	00	76
	152							22/2	0	03	54
	01	0	11	13				23	0	01	26
	10	0	10	62				61			
	11	0	11	13				02	0	11	38
	20	0	11	13				03	0	00	10
	21	0	07	84				09	0	11	38
	157							12	0	11	38
	06	0	00	51				19/2	0	09	61
	15	0	02	02				22	0	10	62
	16	0	03	04				64			
	25	0	04	81				1/2	0	05	56
	158							2/1	0	03	04
	01	0	09	86				2/2	0	01	52
	10	0	08	85				09	0	00	10
	11	0	07	33				10	0	10	62
	20	0	05	82				11/1	0	00	76
	21/1	0	01	77				11/2	0	10	12
	21/2	0	02	78				11/3	0	00	25
	174							20	0	12	90
	01	0	01	52				94	0	03	79
	175							182	0	00	51
	05	0	14	16				183	0	00	51
								327	0	01	01
								328	0	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kakana Bhadri	57	02				Kakai Bha'ri		95	0	03	29
		24	0	09	36			104	0	02	53
		11						224	0	00	51
		04	0	11	13			227	0	00	51
		07	0	11	38			228	0	02	02
		08	0	00	25			230	0	00	51
		13	0	04	55			231	0	04	30
		14	0	06	58			571	0	01	01
		17	0	01	26			576	0	01	01
		18	0	10	12			614	0	01	01
		23	0	11	13						
		15				Khanpur Kalan	56	05			
		03	0	04	81			16	0	06	83
		08	0	11	13			05			
		13	0	11	13			17/1	0	00	25
		18	0	11	63			17/2	0	03	54
		19	0	01	77			24	0	09	36
		22	0	01	53			25	0	01	77
		23	0	02	78			17			
		26						04	0	11	38
		02	0	09	86			07	0	11	38
		03	0	00	76			14	0	11	38
		09	0	11	13			17	0	10	37
		12	0	05	31			23	0	02	78
		13	0	02	28			24	0	08	35
		19	0	11	38			26			
		22	0	11	38			03	0	07	33
		31						4/2	0	00	76
		01	0	03	79			8/1	0	08	60
		2/1	0	06	65			8/2	0	01	26
		09	0	01	01			13	0	10	12
		10	0	10	62			18	0	11	38
		11	0	11	38			23	0	10	62
		20/1	0	01	01			39			
		20/2/3	0	10	62			2/2	0	00	76
		21/1	0	02	53			03	0	09	62
		21/2	0	08	60			8/2	0	04	05
		42						09	0	06	07
		01	0	10	12			12	0	09	62
		42						13	0	00	10
		10	0	05	82			19	0	11	13
		11	0	00	25			22	0	10	37
		43						55			
		05	0	00	50			02	0	11	38
		06	0	05	82			9/1	0	08	61
		15	0	11	38			9/2	0	02	02
		16	0	11	38			10	0	00	76
		25	0	11	38			11/2	0	06	07
		46						12	0	05	06
		05	0	11	38			19	0	02	02
		06	0	10	12			20	0	09	86
		07	0	01	01			21	0	04	30
		14	0	06	83			26	0	30	85
		15/1	0	03	29			69	0		
		17/1	0	05	56			15	0	00	51
		24	0	11	38			16	0	05	56
		60						25/1	0	05	56
		04	0	11	13			25/2	0	03	29
		07	0	11	13			70			
		13	0	00	25			11	0	08	61
		14/1	0	03	29			20	0	05	56
		14/2	0	07	84			21/1	0	00	76
		17	0	06	07			88			
		18	0	05	06			05	0	11	13
		24	0	03	54			06	0	11	13
		88	0	03	04			15	0	11	13
		89	0	01	52						

1	2	3	4	5	6	2	3	4	5	6
Khanpur Kalan	16/1	0	07	84		Khanpur Kalan	184			
	16/2	0	01	26			4/3	0	01	02
	24	0	04	05			5/1	0	06	07
	25	0	07	08			5/2	0	03	79
	100						14	0	06	83
	4/1	0	06	08			17/1	0	04	30
	4/2	0	03	79			17/2	0	09	11
	05	0	01	26			26	0	15	67
	7/1	0	01	52			236	0	01	52
	7/2	0	09	62			239	0	03	29
	14	0	10	62			242	0	03	79
	17	0	11	13			243	0	03	79
	24	0	10	62			248	0	02	02
	119						251	0	01	52
	03	0	03	54			529	0	00	51
	04	0	04	55			531	0	00	51
	07	0	00	25			537	0	00	51
	08	0	09	62			548	0	01	01
	13/1	0	07	33			581	0	00	51
	13/2	0	02	53			588	0	04	80
	18	0	11	38			870	0	01	01
	23/1	0	11	38			873	0	01	01
	135						875	0	01	01
	02	0	00	10			902	0	01	01
	3/1	0	04	82			946	0	11	13
	135									
	3/2	0	06	83		Shamri Sisan	55	38		
	08	0	07	33			08	0	03	29
	09	0	04	05			13	0	11	13
	12	0	09	36			18	0	08	85
	13	0	01	77			19	0	02	02
	19/1	0	06	07			22	0	07	33
	19/2	0	01	77			23	0	03	79
	22	0	11	13			44			
	147						02	0	11	38
	02	0	09	36			44			
	09	0	09	36			03	0	00	10
	11	0	00	10			09	0	11	13
	12	0	11	13			12	0	11	13
	19	0	11	13			19	0	11	13
	20	0	04	05			21	0	00	10
	21/2	0	10	37			22	0	10	12
	22	0	11	13			57			
	163						01	0	03	79
	15	0	00	10			02	0	07	33
	25/1	0	00	51			9/1	0	01	52
	25/2	0	02	78			9/2	0	00	51
	164						10/1	0	09	36
	01	0	03	79			11	0	11	13
	02	0	08	34			20	0	11	13
	10	0	08	34			21/1	0	11	13
	11/1	0	06	32			66			
	11/2	0	04	82			06	0	01	26
	20	0	11	38			15	0	06	07
	21	0	08	09			16	0	10	88
	171						25/1	0	08	35
	1/1	0	00	76			25/2	0	02	78
	1/2	0	00	51			67			
	172						01	0	11	13
	05	0	10	12			10	0	10	12
	06	0	11	13			11/1	0	05	06
	15/1	0	04	30			20	0	00	25
	15/2	0	06	83			82			
	16/1	0	07	33			05	0	11	13
	16/2	0	03	79			06	0	11	13
	25	0	11	13			15/1	0	05	56

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Shamri Sisan	15/2		0	05	31			01	0	11	38
	161		0	03	04			10	0	07	34
	164		0	01	01			11	0	00	76
	698		0	02	02			56			
	710		0	00	51			5/1	0	08	09
Shamri Buran	53	02						5/2	0	03	54
	15/2		0	02	02			06	0	10	37
	16/1		0	09	36			14	0	05	56
	25		0	10	37			15/1	0	06	07
	03							16	0	00	10
	10		0	09	86			56			
	11		0	09	61			17	0	11	38
	20/2		0	03	04			24	0	11	38
	08							62			
	05		0	11	38			04	0	11	38
	06		0	12	14			07	0	11	13
	07		0	00	10			08	0	00	25
	14/1		0	01	01			13	0	04	55
	15/1		0	08	10			14/1	0	05	82
	15/2		0	01	51			17/2	0	01	27
	16/1		0	01	01			18/1	0	09	86
	17/1		0	10	88			23/2	0	11	38
	24		0	10	12			66			
	25		0	00	51			03	0	11	38
	12							08	0	04	55
	04		0	11	38			66			
	07		0	11	38			133	0	03	04
	14		0	11	38			137	0	02	53
	17		0	10	88			145	0	03	04
	18		0	00	25			175	0	01	01
	23		0	05	31			176	0	01	01
	24		0	05	82			185	0	00	51
	23							189	0	01	01
	03		0	10	63			548	0	01	01
	04		0	00	25			552	0	01	01
	08		0	11	38			565	0	01	01
	13/1/1/1		0	02	53			571	0	01	01
	13/1/1/2		0	08	86			586	0	01	01
	18/1		0	02	02			591	0	01	01
	18/2		0	09	36						
	22		0	00	51						
	23/1		0	08	09						
	23/2		0	03	04						
	28										
	02		0	07	34						
	03		0	04	05						
	08		0	00	25						
	09		0	10	88						
	12		0	11	38						
	19		0	11	38						
	22		0	10	63						
	39										
	1/2		0	01	77						
	02		0	09	36						
	09		0	03	54						
	10/1		0	07	84						
	11		0	11	38						
	20		0	11	38						
	21		0	11	38						
	45										
	06		0	02	78						
	15		0	06	83						
	16		0	10	88						
	25		0	11	38						
	46										

[No. R-31015/1/92 O.R.I.]
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1992

का. प्रा. 546.-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांबला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन प्रायल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए।

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है।

अतः केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज प्पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना को प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के संबंध में आपत्ति लिखित रूप में श्री आर. पी. कौशिक, तहसीलदार और सक्षम प्राधिकारी

इंडियन प्रायव कारपोरेशन लिमिटेड, कांझवा - भटिडा पाश्चात्ताह्न परि-
योजना, 1158, सैक्टर 13, ग्रबन एस्टेट, करनाल (हरियाणा) को कर
सहेगा।

अनुसूची			कायध (जारी)				
तहसील : पामीपत	जिला : करनाल		राज्य : हरियाणा				
गांव का नाम	हवबस्त नं.	मुस्तासील नं./ किला नं./	क्षेत्रफल		वर्ग- मीटर		
			हेक्टेयर	घार			
1	2	3	4	5	6		
बवाना साबू	86	72					
		07	0	01	26		
		13	0	11	38		
		18	0	11	38		
		23/1	0	00	10		
		23/2	0	11	38		
		75					
		02	0	00	10		
		03	0	11	38		
		08	0	06	32		
		09	0	01	77		
		12	0	10	88		
		13	0	00	51		
		19/1	0	11	38		
		19/2	0	00	10		
		22	0	11	38		
		99					
		02	0	11	38		
		9/2	0	10	37		
		10/1	0	01	01		
		11/2	0	07	34		
		12	0	04	05		
		20	0	11	38		
		21/1/1	0	01	01		
		21/1/2	0	06	58		
		21/2	0	01	26		
		102					
		01	0	11	63		
		241/1	0	02	53		
		926	0	02	78		
		कायध	91	22			
				02	0	03	29
				9/1	0	03	29
9/2	0			07	84		
12/1	0			00	51		
12/2	0			10	87		
19/2/1	0			10	88		
19/2/2	0			00	25		
20	0			00	51		
21/2	0			05	31		
22/1	0			05	31		

1	2	3	4	5	6
		32			
		16	0	00	51
		25/2	0	04	05
		33			
		01	0	11	38
		02	0	00	10
		10	0	11	38
		11	0	11	38
		20	0	11	38
		21/1	0	04	53
		36			
		1/1	0	00	25
		37			
		5/2	0	10	37
		6/1/1/2	0	03	55
		6/2/1	0	08	10
		15	0	11	38
		16	0	10	88
		24	0	02	53
		25	0	08	35
		46			
		04	0	08	35
		05	0	02	53
		07	0	11	38
		14	0	11	38
		17/1	0	10	62
		17/2	0	01	01
		24/1	0	11	38
		48			
		03	0	03	54
		4/1	0	07	34
		4/2	0	01	01
		08	0	03	79
		08	0	03	04
		60	0	03	54
		68	0	01	77
		85	0	00	51
		111	0	01	01
		115	0	01	01
		116	0	00	51
		123	0	00	51
शाहपुर	89	03			
		23	0	06	07
		24	0	01	25
		16			
		03	0	11	38
		08	0	11	38
		13	0	10	87
		18/1	0	08	09
		18/2	0	03	04
		19	0	00	25
		16			
		22	0	05	32
		23/1	0	04	55
		23/2	0	01	77

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		20				शाहपुर (जारी)	16		0	08	85
		02	0	01	52		25		0	11	38
		3/1	0	01	52		66				
		3/2	0	07	03		01		0	06	32
		3/3	0	03	29		10		0	01	02
		06	0	03	29		69				
		07	0	05	06		05		0	10	62
		14	0	01	26		06		0	05	56
		15	0	09	36		07		0	05	06
		16	0	01	78		14		0	10	62
		17	0	08	09		15/1		0	01	02
		24	0	11	38		17/1		0	09	61
		33					17/2		0	00	25
		04	0	11	38		24		0	10	62
		07	0	11	38		26		0	01	26
		13/1	0	00	10		79				
		13/2	0	01	78		04		0	11	13
		14	0	08	09		7/1		0	01	02
		17	0	03	54		7/2		0	10	12
		18	0	07	58		08		0	00	26
		23/1	0	01	01		13		0	05	32
		23/2	0	10	38		14		0	05	82
		36					17		0	00	51
		03	0	11	38		18/1		0	01	52
		08	0	11	38		18/2		0	09	36
		13	0	11	38		23		0	11	38
		18	0	08	09		84				
		19	0	03	54		3/1		0	01	77
		22	0	09	36		3/2		0	11	13
		23	0	02	02		8/1		0	01	77
		50					8/2		0	05	31
							12		0	00	25
		02	0	11	38		13		0	11	38
		09	0	11	38		18		0	06	32
		12	0	10	62		19		0	04	81
		19	0	11	38		22/1		0	00	51
		20	0	00	10		22/2		0	10	37
		21/2	0	04	30		23		0	00	76
		22	0	06	83		87				
		51					02		0	07	33
		01	0	10	12		94		0	04	05
		02	0	01	26		95		0	00	51
		10/1	0	07	34		100		0	07	08
		10/2	0	04	05		107		0	01	77
		11	0	11	38		108		0	01	77
		20/1	0	01	26		114		0	01	01
		20/2	0	10	37		119		0	00	51
		21	0	11	38		120		0	02	78
		52					136		0	00	51
		25	0	00	25		140		0	00	51
		65					142		0	00	51
		05	0	05	32		334		0	01	01
		06	0	10	62		344		0	02	02
		15	0	11	13		359		0	01	01

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बाहूपुर (जारी)		370/1	0	01	01	इसराना (जारी)		16	0	02	02
		371	0	01	02			99			
								17	0	09	11
इसराना	67	06						24/4	0	00	10
		01	0	00	51			24/5	0	01	52
		10	0	02	38			24/6	0	01	77
		11	0	00	51			24/7	0	02	02
		08						24/8	0	04	82
		25	0	00	25			24/9	0	01	26
		26						108			
		04	0	10	87			04	0	10	87
		07	0	11	38			07	0	11	38
		8/2	0	00	10			13	0	02	53
		13	0	04	81			14	0	07	08
								17	0	01	77
		26						18	0	09	36
		14	0	06	83			23	0	11	38
		17	0	00	51			135			
		18	0	10	87			03	0	11	38
		23	0	11	38			08	0	11	38
		35						13	0	13	15
		03	0	07	84			14	5	01	52
		08	0	11	38			16	0	00	25
		12	0	03	54			17	0	10	12
		13	0	08	09			18	0	00	25
		18	0	01	02			24	0	00	76
		19	0	10	37			25	0	13	41
		22	0	11	38			144			
		62						05	0	11	38
		02	0	10	87			06	0	11	38
		09	0	11	38			15/1	0	05	56
		11	0	03	54			15/2	0	05	56
		12	0	08	09			16	0	10	37
		19	0	00	51			17	0	01	01
		20	0	10	37			24	0	07	58
		21	0	11	38			25	0	04	05
								168			
		15	0	03	03			04	0	10	88
		16	0	10	37			07	0	11	38
		25/2	0	11	38			14	0	11	38
		73						17	0	08	60
		01	0	11	38			168			
		10	0	11	38						
		11	0	06	83			18	0	02	78
		20	0	00	25			23	0	03	29
		99						24	0	01	52
		5/1	0	01	01			197	0	04	31
		5/2	0	05	31			204	0	03	29
		5/3	0	05	06			210	0	01	52
		6/1	0	04	57			219	0	01	77
		6/2	0	06	81			297	0	00	51
		14	0	02	23			307	0	00	51
		15	0	09	11			308	0	02	78

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		334	0	00	51			21	0	11	38
		335	0	00	51						
		358	0	00	51			50			
		907	0	01	01						
कार्य	64	07						01	0	10	37
								10	0	06	32
								11	0	00	76
		06	0	05	82						
		15	0	11	38			51			
		16	0	11	38						
		25	0	11	38			05	0	00	10
		08						06	0	04	81
								15	0	10	62
		11	0	00	25			16	0	11	38
								25	0	11	38
		11									
		04	0	01	52			70			
		5/1	0	01	02			05	0	10	88
		5/2	0	05	56			06	0	07	58
		06	0	04	55			07	0	03	54
		07	0	06	83			14	0	09	61
		14	0	13	41			15	0	01	52
		17	0	07	33			17/1	0	04	55
		24	0	11	38			17/2	0	04	55
								24	0	11	38
		22						73			
		03	0	01	02						
		04	0	09	62			04	0	11	13
		7/2	0	04	55						
		08	0	06	83			73			
		13/1	0	01	78						
		13/2	0	06	32			07	0	05	82
		18	0	11	38			08	0	03	04
		23	0	11	38			13	0	09	61
								14	0	00	25
		27						18	0	11	38
								23	0	11	38
		02	0	00	51						
		03	0	10	62			91			
		08	0	04	81						
		09	0	06	32			03	0	11	38
		12	0	11	13			08	0	09	13
		13	0	00	25			09	0	01	77
		19	0	11	28			12/2	0	07	58
		22	0	11	38			13/1	0	03	55
								19	0	11	38
		47						22	0	11	38
								92			
		01	0	00	25						
		02	0	10	62			02	0	11	38
		09	0	05	82			9/1	0	03	04
		10	0	05	62			9/2	0	05	06
		11	0	11	13			10	0	01	52
		12	0	00	25			11	0	08	09
		20	0	11	38			12	0	03	29

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		20	0	11	38			18			
		21	0	11	38						
		106						05	0	11	38
								06	0	11	38
		06	0	02	53			15	0	11	38
		15	0	08	09			16/2	0	11	38
		16	0	11	38			24/2	0	02	78
		25/1	0	06	07			25	0	08	61
		25/2	0	04	55						
								28			
		107						04	0	09	61
								28			
		01	0	12	14						
		10	0	08	85			05	0	01	78
		11	0	03	55			7/1	0	04	55
								7/2	0	06	83
		109						14	0	11	38
								17	0	11	38
		05	0	11	38			23	0	01	26
		6/2	0	11	38			24	0	10	12
		08	0	00	25						
		14	0	05	82			44			
		109						03	0	06	83
								04	0	03	29
		15	0	05	82			08	0	11	38
		16	0	00	25			13	0	06	07
		17	0	11	38			18	0	13	66
		24	0	10	87			22	0	02	28
								23	0	09	11
		122									
								59			
		03	0	00	51						
		130	0	02	28			2/2	0	01	26
		132	0	02	28			2/3	0	08	85
		134	0	03	29			3/1	0	00	76
		140	0	03	03			3/2	0	01	01
		143	0	02	28			3/2	0	01	52
		145	0	06	83			09	0	03	54
		171	0	00	52			12	0	11	13
		174	0	00	52			19	0	11	13
		195	0	00	52			20	0	00	25
		214	0	00	51			21	0	09	11
		393	0	01	02			22	0	04	55
		406	0	09	61						
								77			
कालिका	41	03									
		16	0	00	51			01	0	10	62
		25/1	0	01	26			10	0	10	87
		25/2	0	00	51			11	0	11	39
								20	0	08	11
		04						21	0	02	28
		20	0	10	87			78			
		21	0	00	25						
		17						18	0	02	02
								25	0	09	11
		01	0	00	10						

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	6
	89									
	05	0	10	37			05	0	04	05
	06	0	10	37			154	0	05	56
	15	0	11	38			155	0	01	26
	16	0	07	08			159	0	03	03
	17	0	03	54			163	0	05	06
	24	0	10	12			170	0	05	82
	25	0	01	26			180	0	02	28
							181	0	02	28
	108						242	0	01	77
							261	0	00	51
	04	0	11	38			262	0	00	51
	07	0	10	62			264	0	01	25
	14	0	10	12			282	0	00	51
	17	0	10	12			285	0	00	51
	18	0	00	51			295	0	05	06
	23	0	06	32			659	0	01	01
	24	0	04	81			683	0	01	01
	116									
					लोहारी 42		09			
	03	0	11	13						
	04	0	00	10			17	0	00	76
	08	0	11	38			24	0	07	59
	13	0	10	87			25	0	02	78
	18	0	11	38						
	22	0	02	03			10			
	23/1	0	00	25						
	23/2	0	08	85			04	0	11	38
							07	0	11	37
	128						14	0	11	38
							17	0	09	61
	02	0	09	11			18	0	00	10
	03	0	02	28			23	0	04	81
	09	0	11	38			24	0	03	29
	12	0	11	38						
	19	0	11	38			26			
	22	0	11	13			03	0	10	62
							04	0	00	10
	135						08	0	10	88
							13	0	11	38
	01	0	04	05			18	0	10	12
	02	0	05	82			22	0	03	79
	09	0	00	25			23	0	04	30
	10	0	10	62						
	11	0	11	38			27			
	20/1	0	03	04						
	20/2	0	03	54			02	0	10	62
	21	0	11	38			03	0	00	25
	142						09	0	11	38
							12	0	11	38
	01	0	10	12			19	0	11	13
	10	0	03	29			20	0	00	51
							21	0	05	82
	143						22	0	05	82

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6
			44						20	0	00	25
			16	0	00	25			21	0	05	82
			25/2	0	05	82			22	0	05	82
			45						101			
			01	0	11	13			01	0	09	86
			02	0	00	25			02	0	00	10
			10	0	11	38			10/1	0	05	06
			11	0	11	38			10/2	0	06	58
			20	5	11	13			11	0	09	86
			21	0	05	82			145	0	03	79
			49						152	0	01	01
			01	0	00	10			189	0	07	03
			50						202	0	01	52
			5/1	0	08	60			270	0	01	01
			5/2	0	01	77	सुलाना	23	37			
			06	0	11	38			09	0	07	08
			15	0	11	38			12	0	11	38
			16	0	11	13			19	0	08	35
			17	0	00	10			20	0	01	77
			24	0	05	82			21	0	07	34
			25	0	05	82			22	0	04	05
			68						63			
			04	0	11	13			01	0	11	38
			05	0	00	25			10	0	11	38
			07	0	08	60			63			
			14	0	10	37			11	0	11	38
			17	0	11	13			20	0	08	35
			18/1	0	00	25			21	0	02	78
			23/3	0	05	31			64			
			24	0	05	82			25	0	05	31
			75						66			
			03	0	10	12			05	0	11	38
			04	0	00	51			06	0	12	14
			08	0	11	38			15	0	04	55
			13	0	08	35			16	0	10	12
			18	0	11	13			195	0	06	07
			19	0	00	10			226	0	01	01
			22	0	07	34			237	0	02	02
			23	0	03	80			803	0	01	20
			26	0	03	04			814	0	04	06
			94						12			
			02	0	10	62	कुलाना	44	21	0	11	13
			03	0	00	51						
			09	0	11	38						
			12	0	11	37						
			19	0	11	13						

1	2	3	4	5	6				
	13					17	0	02	53
	01	0	11	13		24/1	0	03	79
	10	0	08	35		24/2	0	05	31
	11	0	03	04		25	0	02	28
	20	0	00	15		62			
	14					62			
	06	0	03	04		4/2	0	10	88
	15	0	08	35		62			
	16/1	0	11	38		07	0	11	13
	25	0	11	13		14	0	11	13
	27					17	0	11	13
5/1		0	01	01		18	0	00	10
5/2		0	03	25		23	0	03	54
6/1		0	07	33		24	0	07	33
6/2		0	03	79		66			
15		0	11	13		03	0	09	36
16		0	10	62		04	0	02	02
27						08	0	11	38
17	0	01	01			13	0	11	38
24	0	05	82			18	0	11	13
25	0	05	82			19	0	00	10
31						22	0	05	31
04	0	10	12			23	0	06	32
05	0	01	01			76			
07	0	11	13			02	0	11	13
14	0	11	13			03	0	00	10
17	0	11	13			09	0	03	79
24	0	11	13			87	0	05	31
43						93	0	01	77
03						98	0	01	52
03	0	00	25			308	0	01	01
04	0	11	13			311	0	00	76
07	0	07	33			312	0	00	51
08	0	03	54						
13	0	08	85			प्रतिन कर्द	22		
14	0	02	53			05			
18	0	15	43			06	0	08	85
19	0	00	76			15	0	11	38
21/1	0	00	25			16	0	10	88
21/2	0	00	10			25/1	0	01	52
22	0	16	19			25/2	0	09	86
23	0	01	77			10			5
48						4/2	0	01	52
01	0	15	18			5/1	0	06	58
02	0	00	76			5/2	0	03	04
10	0	01	01			06	0	03	29
49						07	0	07	84
05	0	00	76			10			
06	0	12	39			14	0	10	62
15	0	11	38			17	0	11	32
16	0	09	11			24/1	0	05	38
						24/2	0	05	81
						17			22
						03	0	00	51
						04	0	10	62
						07	0	05	82

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
आसन बुद्ध—जारी						आसन कलां—जारी					
	08		0	05	82		08		0	11	38
	13		0	04	55		13/1		0	02	78
	14		0	04	81		13/2		0	04	55
	18		0	11	13		18		0	11	38
	23		0	11	13		19		0	00	25
	24						22		0	05	31
	03		0	05	06		23		0	06	33
	08		0	07	59		82				
	09		0	03	54		02		0	10	88
	12		0	09	36		03		0	00	51
	13/1		0	01	77		09		0	11	38
	19/1		0	01	52		12		0	11	38
	19/2		0	03	79		19		0	11	38
	22		0	11	13		21		0	02	02
	34						22		0	08	85
	02		0	11	38		85				
	09		0	11	38		01		0	07	84
	11		0	04	05		02		0	03	54
	12		0	07	59		85				
	19		0	00	76		10/1		0	05	06
	20		0	10	62		10/2		0	01	01
	21		0	11	38		11		0	11	38
	39						20		0	10	38
	01		0	10	88		21		0	07	84
	10		0	02	28		106				
	11		0	11	13		01		0	04	84
	20		0	11	63		10		0	01	01
	71		0	04	30		107				
	77		0	09	36		05		0	07	84
	84		0	03	28		187		0	02	78
	115		0	01	01		198		0	03	04
	39						199		0	03	04
	122		0	00	51		202		0	01	01
	132		0	01	26		203		0	02	03
	283		0	01	01		204		0	01	01
	287		0	00	51		205		0	01	01
	291		0	01	01		220		0	01	26
आसन कलां	21	40					308		0	00	51
	25		0	00	51	बुद्ध	10	36			
	59						21		0	08	08
	04		0	11	13		37				
	07		0	11	38		01		0	11	38
	14		0	11	38		10		0	11	38
	17		0	09	86		11		0	09	36
	18/1		0	01	52		20		0	02	28
	23		0	08	85		38				
	24		0	02	53		15		0	02	28
	61						16		0	09	36
	03		0	11	38		25/1		0	00	10

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बालकाल--(जारी)						बाल काल--जारी					
10	25/2		0	11	38	11	141				
	58						04		0	05	31
	05		0	11	38		05		0	06	32
	06		0	11	38		06		0	00	76
	58						07		0	10	88
	14		0	00	25		14		0	11	38
	15		0	11	14		17		0	11	38
	16		0	06	32		24		0	11	38
	17		0	03	31		149				
	24		0	10	62		3/2		0	01	28
	60						04		0	10	37
	04		0	00	51		07		0	04	05
							08		0	07	32
							13		0	11	38
							14		0	00	10
							18		0	11	38
							23		0	11	38
							160				
							03		0	10	88
							08		0	05	31
							09		0	04	81
							160				
							12		0	10	37
							13		0	01	26
							19		0	11	38
							22		0	11	38
							163				
							02		0	11	38
							09		0	10	88
							10		0	00	76
							11		0	06	83
							12		0	00	25
							19		0	00	25
							20		0	11	38
							21		0	05	06
							189		0	00	78
							191		0	01	52
							290		0	03	29
							296		0	00	51
							302		0	04	55
बाल आगत						बोहली					
11	67					12	05				
	07		0	00	51		21		0	03	03
	14		0	09	11		06				
	17		0	05	82		01		0	11	13
	18		0	05	82		08		0	01	26
	23		0	11	38		09		0	16	69
	24		0	00	10		10		0	00	76
	90						12		0	00	76
	03		0	11	38		13/1		0	12	65
	08		0	11	38		13/2		0	00	25
	13/1		0	07	59		13/3		0	02	78
	13/2		0	01	26		14		0	00	25
	18		0	09	36		16/1		0	01	01
	19/1		0	02	28		16/2		0	02	28
	22/2		0	09	36						
	23		0	02	28						
	96										
	02		0	10	88						
	09		0	11	63						
	12		0	11	63						
	19		0	11	63						
	20		0	00	25						
	21		0	05	82						
	22		0	05	82						
	116										
	25		0	00	76						
	117										
	01		0	11	64						
	02		0	00	10						
	10		0	11	64						
	11		0	11	64						
	20		0	11	64						
	21		0	09	36						
	124										
	01		0	02	53						
	125										
	05		0	07	84						
	06		0	10	88						
	15		0	11	38						
	16		0	11	38						
	24		0	00	10						
	25		0	11	38						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बोहली-जारी	17	0	12	90		बोहली-जारी	16	0	01	77	
	18/1	0	00	10			17	0	09	86	
	24/1	0	00	25			24	0	11	38	
	25/1	0	04	81			162				
	25/2	0	09	11			04	0	11	38	
	17						07	0	08	60	
	01	0	12	39			184	0	14	17	
	17						186/2	0	13	65	
	02	0	04	05			162				
	08	0	04	05			192/2	0	07	34	
	09	0	12	90			192/3	0	04	05	
	10/1	0	00	10			197	0	08	60	
	13	0	12	65			206	0	02	53	
	14	0	02	02			207	0	01	77	
	16	0	02	53			212	0	00	76	
	17	0	12	39			213	0	04	30	
	25	0	11	63			245	0	02	28	
	18						246	0	01	01	
	21	0	03	54			253	0	00	51	
	24						256	0	05	55	
	01	0	11	38			446/1	0	01	77	
	02	0	05	82			462	0	01	26	
	08	0	05	83							
	09	0	10	87							
	13	0	08	85		रजापुर	13	04			
	43						21	0	04	55	
	21	0	11	38			22	0	02	02	
	47						23	0	00	25	
	03	0	05	06			05				
	07	0	02	28			21	0	12	39	
	08	0	02	78			22/2	0	09	62	
	49/2	0	14	42			23/1	0	02	53	
	121						23/2	0	01	01	
	17	0	10	12			23/3	0	03	04	
	23	0	03	79			23/3	0	03	04	
	24	0	09	36			24	0	10	12	
	140						25	0	07	59	
	04	0	00	51			06				
	19/1	0	05	06			21	0	12	39	
	19/2	0	01	01			22	0	12	39	
	21	0	00	76			23	0	11	38	
	22	0	10	88			24	0	12	39	
	145						25	0	12	39	
	15	0	03	29			07				
	16	0	11	38			18	0	01	01	
	25	0	11	38			19	0	03	54	
	148						20	0	05	82	
	07	0	06	32			21/2	0	12	39	
	10	0	13	41			22	0	12	39	
	11	0	08	60			23	0	12	39	
	20	0	00	25			07				
	160						24	0	12	39	
	05	0	11	38			25/1	0	01	77	
	06	0	11	38			25/2	0	08	09	
	14	0	02	53			08				
	15	0	08	85			16/2	0	00	25	

1	2	3	4	5	6
रजापुर--जारी	16/3	0	03	54	
	25	0	04	81	
	12				
	4/2	0	01	26	
	5/1	0	04	55	
	13				
	1/1	0	01	26	
	1/2	0	02	78	
	2/3	0	04	30	
	02	0	09	61	
	03	0	12	40	
	04	0	12	40	
	05	0	13	39	
	14				
	01	0	12	39	
	02	0	12	39	
	03	0	07	59	
	83	0	02	53	
	91	0	02	02	
	95	0	11	64	
	799	0	01	01	
	859	0	01	01	

[संख्या-भार-31015/1/92-मो. भार. I.]

कुलदीप सिंह अवर सचिव

New Delhi, the 6th February, 1992

S.O. 546,—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipeline(s) should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R. P. Kaushik, Tehsildar and Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd. Kandla-Bhatinda Pipeline Project, 1158, Sector-13, Urban Estate, Karnal, Haryana.

SCHEDULE

Tehsil : Panipat Distt : Karnal State : Haryana					
Name of village	Hadbast No.	Mustateel No./ Killa No.	Area		
			Hec-tare	Are	Centi-Are
1	2	3	4	5	6
Bowana Lakhu	86	72			
		07	0	04	26

1	2	3	3	2
Bowana Lakhu	86	13	0	11 38
(Contd-)		18	0	11 38
		23/1	0	00 10
		23/2	0	11 38
		75		
		02	0	00 10
		03	0	11 38
		08	0	06 32
		09	0	01 77
		12	0	10 88
		13	0	00 51
		19/1	0	11 38
		19/2	0	00 10
		22	0	11 38
		99		
		02	0	11 38
		9/2	0	10 37
		10/1	0	01 01
		11/2	0	07 34
		12	0	04 05
		20	0	11 38
		21/1/1	0	01 01
		21/1/2	0	06 58
		21/2	0	01 26
		102		
		01	0	11 63
		24/1	0	02 53
		926	0	02 78
Kayath	91	22		
		02	0	03 29
		9/1	0	03 29
		9/2	0	07 84
		12/1	0	00 51
		12/2	0	10 87
		19/2/1	0	10 88
		19/2/2	0	00 25
		20	0	00 51
		21/2	0	05 31
		22/1	0	05 31
		32		
		16	0	00 51
		25/2	0	04 05
		33		
		01	0	11 38
		02	0	00 10
		10	0	11 38
		11	0	11 38
		20	0	11 38
		21/1	0	04 55
		36		
		1/1	0	00 25
		37		
		5/2	0	10 37
		6/1/1/2	0	03 55
		6/2/1	0	08 10
		15	0	11 38
		16	0	10 88
		24	0	02 53
		25	0	08 35
		46		
		04	0	08 35
		05	0	02 53
		07	0	11 38
		14	0	11 38

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kayath (Contd.)	91	17/1	0	10	62	Shahpur (Contd.)	89	19	0	11	38
		17/2	0	01	01			20	0	00	10
		24/1	0	11	38			21/2	0	04	30
		48						22	0	06	83
		03	0	03	54			51			
		4/1	0	07	34			01	0	10	12
		4/2	0	01	01			02	0	01	26
		07	0	03	79			10/1	0	07	34
		08	0	03	04			10/2	0	04	05
		60	0	03	54			11	0	11	38
		68	0	01	77			20/1	0	01	26
		85	0	00	51			20/2	0	10	37
		111	0	01	01			21	0	11	38
		115	0	01	01			52			
		116	0	00	51			25	0	00	25
		123	0	00	51			65			
Shahpur	89	03						05	0	05	32
		23	0	06	07			06	0	10	62
		24	0	01	25			15	0	11	13
		16						16	0	08	85
		03	0	11	38			25	0	11	38
		08	0	11	38			66			
		13	0	10	87			01	0	06	32
		18/1	0	08	09			10	0	01	02
		18/2	0	03	04			69			
		19	0	00	25			05	0	10	62
		16						06	0	05	56
		22	0	05	32			07	0	05	06
		23/1	0	04	55			14	0	10	62
		23/2	0	01	77			15/1	0	01	02
		20						17/1	0	09	61
		02	0	01	52			17/2	0	00	25
		3/1	0	01	52			24	0	10	62
		3/2	0	07	08			26	0	01	26
		3/3	0	03	29			79			
		06	0	03	29			04	0	11	13
		07	0	05	06			7/1	0	01	02
		14	0	01	26			7/2	0	10	12
		15	0	09	36			08	0	00	25
		16	0	01	78			13	0	05	32
		17	0	08	09			14	0	05	82
		24	0	11	38			17	0	00	51
		33						18/1	0	01	52
		04	0	11	38			18/2	0	09	36
		07	0	11	38			23	0	11	38
		13/1	0	00	10			84			
		13/2	0	01	78			3/1	0	01	77
		14	0	08	09			3/2	0	11	13
		17	0	03	54			8/1	0	01	77
		18	0	07	58			8/2	0	05	31
		23/1	0	01	01			12	0	00	25
		23/2	0	10	38			13	0	11	38
		36						18	0	06	32
		03	0	11	38			19	0	04	81
		08	0	11	38			22/1	0	00	51
		13	0	11	38			22/2	0	10	37
		18	0	08	09			23	0	00	76
		19	0	03	54			87			
		22	0	09	36			02	0	07	33
		23	0	02	02			94	0	04	05
		50						95	0	00	51
		02	0	11	38			100	0	07	08
		09	0	11	38			107	0	01	77
		12	0	10	62						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Shahpur (Contd.)						Israna (Contd.) 66					
		108	0	01	77			24/5	0	01	52
		114	0	01	01		67	24/6	0	01	77
		119	?	00	51			24/7	0	02	02
		120	0	02	78			24/8	0	04	82
		136	0	00	51			24/9	0	01	26
		140	0	00	51			108			
		142	0	00	51			04	0	10	87
		334	0	01	01			07	0	11	38
		344	0	02	02			13	0	02	53
		359	0	01	01			14	0	07	08
		370/1	0	01	01			17	0	01	77
		371	0	01	02			18	0	09	36
Israna	66	06						23	0	11	38
	67	01	0	00	51			135			
		10	0	02	28			03	0	11	38
		11	0	00	51			08	0	11	38
		08						13	0	13	15
		25	0	00	25			14	0	01	52
		26						16	0	00	25
		04	0	10	87			17	0	10	12
		07	0	11	38			18	0	00	25
		8/2	0	00	10			24	0	00	76
		13	0	04	81			25	0	13	41
		26						144			
		14	0	06	83			05	0	11	38
		17	0	00	51			06	0	11	38
		18	0	10	87			15/1	0	05	56
		23	0	11	38			15/2	0	05	56
		35						16	0	10	37
		03	0	07	84			17	0	01	01
		08	0	11	38			24	0	07	58
		12	0	03	54			25	0	04	05
		13	0	08	09			168			
		18	0	01	02			04	0	10	88
		19	0	10	37			07	0	11	38
		22	0	11	38			14	0	11	38
		62						17	0	08	06
		02	0	10	87			168			
		09	0	11	38			18	0	02	78
		11	0	03	54			23	0	03	29
		12	0	08	09			24	0	01	52
		19	0	00	51			197	0	04	31
		20	0	10	37			204	0	03	29
		21	0	11	38			210	0	01	52
		72						219	0	01	77
		15	0	03	03			297	0	00	51
		16	0	10	37			307	0	00	51
		25/2	0	11	38			308	0	02	78
		73						334	0	00	51
		01	0	11	38			335	0	00	51
		10	0	11	38			358	0	00	51
		11	0	06	83			907	0	01	01
		30	0	00	25						
		99				Karad	64	07			
		5/1	0	01	01			06	0	05	82
		5/2	0	05	31			15	0	11	38
		5/3	0	05	06			16	0	11	38
		6/1	0	04	57			25	0	11	38
		6/2	0	06	81			08			
		14	0	02	28			11	0	00	25
		15	0	09	11			11			
		16	0	02	02			04	0	01	52
		99						5/1	0	01	02
		17	0	09	11			5/2	0	05	56
		24/4	0	00	10			06	0	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Karad (Contd.) 64						Karad (Contd.) 64					
	07		0	06	83		22		0	11	38
	14		0	13	41		92				
	17		0	07	33		02		0	11	38
	24		0	11	38		9/1		0	03	04
	22						9/2		0	05	06
	03		0	01	02		10		0	01	52
	04		0	09	62		11		0	08	09
	7/2		0	04	55		12		0	03	29
	08		0	06	83		20		0	11	38
	13/1		0	01	78		21		0	11	38
	13/2		0	06	32		106				
	18		0	11	38		06		0	02	53
	23		0	11	38		15		0	08	09
	27						16		0	11	38
	02		0	00	51		25/1		0	06	07
	03		0	10	62		25/2		0	04	55
	08		0	04	81		107				
	09		0	06	32		01		0	12	14
	12		0	11	13		10		0	08	85
	13		0	00	25		11		0	03	55
	19		0	11	38		109				
	22		0	11	38		05		0	11	38
	47						6/2		0	11	38
	01		0	00	25		08		0	00	25
	02		0	10	62		14		0	05	82
	09		0	05	82		109				
	10		0	05	82		15		0	05	82
	11		0	11	13		16		0	00	25
	12		0	00	25		17		0	11	38
	20		0	11	38		24		0	10	87
	21		0	11	38		122				
	50						03		0	00	51
	01		0	10	37		130		0	02	28
	10		0	06	32		132		0	02	28
	11		0	00	76		134		0	03	29
	51						140		0	03	03
	05		0	00	10		143		0	02	28
	06		0	04	81		145		0	06	83
	15		0	10	62		171		0	00	52
	16		0	11	38		174		0	00	52
	25		0	11	38		195		0	00	52
	70						214		0	00	51
	05		0	10	88		393		0	01	02
	06		0	07	58		406		0	09	61
	07		0	03	54						
	14		0	09	61	Kalkha	41	03			
	15		0	01	52		16		0	00	51
	17/1		0	04	55		25/1		0	01	26
	17/2		0	04	55		25/2		0	00	51
	24		0	11	38		04				
	73						20		0	10	87
	04		0	11	13		21		0	00	25
	73						17				
	07		0	05	82		01		0	00	10
	08		0	03	04		18				
	13		0	09	61		05		0	11	38
	14		0	00	25		06		0	11	38
	18		0	11	38		15		0	11	38
	23		0	11	38		16/2		0	11	38
	91						24/2		0	02	78
	03		0	11	38		25		0	08	61
	08		0	09	13		28				
	09		0	01	77		04		0	09	61
	12/2		0	07	58						
	13/1		0	03	55						
	19		0	11	38						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kalkha (Contd.) 41						Kalkha (Contd.) 41					
		28						03	0	02	28
		05	0	01	78			09	0	11	38
		7/1	0	04	55			12	0	11	38
		7/2	0	06	83			19	0	11	38
		14	0	11	38						
		17	0	11	38			22	0	11	13
		23	0	01	26			135			
		24	0	10	12			01	0	04	05
		44						02	0	05	82
		03	0	06	83			09	0	00	25
		04	0	03	29			10	0	10	62
		08	0	11	38			11	0	11	38
		13	0	06	07			20/1	0	03	04
		18	0	13	66			20/2	0	03	54
		22	0	02	28			21	0	11	38
		23	0	09	11			142			
		59						01	0	10	12
		2/2	0	01	26			10	0	03	29
		2/3	0	08	85			143			
		3/1	0	00	76			05	0	04	05
		3/2	0	01	01			154	0	05	56
		8/2	0	01	52			155	0	01	26
		09	0	03	54			159	0	03	03
		12	0	11	13			163	0	05	06
		19	0	11	13			170	0	05	82
		20	0	00	25			180	0	02	28
		21	0	09	11			181	0	02	28
		22	0	04	55			242	0	01	77
		77						261	0	00	51
		01	0	10	62			262	0	00	51
		10	0	10	87			265	0	01	25
		11	0	11	38			282	0	00	51
		20	0	09	11			284	0	00	51
		21	0	02	28			285	0	00	51
		78						295	0	05	06
		16	0	02	02			659	0	01	01
		25	0	09	11			683	0	01	01
		05	0	10	37	Lohari 42					
		89						09			
		06	0	10	37			17	0	00	76
		15	0	11	38			24	0	07	59
		16	0	07	08			25	0	02	78
		17	0	03	54			10			
		24	0	10	12			04	0	11	38
		25	0	01	26			07	0	11	37
		108						14	0	11	38
		04	0	11	38			17	0	09	61
		17	0	10	62			18	0	00	10
		14	0	10	12			23	0	04	81
		17	0	10	12			24	0	03	29
		18	0	00	51			26			
		23	0	06	32			03	0	10	62
		24	0	04	81			04	0	00	10
		116						08	0	10	88
		03	0	11	13			13	0	11	38
		04	0	00	10			18	0	10	12
		08	0	11	38			22	0	03	79
		13	0	10	87			23	0	04	30
		18	0	11	38			27			
		22	0	02	03			02	0	10	62
		23/1	0	00	25			03	0	00	25
		23/2	0	08	85			09	0	11	38
		129						12	0	11	38
		02	0	09	11			19	0	11	13
								20	0	00	51

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Lohari (Contd.) 42		21	0	05	82	Sutana (Contd.) 23		12	0	11	38
		22	0	05	82			19	0	08	35
		44						20	0	01	77
		16	0	00	25			21	0	07	34
		25/2	0	05	82			22	0	04	05
		45						63			
		01	0	11	13			01	0	11	38
		02	0	00	25			10	0	11	38
		10	0	11	38			63			
		11	0	11	38			11	0	11	38
		20	0	11	13			20	0	08	35
		21	0	05	82			21	0	02	78
		49						64			
		01	0	00	10			25	0	05	31
		50						66			
		5/1	0	08	60			05	0	11	38
		5/2	0	01	77			06	0	12	14
		06	0	11	38			15	0	04	55
		15	0	11	38			16	0	10	12
		16	0	11	13			195	0	06	07
		17	0	00	10			226	0	01	01
		24	0	05	82			237	0	02	02
		25	0	05	82			803	0	01	26
		68						814	0	04	06
		04	0	11	13						
		05	0	00	25	Untla	44	12			
		07	0	08	60			21	0	11	13
		14	0	10	37			13			
		17	0	11	13			01	0	11	13
		18/1	0	00	25			10	0	08	35
		23/3	0	05	31			11	0	03	04
		24	0	05	82			20	0	00	10
		75						14			
		03	0	10	12			06	0	03	04
		04	0	00	51			15	0	08	35
		08	0	11	38			16/1	0	11	38
		13	0	08	35			25	0	11	13
		18	0	11	13			27			
		19	0	00	10			5/1	0	01	01
		22	0	07	34			5/2	0	03	29
		23	0	03	80			6/1	0	07	33
		26	0	03	04			6/2	0	03	79
		94						15	0	11	13
		02	0	10	62			16	0	10	62
		03	0	00	51			27			
		09	0	11	38			17	0	01	01
		12	0	11	37			24	0	05	82
		19	0	11	13			25	0	05	82
		20	0	00	25			31			
		21	0	05	82			04	0	10	12
		22	0	05	82			05	0	01	01
		101						07	0	11	13
		01	0	09	86			14	0	11	13
		02	0	00	10			17	0	11	13
		10/1	0	05	06			24	0	11	13
		10/2	0	06	58			43			
		11	0	09	86			03	0	00	25
		145	0	03	79			04	0	11	13
		152	0	01	01			07	0	07	33
		189	0	07	08			08	0	03	54
		202	0	01	52			13	0	08	85
		270	0	01	01			14	0	02	53
		744	0	04	05			18	0	15	43
		762	0	00	51			19	0	03	76
Sutana	23	37						21/1	0	00	25
		09	0	07	08			21/2	0	00	10

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	
Untla (Contd.)	44	22	0	16	19	Asan Khurd (Contd.)	22	13	0	04	55
		23	0	01	77			14	0	04	81
		48						18	0	11	13
		01	0	15	18			23	0	11	13
		02	0	00	76			24			
		10	0	01	01			03	0	05	06
		49						08	0	07	59
		05	0	00	76			09	0	03	54
		06	0	12	39			12	0	09	36
		15	0	11	38			13/1	0	01	77
		16	0	09	11			19/1	0	01	52
		17	0	02	53			19/2	0	03	79
		24/1	0	03	79			22	0	11	13
		24/2	0	05	31			34			38
		25	0	02	28			02	0	11	38
		62						09	0	11	38
		4/2	0	10	88			11	0	04	05
		62						12	0	07	59
		07	0	11	13			19	0	00	76
		14	0	11	13			20	0	10	68
		17	0	11	13			21	0	11	38
		18	0	00	10			39			
		23	0	03	54			01	0	10	88
		24	0	07	33			10	0	02	28
		66						11	0	11	13
		03	0	09	36			20	0	11	63
		04	0	02	02			71	0	04	30
		08	0	11	38			77	0	09	36
		13	0	11	38			84	0	02	28
		18	0	11	13			115	0	01	01
		19	0	00	10			39			
		22	0	05	31			122	0	00	51
		23	0	06	32			132	0	01	26
		76						283	0	01	01
		02	0	11	13			287	0	00	51
		03	0	00	10			291	0	01	01
		09	0	03	79	Asan Kalan	21	40			
		87	0	05	31			25	0	00	51
		93	0	01	77			59			
		98	0	01	52			04	0	11	13
		308	0	01	01			07	0	11	38
		311	0	00	76			14	0	11	38
		312	0	00	51			17	0	09	86
Asan Khurd	22	05						18/1	0	01	52
		06	0	08	85			23	0	08	85
		15	0	11	38			24	0	02	53
		16	0	10	88			61			
		25/1	0	01	52			03	0	11	38
		25/2	0	09	86			08	0	11	38
		10						13/1	0	02	78
		4/2	0	01	52			13/2	0	04	55
		5/1	0	06	58			18	0	11	38
		5/2	0	03	04			19	0	00	25
		06	0	03	29			22	0	05	31
		07	0	07	84			23	0	06	33
		10						82			
		14	0	10	62			02	0	10	88
		17	0	11	38			03	0	00	51
		24/1	0	05	31			09	0	11	38
		24/2	0	05	82			12	0	11	38
		17						19	0	11	38
		03	0	00	51			21	0	02	02
		04	0	10	62			22	0	08	85
		07	0	05	82			85			
		08	0	05	82			01	0	07	84
								02	0	03	54

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Asan Kalar (Cont'd.) 21		85				Bal Jatan	11	19	0	11	63
		10/1	0	05	06			20	0	00	25
		10/2	0	01	01			21	0	05	82
		11	0	11	38			22	0	05	82
		20	0	10	88			116			
		21	0	07	84			25	0	00	76
		106						117			
		01	0	04	81			01	0	11	64
		10	0	01	01			02	0	00	10
		107						10	0	11	64
		05	0	07	84			11	0	11	64
		187	0	02	78			20	0	11	64
		198	0	03	04			21	0	09	36
		199	0	03	04			124			
		202	0	01	01			01	0	02	53
		203	0	02	03			125			
		204	0	01	01			05	0	07	84
		205	0	01	01			06	0	10	88
		220	0	01	26			15	0	11	38
		308	0	00	51			16	0	11	38
Khandra	10	36						24	0	00	10
		21	0	08	09			25	0	11	38
		37						141			
		01	0	11	38			04	0	05	31
		10	0	11	38			05	0	06	32
		11	0	09	36			06	0	00	76
		20	0	02	28			07	0	10	88
		38						14	0	11	38
		15	0	02	28			17	0	11	38
		16	0	09	36			24	0	11	38
		25/1	0	00	10			149			
		25/2	0	11	38			3/2	0	01	26
		58						04	0	10	37
		05	0	11	38			07	0	04	05
		06	0	11	38			08	0	07	32
		58						13	0	11	38
		14	0	00	25			14	0	00	10
		15	0	11	14			18	0	11	38
		16	0	06	32			23	0	11	38
		17	0	05	31			160			
		24	0	10	62			03	0	10	88
		60						08	0	05	31
		04	0	00	51			09	0	04	81
Bal Jatan	11	67						160			
		07	0	00	51			12	0	10	37
		14	0	09	11			13	0	01	26
		17	0	05	82			19	0	11	38
		18	0	05	82			22	0	11	38
		23	0	11	38			163			
		24	0	00	10			02	0	11	38
		90						09	0	10	88
		03	0	11	38			10	0	00	76
		08	0	11	38			11	0	06	83
		13/1	0	07	59			12	0	04	81
		13/2	0	01	26			19	0	00	25
		18	0	09	36			20	0	11	38
		19/1	0	02	28			21	0	05	06
		22/2	0	09	36			189	0	02	78
		23	0	02	28			191	0	01	52
		96						290	0	03	29
		02	0	10	88			296	0	00	51
		09	0	11	63			302	0	04	55
		12	0	11	63						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Bohli	12	05				Bohli	12	100			
		21	0	03	03			05	0	11	38
		06						06	0	11	38
		01	0	11	13			14	0	02	53
		08	0	01	26			15	0	08	85
		09	0	6	69			16	0	01	77
		10	0	00	76			17	0	09	86
		12	0	00	76			24	0	11	38
		13/1	0	12	65			162			
		13/2	0	00	25			04	0	11	35
		13/3	0	02	78			07	0	08	60
		14	0	00	25			184	0	14	17
		16/1	0	01	01			186/2	0	13	65
		16/2	0	02	28			162			
		17	0	12	90			192/2	0	07	34
		18/1	0	00	10			192/3	0	04	05
		24/1	0	00	25			197	0	08	60
		25/1	0	04	81			206	0	02	53
		25/2	0	09	11			207	0	01	77
		17						212	0	00	76
		01	0	12	39			213	0	04	30
		17						245	0	02	28
		02	0	04	05			246	0	01	01
		08	0	04	05			253	0	00	51
		09	0	12	90			256	0	05	55
		10/1	0	00	10			446/1	0	01	77
		13	0	12	65			462	0	01	26
		14	0	02	02						
		16	0	02	53						
		17	0	12	39						
		25	0	11	63						
		18									
		21	0	03	54						
		24									
		01	0	11	38						
		02	0	05	82						
		08	0	05	83						
		09	0	10	87						
		13	0	08	85						
		43									
		21	0	11	38						
		47									
		03	0	05	06						
		07	0	02	28						
		08	0	02	78						
		49/2	0	14	42						
		121									
		17	0	10	12						
		23	0	03	79						
		24	0	09	36						
		140									
		04	0	00	51						
		19/1	0	05	06						
		19/2	0	01	01						
		21	0	00	76						
		22	0	10	88						
		145									
		15	0	03	29						
		16	0	11	38						
		25	0	11	38						
		146									
		01	0	06	32						
		10	0	13	41						
		11	0	08	60						
		20	0	00	25						

1	2	3	4	5	6
Rarapur (Contd.) 13	1/2	0	02	78	
	2/3	0	04	30	
	02	0	09	61	
	03	0	12	40	
	04	0	12	40	
	05	0	12	39	
	14				
	01	0	12	39	
	02	0	12	39	
	03	0	07	59	
	83	0	02	53	
	91	0	02	02	
	95	0	11	64	
	799	0	01	01	
	856	0	01	01	

[No. R-31015/1/92-O.R.-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का.प्रा. 547.—होमियोपैथिक केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसरण में नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित व्यक्ति को स्तम्भ (1) में उल्लिखित विश्वविद्यालय से निर्वाचित किया गया है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.प्रा. 482(अ) तारीख 6 अगस्त, 1974 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित” शीर्षक के अधीन विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

विश्वविद्यालय का नाम	सदस्य का नाम और पता
(1)	(2)
“16. कलकत्ता विश्वविद्यालय	डॉ. बी. एन. माहा ए/8/11 कल्याणी, नदिया, पश्चिम बंगाल।”

[संख्या बी. 26017/15/87-होमियो (सी. सी. एच.)
किगोर मुडी, निदेशक (भा. वि. प.)

पाद टिप्पणी: मूल अधिसूचना सं. का.प्रा. 482 (अ) तारीख 6-8-1974 द्वारा तथा पश्चात्तर्फी अधिसूचना सं. बी. 26018/15/87-होमियो (सी. सी. एच.) (II) तारीख 29-8-1990 द्वारा जारी की गई थी।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi the 27th Jan., 1992

S.O. 547.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the person mentioned in column (2) of the Table below has been elected from the University mentioned in column (1).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning, Department of Health, No. S.O. 482(E), dated the 6th August 1974, namely:—

In the said notification under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3” after the existing entries the following entry shall be added namely:—

Name of the University	Name and address of the member
1	2
“16. University of Calcutta	Dr. B.N. Saha A/8/11, Kalyani, Nadia, West Bengal.”

[No. V.-26017/15/87-Homoeo(CCH)(II)]
R.K. MUKHI, Director (ISM)

FOOT NOTE: The original notification was issued vide No. S.O. 482(E) dated the 6th August, 1974 and subsequent amendment by notification No. V. 26018/15/87-Homoeo(CCH)(II) dated 29th August, 1990.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1992

का.प्रा. 548.—केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे एतद्द्वारा आम जनता की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा सुझाव देना हो, तो वह अपनी आपत्ति अथवा सुझाव लिखित रूप में इस सूचना के जारी होने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के अन्दर मन्त्रि, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, “बी” ब्लॉक, आई.एन.ए., नई दिल्ली को भेज दें।

प्राप्ति करने/सुझाव देने वाले व्यक्ति अपने नाम और पते भी दें।

संशोधन —

“जोन एफ-5 (ग्राम. के. पुरम क्षेत्र) के अन्तर्गत आने वाले लगभग 0.219 हेक्टेयर क्षेत्र, जो उत्तर-पश्चिम में 60 फुट चौड़ी सड़क, उत्तर-पूर्व में विद्यमान गैस गोदामों और मुख्य योजना हरित क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम में पालम मार्ग (बाहरी रिंग रोड) और मुख्य योजना हरित क्षेत्र तथा दक्षिण-पूर्व में विद्यमान नाले और सेक्टर-6 ग्राम. के. पुरम में घिरा हुआ है, का भूमि उपयोग “मनोरंजनात्मक” में “व्यावसायिक” में बदला जाना प्रस्तावित है।”

2. संशोधन का वर्णन वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उक्त अवधि के अन्दर सभी कार्य दिवसों को उप निदेशक (मुख्य योजना), विकास मीनार, छठी मंजिल, आई. पी. एस्टेट, नई दिल्ली के कार्यालय में उपलब्ध होगा।

[सं. एफ-20(9)/88-एम. पी.]
रणबीर सिंह, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 6th February, 1992

S.O. 548.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, I.N.A. New Delhi within a period of thirty days from the date of issue of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION :

“The land use of an area measuring about 0.219 hect., falling in zone F-5 (R. K. Puram Area) and bounded by 60' wide road in the North-West, existing gas godowns and Master Plan green in the North-East, Palam Marg (Outer Ring Road) and Master Plan green in the South-West and existing nallah and sector-VI, R. K. Puram in the South-East, is proposed to be changed from 'recreational' to Commercial.”

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of Deputy Director Master Plan Section, Vikas Minar, 6th floor, I.P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred to above.

[No. F. 20(9)/88-MP]
RANBIR SINGH, Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 549.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार नोर्थ चन्दमेटा कोलियरी ऑफ इन्ड्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध निरीक्षकों और उनके कर्मचारियों के बीच

अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/445/90-आई.ग्राम. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th January, 1992

S.O. 549.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of North Chandametta Colliery of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(96)/1991

PARTIES:

Employers in relation to the management of North Chandametta Colliery of W.C. Ltd. P.O. Bhamori, District Chhindwara (M.P.)

AND

Their workman Shri Jamaluddin, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, District Chhindwara (MP)-480551.

APPEARANCES:

For Workman—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri R. K. Singh.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December 24th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/445/90-IR(Coal-II) dated 25th April, 1991, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Manager, North Chandametta Colliery of Western Coalfields Ltd., Pench Area, P.O. Bhamori, District Chhindwara (M.P.) in not correcting the date of birth of Shri Jamaluddin S/o Shri Jamaluddin Chowkidar of North Chandametta Colliery from 1st July, 1931 to 12th September, 1935 on the basis of the School Leaving Certificate of Class-III produced by him is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

2. Instead of filing their respective statement of claim by either party, they have filed a Compromise Petition and stated that they have settled the matters in terms thereof, Parties verified the terms of settlement which are as under :—

1. Union demanded that Shri Jamaluddin, Peon may be sent to Medical Board and in case he is found unfit for duty his son may be employed. Accordingly the son of Sri Jamaluddin, Sri Samsudin was appointed.

2. As such the Union desires to withdraw the case from the CGIT, Jabalpur.

3. According to the terms of settlement the son of Sri Jamaluddin has been appointed and therefore the Union desires to withdraw this case in view of the terms of settlement the case is disposed of accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/445/90-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. ग्रा. 550.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गोरावारी कोलियरी ऑफ़ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल-22012/143/89-ग्राई. आर (सी-II)]
राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 550.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Ghorawari Colliery of W.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(212)/1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of Ghorawari Colliery of W.C.L. P.O. Ghorawari Colliery, District Chhindwara (M.P.)

AND

Their workman, Shri Kali Charan, represented by the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES:

For Workman—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri G. R. Bhandari, Director (P), D. Mewar.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (MP).

AWARD

Dated, December 24th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(143)/89-IR (Coal-II) Dated 17th October, 1989, for adjudication of the following dispute:—

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of the Manager, Ghorawari Colliery of M/s. W.C. Ltd. Kanhan Area in dismissing Sri Kaliram Son of Sri Charan, Wagon Loader of Ghorawari Colliery from the services of the Company w.e.f. 3rd September, 1988 is proper and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?”

2. Parties filed their respective statement of claim, rejoinders and certain documents.

3. On 18th December, 1991 parties appeared and agreed to the following terms:—

1. The management agrees to provide employment to the workman within six months as loader in W.C.L.
2. The union drops the claim for back wages.
3. The workman will be given the benefits of continuity of service.

4. The workman shall put in minimum attendance of 260 days in the first year of the service. In the event of failing which, his service shall stand terminated.

4. I have perused the compromised terms which are just and fair and record my award in terms of compromise without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/143/89-IR(C.II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 551.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार चन्द्रपुर सब एरिया आफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/333/89-ग्राई. आर. (सी-II)]
राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 551.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Chandrapur Sub-Area of W.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(131)/1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of W.C.L. Chandrapur Sub-Area, Chanda Rayat Colliery, District Chandrapur

AND

Their workmen represented through the Rashtriya Koyla Khadan Mazdoor Sangh (INTUC), C/o C.G.M. Office, Chandrapur (MS).

APPEARANCES:

For Workman—Shri G. V. R. Sharma.

For Management—Shri G. R. Bhandari, Director (P).

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT: Chandrapur (MS)

AWARD

Dated, December 26th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(333)/89-IR(Coal-II) dated 8th May, 1990, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the wage cut from the salary of 406 workmen of Durgapur Rayatwari Colliery of M/s. W.C. Ltd., District Chandrapur for resorting to illegal strike on 7th September, 1989 from 7 A.M. to 11 A.M. as alleged by the management of Sub-Area Manager, Chanda Rayatwari Colliery of WCL is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled?”

2. In the instant case, workman has not filed a statement of claim and the case was being adjourned to comply with the orders. On 5th September, 1991 parties stated that they agree to settle the case by the next date. Ultimately parties filed a settlement on 19th December, 1991 and verified the

same. The terms of settlement as agreed to by the parties are as under:—

"It is agreed by the parties that the matter of wages cut of 406 workmen of DRC for 4 hours on 7th September, 1989 shall be jointly examined by S/Sri R. K. Choudhary, Addl. CPM and R. P. Singh, Vice President, R.K.K.M.S., Nagpur and give their decision which shall be full and final binding on both the parties."

In view of the above, parties prayed that an Award be passed.

3. As the parties have agreed to mutually settle the matter as per above terms which are just I record my award in terms of the settlement arrived at between the parties. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/333/89-IR (C-II)]

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 552.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार राखिकोल कोलियरी ऑफ मे. डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22017/251/91-आई. ग्रा. (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 552.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Rakhikol Colliery of M/s. W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM- LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(180)/1991

PARTIES:

Employers in relation to the management of Rakhikol Colliery of W.C.L. Kanhan Area, Post Rakhikol District Chhindwara (M.P.)

AND

Their workman, Shri Netra Prakash Verma, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS) Post Junnardeo, District Chhindwara (MP)-480001.

APPEARANCES:

For Workman—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri G. R. Bhandari, Director (P) & D. Mewar.

INDUSTRY: Coal Mining DISTRICT: Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December 24, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/251/91-IR/C-II dated 7th October, 1991, for adjudication of the following dispute:

"Whether the action of the management of Rakhikol Colliery of WCL, Kanhan Area, in dismissing the services of Shri Netra Prakash Verma, Asstt.

280 GI/92—13

Lamproom Incharge, 5/6 Incline of Rakhikol Colliery w.e.f. 16th June, 1989 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. On receipt of the reference order dated 7th October, 1991 parties were noticed to file their respective statement of claim etc. on 10th December, 1991. None appeared for either side on 10th December, 1991 nor filed any statement of claim.

3. On 18th December, 1991 representatives of the parties appeared and stated that the parties have amicably settled the matter and prayed that no dispute award be passed.

4. In view of the above, I record a no dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.
[No. L-22012/251/91-IR (C-II)]

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 553.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दुरगापुर ओपनकास्ट प्रोजेक्ट ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/242/89-आई. ग्रा. (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 553.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Durgapur Opencast Project of W.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFOR SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM- LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(10)/1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of Durgapur Open Cast Project of M/s. W.C. Ltd., Post Durgapur, District Chandrapur (MS)

AND

Their workmen S/Shri S. S. Joshi and R. U. Thakre, Clerks Grade II, represented through the Lal Zanda Coal Mines Mazdoor Union (CITU) Anand Bhavan, Bhanpeth Ward No. 2, Chandrapur (MS)-442401.

APPEARANCES:

For Workmen—Shri S. R. Pendre.

For Management—Shri B. S. Seikhon.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chandrapur (MS)

AWARD

Dated, December 24, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(242)/89-IR Coal-II) dated 9th January, 1990, for adjudication of the following dispute:—

"Whether the demand of the Union for promotion of S/Sri S. S. Joshi and R. U. Thakre, Clerks Grade II to Clerks Grade I w.e.f. 1st January, 1988 by the

Management of Sub-Area Manager, Durgapur OCP of W.C. Ltd. is justified? If so, to what relief the workmen concerned are entitled??

2. The case was at the stage of filing documents and framing of issues on 19th December, 1991 parties appeared filed a Compromise Petition duly signed and verified by the parties before this Tribunal. The terms of settlement are as under :

1. That S/Shri S. S. Joshi and R. U. Thakre, Clerks Gr. II of Durgapur Open Cast Project shall be promoted by the Management from Clerical Gr. II to Gr. I under NCWA-IV w.e.f. 1st January, 1992.
2. That there shall be no claim whatsoever for the past period.
3. That with the above promotion, the workmen shall not have any claim or dispute whatsoever for the past period.
4. That this will not be cited as a precedent.
5. That this settlement fully and finally settles the dispute.
6. Parties agree to file the settlement before this Tribunal.

Parties have further prayed that an award may be passed in terms of this settlement.

3. I have perused the above terms of settlement which appear to be just and fair and lawful. I therefore, record my award in terms of the settlement arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.
[No. L-22012/242/89-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.प्र. 554.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डोंगर चिकली कोलियरी ऑफ इन्ड्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उन के कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/80/89-आई प्रार-(सी-II)]

राजा लाल डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 554.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Donger Chickli Colliery of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM- LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(1)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of East Donger Chickli Colliery of M/s. W.C. Ltd., P.O. Parasia, District Chhindwara (M.P.)

AND

Their workman, Shri Tulsiram, represented through the R.K.K.M. Sangh (INTUC). Post Chandametta District Chhindwara (MP)-480447.

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management—S/Shri G. R. Bhandari D(P)
R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December, 24th 1991

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012(80)/89-IR (Coal-II) dated 16th January, 1990 for adjudication of the following dispute :

“Whether the action of the Manager, East Donger Chickli Colliery of M/s. W.C. Ltd. Panch Area, in not correcting the date of birth of Sri Tulsiram S/o Mohan Singh, Conveyor fitter helper from 1st July, 1937 to 7th April, 1953 by referring to Medical Board is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. The case was at the stage of adducing evidence by the parties.

3. On 18th December, 1991 parties appeared and compromised the case in terms as under :

The workman in both the references shall be examined by apex Medical Board of W.C.L. on the point of the age of the workman concerned within two months from today and the decision of the Medical Board will be binding on both the parties.

Awards in terms be passed accordingly

4. In view of the above terms of compromise arrived at between the parties I record my award in terms of compromise as above. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.
[No. L-22012/80/89-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.प्र. 555.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मोहन कोलियरी ऑफ इन्ड्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-21012/72/87-डी.-III(बी)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 555.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Mohan Colliery of W.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM- LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(7)/1988

PARTIES:

Employers in relation to the management of Mohan Colliery of W.C. Ltd. Kanhan Area, P.O. Dungaria District Chhindwara (M.P.)

AND

Their workman, Shri Jagdish brother of late Fool Singh, D.P.R. represented through the R.K.K.M.S. (INTUC), P.O. Chandametta, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. K. Rao, Advocate.
For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY: Coal Mining DISTRICT: Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December 24th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21012/72/87-D, III(B) dated 14th/31st December, 1987, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Mohan Colliery of WCL, in not providing dependant's job to Shri Jagdish brother of late Fool Singh, D.P.R. as per provisions of NCWA-III is justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. Both the parties contested the dispute and even evidence of one Lakhani Lal was recorded as W.W. 1. The case was fixed for arguments.

3. On 18th December, 1991 parties appeared and filed a compromise petition, the terms of which are as under :—

1. It is agreed by the management that Shri Jagdish/Baba, dependant younger brother of late Fool Singh, Ex-Casual, Mohan Colliery, who is only available dependant in the family, will be provided the employment anywhere in WCL, within 3 months from the date of signing of this settlement.
2. Further it is agreed by the union and workman that they will not claim any wages for the past period.
3. Further it is agreed by the union/workman that it will not be quoted as a precedence in any other case.
4. Further, it is agreed by both the parties to file this settlement before the CGIT, Jabalpur, for giving a consent Award in respect of the Case No. GCIT/LC(R)(7)/88.
5. This is full and final settlement regarding the employment to Shri Jagdish S/o Babbu, dependant younger brother of Late Fool Singh.

The above terms of settlement are signed and verified by the parties.

4. The above terms of settlement are just and fair and in the interest of the dependant of the deceased Fool Singh. I, therefore, record any award in terms of settlement arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. प्रा. 556.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी. एल. कनहण रोडिया के प्रबंधन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/250/91-आई. आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 556.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of W.C.L., Kanhan Area and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(159)/1991.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. W.C.L., Kanhan Area, Post Dungaria, District Chhindwara (M.P.) and their workman Smt. Leelawati D/o. Ratilal, Ex-General Mazdoor Cat. I of Hirdagarh Siding, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, Distt- Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Shah,
For Management.—S/Shri G. R. Bhandari, Director
(P) and D. Mewar.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (M.P.).

AWARD

Dated, December 24th 1991

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/250/91-IR (Coal-II) Dated 17-9-91, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of the General Manager, WCL, Kanhan Area, PO Dungaria, Distt. Chhindwara (MP) in dismissing from services to Smt. Leelawati D/o Ratilal, Ex-General Mazdoor Cat. I of Hirdagarh Siding, WCL Kanhan Area P.O. Dungaria, Distt. Chhindwara (MP) w.e.f. 10-12-1989 is proper and justified? If not, to what relief are the said workman entitled to?”

2 Statement of claim on behalf of the workman was received by post Management was directed to comply the orders passed on 30-9-91. Management did not file any statement of claim.

3. On 18-12-1991 parties appeared and stated that they have compromised the case in terms as under :—

1. The management agrees to provide employment to the workman within six months as General Mazdoor Cat. I in W.C.L.
2. The union drops the claim for back wages.
3. The workman; will be given the benefits of continuity of service.
4. The workman shall put in minimum attendance of 260 days in the first year of the service. In the event of failing which his service shall stand terminated.

4. Since the parties have compromised the dispute on the above terms which are just and fair I record my award in terms of settlement arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012(250)/91-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली जनवरी, 1992

का. प्रा. 557.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सस्ती कोलवरी ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/51/85 सी-5]

राजा लाल डेस्क, अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 557.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Sasti Colliery of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(29)/1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sasti Colliery of W. C. Ltd., P.O. Sasti, District Chandrapur (MS) and their workmen, represented through the Rashtriya Vidharbha Coal Employees Union, Near Jatpura Gate, Post & distt. Chandrapur (MS).

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chandrapur (MS)

AWARD

Dated, 26th December, 1991

This is a reference made by the Central Government Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012(51)/85-D.V. dated 10th February, 1986, for adjudication of the dispute :—

SCHEDULE

"Whether the management of M/s. Western coalfields Limited in sub Area No. IV, Sasti Colliery is justified in refusing the ply of Coal @ 4 a tonne per month to the 10 workmen mentioned below with effect from January 1984? If not to what relief the workmen are entitled?"

1. Shri Kashinath Rama
2. Shri Taterao Laxman
3. Shri Yerla Mallayya
4. Shri Raut Nampalli
5. Shri M. P. Bhotla
6. Shri Rajayya Lingayya
7. Shri Devaji Tukaram
8. Shri Batulla bemullu
9. Shri Khadasi Aasalu Raimallu
10. Shri Panjarao Pocham.

2. The instant case was registered in February, 1986. Although parties filed their respective statement of claim, but did not take much interest in the case. Therefore the case remained pending from 26-6-86 to 4-4-89 on which date parties were directed to file their respective rejoinder and documents and the case was fixed for framing of issues. Management filed its rejoinder and documents. The case could not proceed due to one reason or the other on the part of the parties.

3. It appears that some good sense prevailed in the parties and on 5-9-91 stated that they will mutually verify the claim, if any, and settle the matter amicably for which time was sought. On 19-12-1991 parties appeared and came to following agreement :—

"The dispute shall be referred to the joint committee of Shri S. L. Doshi Chief general Manager, W.C.L. and Shri G.V.R. Sharma, Secretary, R.K.K.M.S. Chandrapur who will decide the matter within 3 month from today and whose decision will be binding on both the parties."

4. In view of the above agreement I have no hesitation in passing an award in terms as agreed to between the parties. Award is recorded accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
(No. L-22012/51/85-D.V.)
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. आ. 558.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नन्दन मईन सं. 2 डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/110/91-आई. आर. (सी-II)]

[राजा लाल, डेस्क अधिकारी]

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 558.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Nandan Mine No. 2 W. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(116)/1991.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nandan Mine No. 2 of W. C. Ltd., P.O. Nandan, District Chhindwara (M.P.) and their workman, Shri Nandlal S/o. Chokhey, Ex. tub loader, f. No. 307 of Nandan Mine No. 2 represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Shah.
For Management.—Shri G. R. Bhandari, Director (P)
D. Mewar

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December, 24th 1991

This is a reference made by the Central Govt. in the Ministry of Labour, vide its Notification No. L-220012/110/91-IR(Coal-II) Dated 12-6-91, for adjudication of the following dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the superintendent (Mines) Manager, Nandan Mine No. 2 of Western Coalfields Ltd., Kanhan Area, P.O. Nandan Dist. Chhindwara (M.P.) in dismissing from services to Shri Nandlal S/o Chokhey, Ex-tub loader, T. No. 307 of Nandan Mine No. 2 of Western Coalfields Ltd., P. O. Nandan, Dist. Chhindwara (M.P.) w.e.f. 27-2-90 is proper and justified? If not, to what relief are the said workman entitled to?"

2. The Union has filed statement of claim on behalf of the workman. No statement of claim has been filed on behalf of the management.

3. On 18-12-91 parties appeared and stated that they have compromised the case in terms as under :—

1. The management agrees to provide employment to the workman within six months as General Mazdoor Category I in Nagpur area of W.C.L.
2. The Union drops the claim for back wages.
3. The workman will be given the benefit of continuity of service.

4. The workman shall put in minimum attendance of 260 days in the first year of the service. In the event of failing which, his service shall stand terminated.

4. The above terms are just and fair. I give my award in terms of settlement arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. I-22012/110/91-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.स्रा. 559.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार योगावारी कोलियरी आफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/272/90-आई. आर. (सी-II)]
राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 559.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Ghorawari Colliery of WCL and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT[LC(R)(69)]1991.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ghorawari Colliery of W. C. Ltd. P. O. Ghorawari, District Chhindwara (M.P.) and their workman, Shri Brijlal S/o Manjal Singh, adivasi General Mazdoor, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), P.O. Junnardeo District Chhindwara (MP).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Shah.

For Management.—Shri G. R. Bhandari, Director (P).

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (MP).

AWARD

Dated : December, 26th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. 22012/272/90-IR(Coal-II) dated 10-4-91, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Western Coalfields Ltd. Kanhan Area, Distt. Chhindwara, in dismissing Shri Brijlal S/o Manjal Singh Adivasi General Mazdoor of Ghorawari Colliery with effect from 3-12-84 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to and from what date?”

2. Workman's statement of claim has been filed. Management has not filed its statement of claim in spite of notice.

3. On 18-12-1991 both the parties appeared and stated that they have compromised the dispute as under :—

The matter shall be referred to a joint committee Shri Jayant Poddar, General Secretary, Hind Khandan-mazdoor Federation (HMS) and Shri N. C. Mishra General Manager (Legal) W.C.L. and the decision of the committee shall be final and binding on both the parties.

The committee shall dispose of the matter within three months from today.

4. In view of the above compromise arrived at between the parties the union does not press the dispute.

5. In the circumstance, I record a no dispute award. Parties to bear their own costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/31/88-D-V]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.स्रा. 560.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मोहन कोलियरी ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/275/90-आई. आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 560.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Mohan Colliery of W.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT[LC(R)(219)]1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mohan Colliery of W.C.L. P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.) and; their workman, Shri Govind Prasad Garg S/o Ramanarayan, General Mazdoor, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Shah.

For Management.—Shri G. R. Bhandari, Director (P).

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Gwalior-I (M.P.).

AWARD

Dated, December, 26th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/275/90-IR(Coal-II) dated 16-11-1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Mohan Colliery of M/s. W.C. Ltd., Kanhan Area, in dismissing the services of Shri Govind Prasad Garg S/o Ramanarayan, General Mazdoor of Mohan Colliery w.e.f. 5-6-83 is legal and justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Statement of claim and certain documents on behalf of the workman has been filed. Management has not filed its statement of claim inspite of several adjournments granted to it.

3. However, on 18-12-1991 both parties appeared and stated that they have arrived at the following compromise :—

The matter shall be referred to a Joint Committee of Shri Jayant Poddar, General Secretary, Hind Khardan Mazdoor Federation (HMS) and Shri N. C. Mishra General Manager (Legal) W.C.L. and the decision of the Committee shall be final and binding on both the parties.

The Committee shall dispose of the matter within three months from today.

The Union does not press the dispute.

4. In view of the above compromise no dispute remains to be adjudicated upon by this Tribunal. I therefore record a no dispute Award in the present case. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/275/90-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी 1992

का.प्रा. 561.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नन्दन कोलियरी, डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/26/91-आई. प्रार. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 561.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Nandan Colliery W. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(55)/91

PARTIES :

Employers in relation to the Nandan Colliery of M/s. W.C.L. Post Nandan Colliery, District Chhindwara (MP)-480554 and; their workman, Shri Sansilal S/o Nandilal, Ex-General Mazdoor, T. No. 1949 of Nandan Mine No. 1, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, Distt. Chhindwara (MP)-480551.

APPEARANCES :

For Workman.—Shri G. N. Singh.

For Management.—S/Shri G. R. Bhandari, Director (P),
D. Mewar R1.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

AWARD

Dated, December, 24th 1991

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/26/

91-IR(Coal-II) dated 3-4-1991, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Supdt. (Mines) Manager Nandan Mine No. 1 of WCL, Kanhan Area, P.O. Nandan, District Chhindwara (M.P.) in terminating from services to Shri Sansilal S/o Nandilal, Ex-General Mazdoor T. No. 1949 of Nandan Mine No. 1, P. O. Nandan, Distt. Chhindwara (M.P.) with effect from 10-12-1988 is proper and justified? If not to what relief are the said workman entitled to?"

2. After the reference was received and registered in this Tribunal notices were issued to the parties to file their respective statement of claim along with relevant documents, list of reliance and witnesses etc. Instead of filing the statement of claim etc. as directed parties appeared on 18-12-91 and stated that they have compromised the case in following terms :—

1. The management agrees to provide employment to the workman within six months as General Mazdoor, Category I in W.C.L.
2. The Union drops the claim for back wages.
3. The workman will be given the benefits of continuity of service.
4. The workman shall put in minimum attendance of 260 days in the first year of the service. In the event of failing which, his service shall stand terminated.

3. The above terms of settlement are just, fair and lawful. I, therefore, given my award in terms of the settlement arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/26/91-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.प्रा. 552.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1946 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सुक्री कोलियरी ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/278/90-आई. प्रार. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 562.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Sukri Colliery of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(212)/1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sukri Colliery of W. C. Ltd., P. O. Junnardeo, District Chhindwara (MP) and their workman, Shri Pancham S/o Shri Sumerlal Adivasi, Tub Loader, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS) P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For workman.—Shri G. N. Shah.

For Management.—Shri G. R. Bhandari, D. P. Shri D. Mewar.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Chhindwara (MP).

AWARD

Dated, December, 24th 1991

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012(278)/90-IR (C-II) Dated 8-11-1991, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Sukri Colliery of W. C. Ltd., in dismissing Shri Panchang S/o Sumerial Adivasi, Tub Loader, from services w.e.f. 29-10-84 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

2. Neither party filed any statement of claim in spite of the notice by the Government as also by this tribunal till 18-12-91 on which date representatives of the parties Shri D. Mewar on behalf of the management and Shri G. N. Shah on behalf of the workman have stated that the matter has been settled and no dispute award be passed.

3. In view of the statement of the representatives of the parties I need not adjudicate the reference made by the Government. I accordingly pass a no dispute award and no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/278/90-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी 1992

का.ग्रा. 563.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार राखिकोल कोलियरी ऑफ डब्ल्यू. सी. एल के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/126/89-आई. ग्रा. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 563.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Rakhikol Colliery of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)
CASE No. CGIT/LC(R)(210)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rakhikol Colliery of W. C. Ltd., P. O. Rakhikol, District Chhindwara (M. P.) and their workman Shri Lakhan S/o Natoo C/o Shri D. N. Tripathi, Mining Sirdar Damua Colliery, Post Damua, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri D. N. Tripathi.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December the 26th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour vide its notification no. L-22012(126)/89-IR (Coal-II) Dated 18 October, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Rakhikol Colliery of M/s. W. C. Ltd., in dismissing Sri Lakhan S/o Natoo w.e.f. 13-4-85 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

2. Facts leading to this case are that the workman concerned was employed as Wagon Loader in the Rakhikol colliery of W. C. Ltd. and his services were removed w.e.f. 13-4-85 on the ground of irregular attendance.

3. The case of the workman in short is that he was working as Wagon Loader in Hirdagarh Siding since last so many years he was transferred to Damua Colliery and thereafter to Rakhikol colliery in the year 1983 where he was ordered to work as Tub-Loader in under ground. Thus the management has changed his service condition without complying the provision of Sec. 9-A of the I. D. Act. He was charged vide letter No. RKL/STF/84-2078 dated 25-9-84, alleging that the workman was absent for more than 10 days without permission Charge-sheet was not supplied to him Enquiry was conducted by Shri A. Sharker, Dy. Colliery Manager at Rakhikol Colliery but he was not issued notices for appearance.

4. In the termination letter he was treated the status of Casual tub Loader and Badli tub loader which is contrary to the classification of workmen, as classified in the Standing Orders. Moreover the definition of casual and badli labour clearly indicates the person belonging to casual and badli mazdoor is not liable to transfer from one place to another. The absence prior permission and without satisfactory cause for more than 10 days is not covered and under the misconduct but the management struck off the name of the workman from roll without complying with the requisites of natural justice. In the case of casual mazdoor, who is to be treated as temporary mazdoor after completion of six months continuous service may be retrenched by giving notice as provided in Clause (a) of Sec. 25-F of the I. D. Act. In this case of the workman this has not been done. The management has violated the provisions of Sec. 25-B and 25-F of the I. D. Act. Therefore the action of the management in dismissing him is illegal and unjustified. He is entitled to be reinstated with full back wages and all benefits.

5. Management in its statement of claim has contended that ever since his joining at Rakhikol colliery, he was very irregular in attendance. He was in the habit of being absent without permission or sanction from competent authority.

In the year 1983 he worked only for 98 days. In 1984 only for 86 days and in the year 1985 he worked only for 14 days.

6. His appointment was of casual nature and he was given work only one day when regular employees were absent. Casual/badli worker does not have any right to the post. The workman himself has abandoned service. As he never reported for work his name was removed from the Badli list by order dated 13-5-85. Between May 1985 and 1986 he never reported for work.

7. Management has denied all other allegations made by the workman.

8. No rejoinders were filed. Reference was the issue of this case.

9. Except for filing the statement of claim the workman did not come forward to properly prosecute his case by giving his evidence, oral or documentary. He remained absent on various dates hearing i.e. 27-3-90, 16-5-90, 10-7-90, 14-9-90, 1-1-91, 7-5-91, 17-12-91 and 18-12-91. It appears that the workman has no interest. Management has also led no evidence.

10. In the circumstances I record a no dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/126/89-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली 17 जनवरी 1992

का.आ. 564.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केन्द्र कोलियरी ऑफ मै. ई. सी. एल. क प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-24012/182/87-डो. 9 (बी)]

राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 564.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kendra Colliery of M/s. E. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL REFERENCE NO. 10/88

PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Kendra Colliery of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri P. K. Das, Advocate.

For the Workman.—Shri M. Mukherjee, Advocate.

INDUSTRY : Coal

STATE : West Bengal.

Dated, the 24th December, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-24012(182)/87-D.IV(B) dated the 12th February, 1988.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Kendra Colliery of M/s. E. C. Ltd., P. O. Kendra, Dist. Burdwan in dismissing Sri Swadhin Kr. Pal Store Mazdoor w.e.f. 12-11-1971, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the union in brief is that Sri Swadhin Kr. Pal the concerned workman of this case was a Store Mazdoor of Kendra Colliery under Swadeshi Mining and Manufacturing Co. Ltd. There was an incident of theft in the store of that colliery on 21-10-71. The management lodged F.I.R. dated 22-10-71 implicating Shibapada alias Shiba Prosad Ganguly (Haulage Khalasi), Sri Swadhin Kr. Pal, Store Mazdoor and Dwijen Banerjee the then Store Issue Clerk of that colliery. An enquiry was also started against the present concerned workman and others but the present workman was not given proper opportunity to defend himself in the enquiry. Ultimately on 12-11-71 he was dismissed from service along with said two others.

3. On the basis of the said F.I.R. lodged by the management a Police case was started in the Court of S.D.J.M. Dur-

gapur (G.R. Case No. 1471 of 1971). After investigation the Police submitted chargesheet U/s. 379 I.P.C. against the present workman Sri Swadhin Kr. Pal and Shiba Prosad Ganguly. But the Police submitted final report against Dwijen Banerjee. On the basis of the Police report Dwijen Banerjee was discharged from the case by the learned S.D.J.M. Durgapur. But the present concerned workman and Shiba Prosad Ganguly faced a trial on a charge u/s 379 I.P.C. and after full trial the present workman and Shiba Prosad Ganguly were acquitted by the learned S.D.J.M. Durgapur on 13-7-74.

4. After disposal of the Criminal Case, Shiba Prosad Ganguly and Dwijen Banerjee were reinstated in service w.e.f. 4-7-75 by the Eastern Coalfields Ltd. But the present concerned workman Sri Swadhin Kr. Pal was not reinstated in spite of his request. Ultimately the present workman raised a dispute through union.

5. The attempts of conciliation failed and the matter was sent to the Ministry of Labour, Govt. of India and the Ministry of Labour has referred the dispute to this Tribunal for adjudication.

6. The case of the management in brief is that the present reference is entirely misconceived. The management has no knowledge about the alleged dispute and no such employee was on the roll of the colliery at the time of take over of the coal mines by the Central Govt. of India. The concerned workman as per his own admission was dismissed from service on 12-11-71 long before the nationalisation of coal mines. The concerned workman at all has any grievance for his alleged dismissal that will be the liability of the erstwhile employer and he cannot claim any relief against the present management according to the provisions of the Coal Mines Nationalisation Act, 1973.

The present workman cannot get any relief against the present management of Eastern Coalfields Ltd.

7. The workman has come with the case that he was an employee of the Kendra Colliery under Swadeshi Mining and Manufacturing Co. Ltd., as Store Mazdoor. He has further alleged that there was a theft in that colliery on 21-10-71 and a Police case bearing G.R. No. 1471 of 1971 was started against him and two others. There was an enquiry but he did not get any opportunity to defend himself in that enquiry. Ultimately he was dismissed from service on 12-11-71 along with Dwijen Banerjee and Shiba Prosad Ganguly the two other co-accused of that Criminal Case. These statements have not been challenged from the side of the present management of Eastern Coalfields Ltd.

8. It is not disputed that the present workman Swadhin Kr. Pal, Shiba Prosad Ganguly and Dwijen Banerjee were employees of Swadeshi Mining & Manufacturing Co. Ltd., before nationalisation and they were dismissed from service on 12-11-71. The Central Govt. of India took over the coal mines w.e.f. 1-1-73 and the coal mines were nationalised w.e.f. 1-5-73.

Sri P. K. Das, learned Advocate for the present management (Eastern Coalfields Ltd) has urged before me that the present workman was dismissed from service long before the date of nationalisation. As such the present management has no liability to reinstate him even if it is found that he was illegally dismissed from service. He has urged before me that the coal mines vested in the Central Government free from all encumbrances and the present management has no liability with respect to any claim of the present workman. In support of his contention he has taken me through Section 3(i) of the Coal Mines Nationalisation Act, 1973 which reads as follows :

"3(i) On the appointed day, the right, title and interest of the owners in relation to the coal mines specified in the Schedule shall stand transferred to, and shall vest absolutely in, the Central Government free from all encumbrances."

Then he has taken me through Section 7 of the said Act which reads as follows :

"7. Central Government or Government Company not to be liable for prior liabilities.—(1) Every liability of the owner, agent, manager or managing contractor of a coal mine, in respect of any period prior to the appointed day, shall be the liability of such owner, agent manager or managing contractor, as the case may be, and shall be enforceable against him and not against the Central Government or the Government company.

(2) For the removal of doubts, it is hereby declared that—

- (a) save as otherwise provided elsewhere in this Act, no claim for wages, bonus, royalty, rate, rent, taxes, provident fund, pension, gratuity or any other dues in relation to a coal mine in respect of any period prior to the appointed day, shall be enforceable against the Central Government or the Government company.
- (b) no award, decree or order of any court, tribunal or other authority in relation to any coal mine passed after the appointed day, but in relation to any matter, claim or dispute which arose before that day, shall be enforceable against the Central Government or the Government company.
- (c) no liability for the contravention, before the appointed day, of any provision of law for the time being in force, shall be enforceable against the Central Government or the Government company.

Then he has taken me through Section 11 of the said Act which reads as follows :

"11. Management, etc. of coal mines.—(1) The general superintendence, direction, control and management of the affairs and business of a coal mine, the right, title and interest of an owner in relation to which have vested in the Central Government under section 3, shall,—

- (a) in the case of a coal mine in relation to which a direction has been made by the Central Government under sub-section (1) of section 5, vest in the Government company specified in such direction, or
- (b) in the case of a coal mine in relation to which no such direction has been made by the Central Government, vest in one or more Custodians appointed by the Central Government under sub-section (2), and thereupon the Government company so specified or the Custodian so appointed, as the case may be, shall be entitled to exercise all such powers and do all such things as the owner of the coal mine is authorised to exercise and do."

and then he has taken me through Section 14(1) of the said Act which reads as follows :

"14. (1) Every person who is a workman within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947, and has been, immediately before the appointed day, in the employment of a coal mine shall become on and from the appointed day, an employee of the Central Government or, as the case may be, of the Government company in which the right, title and interest of such mine have vested under this Act, and shall hold office or service in the coal mine with the same rights to pension, gratuity and other matters as would have been admissible to him if the rights in relation to such coal mine had not been transferred to, and vested in, the Central Government or the Government company as the case may be, and continue to do so unless and until his employment in such coal mine is duly terminated or until his remuneration, terms and conditions of employment are duly altered by the Central Government or the Government company."

By placing those provisions of law he has urged before me with all force that it was an encumbrance of the Kendra Colliery before nationalisation and for that the workman

cannot get any relief in the instant Reference case against the present Management (Eastern Coalfields Ltd.).

9. The learned Advocate for the workman has taken me through the cases reported in 1977 Lab. I. C. page 1981 and 1978 L.L.J. (2) page 17 and Section 2(a) of the Coal Mines Nationalisation Act and Section 14(1) of the said Act. He has urged before me by placing those provisions of law that the present workman was illegally dismissed by the erstwhile management and it is the liability of the present management to reinstate him. It cannot be treated as encumbrance.

10. Considering the statements made by the learned Lawyers of both the sides and the provisions of law cited before me, I find that as the dismissal of the present workman was long before the date of take over and nationalisation it must be treated as an encumbrance of the erstwhile employer and the present management of Eastern Coalfields Ltd., has no legal liability to reinstate him as the colliery vested in the Central Government free from all encumbrances. But this case has another aspect which will make the present management liable to reinstate the present workman and I shall discuss that aspect presently.

11. I find that no document of enquiry proceedings held against the present workman has come before this Tribunal. On the other hand there is oral and documentary evidence to show that the present workman was acquitted in the Criminal Case started against him for the alleged theft along with two others. So considering the materials on record and the facts and circumstances I find that Swadhin Kr. Pal was illegally dismissed from service by the erstwhile management.

12. The union has come with a story that the present management made a discrimination in considering the claim of the present workman. It is not disputed that Shiba Prosad Ganguly and Dwijen Banerjee were also dismissed from service on the same charge in the same case by the erstwhile management. It has been alleged from the side of the present workman that those two persons have been reinstated in service by the present management but his claim for reinstatement has been ignored by the present management. Sri P. K. Das the learned Advocate for the management has urged before me that the other two workmen were given fresh appointment and that is not a case of reinstatement. With due respect to his contention I find that no such case was made out by the management in their rejoinder though in para 14 of the written statement of the union it has been specifically stated that the other two chargesheeted workmen were taken into employment by the present management and have been reinstated w.e.f. 4-7-75.

Considering the law of pleadings I must say that it is now admitted position that Shiba Prosad Ganguly and Dwijen Banerjee were reinstated in service and that is not a case of fresh appointment. Sri P. K. Das the learned Advocate for the management has taken me through the statement made by Shiba Prosad Ganguly as WW-2. In his cross-examination WW-2 has stated "I applied to the E.C.L. for reinstatement and I was reinstated. About two years after Nationalisation I was reinstated. There was fresh appointment on my application". Sri P. K. Das has urged before me that as the witness has been stated that there was fresh appointment on his application, this Tribunal must hold that it is a case of fresh appointment. Similarly he has pointed out the statement made by Dwijen Banerjee in the last portion of his cross-examination where he has stated "I cannot say whether in 1975 I was given fresh appointment or not, but I was appointed in the same post". By pointing out the same he has urged before me that from his statement this Tribunal must find that it is a case of fresh appointment. With due respect to his contention I like to say that all the relevant registers and documents are in the custody of the present management to show whether it is a case of fresh appointment or it is case of reinstatement. As the management has failed to produce those documents, it must be held that Shiba Prosad Ganguly and Dwijen Banerjee were reinstated in service.

13. I find from the materials on record that Swadhin Kr. Pal stood on the same footing with Shiba Prosad Ganguly and Dwijen Banerjee. I find that Swadhin Kr. Pal was not reinstated in service but the other two persons were reinstated in service by the present management of Eastern Coalfields

Ltd. Those two persons were dismissed by the erstwhile employment long before the date of nationalisation. By doing so the present management which is a Government Company, has violated the principles of natural justice. Sri M. Mukherjee the learned Lawyer for the union has urged before me that in the case of Swadhin Kr. Pal the present management has made a severe discrimination. In support of his contention he has taken me through the cases reported in 1978 LLJ(II) page 340, 1984 ILJ(I) page 161 (S.C.), 1983 LLJ(II) page 1, 1977 Lab. I.C. page 1668 and 1984 Lab. I.C. page 182 (S.C.).

14. Considering the facts and circumstances of the present case and the underlying principles of the above cited cases, I find that the principles of natural justice have been totally violated in the instant case and the present management has made a severe discrimination by refusing the prayer of reinstatement of the present workman Sri Swadhin Kr. Pal.

15. In the result I find that the dismissal of Sri Swadhin Kr. Pal the present concerned workman w.e.f. 12-11-71 was not justified. Sri Swadhi Kr. Pal must be reinstated in service by the Eastern Coalfields Limited within three months from the date of publication of the award without any back wages and for all material purposes it shall be treated as a case of fresh appointment. If the management of Eastern Coalfields Ltd., fails to reinstate him within three months from the date of publication of the award, then Sri Swadhin Kr. Pal shall stand reinstated from the date of expiry of the said stipulated period of three months and he must be paid his wages from that date.

This is my award.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. I-24012/182/87-D.IV(B)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.आ. 565.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड पेंच पेरिया के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-21011/1/84-डी.-III(बी)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 565.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd., Pench Area and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
CASE NO. CGIT/LC(R)(221)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd., Pench Area, Post Parasia, District Chhindwara (M.P.) and their workmen, Shri Rajkumar Sharma and 14 others represented through the Bhartiya Kalyan Khandan Mazdoor Sangh (BMS) Chandametta, Post Chandametta, District Chhindwara (M.P.)-450 441.

APPEARANCES :

For workmen.—Shri A. B. Chatterjee.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December 26th 1991

This is a reference made by the Central Government Ministry of Labour vide its Notification No. I-22011/1/84 D-3(M) Dated 21 November, 1990, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the management of W.C.L., Pench Area in not treating Shri Rajkumar Sharma and 14 others as their employees is justified. If not, to what relief the workers are entitled?"

2. In this case both the parties filed their respective statement of claim. Union also filed rejoinder on behalf of the workmen. The case was at the stage of filing documents and framing of issues.

3. On 18-12-91 parties filed a compromise petition. The terms of agreement is as under :—

"It was agreed by the union to withdraw the above dispute from CGIT and will not re-open this issue in any forum."

4. In view of the above a no dispute award is passed without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. I-22011/1/84-D.III(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.आ. 566.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ईस्ट डोंगर चिकली कोलियरी ऑफ इन्ड्यू. सी. एल. के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/112/89-आई. आर. (सी-II)]

राजालाल, डेस्क अधिकारी

S.O. 566.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of East Donger Chickli Colliery of W.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
CASE NO. CGIT/LC(R)(248)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of East Donger Chickli Colliery of W.C. Ltd., P.O. Parasia District Chhindwara (M.P.) and their workman Shri Shyam-lal S/o Shri Mahavir Conveyor fitter of EDC Colliery represented through the R. K. K. Mazdoor Sangh (INTUC) Post Chandametta District Chhindwara (M.P.) 460447.

APPEARANCES :

For workmen, Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management.—S/Shri G. R. Bhandari Director (P) and R. Menon Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, December 24th 1992

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. I-22012(112) 188 IR(Coal-II) Dated 5-12-1989, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the manager East Donger Chickli Colliery Pench Area of M/s. W.C. Ltd., Parasia District Chhindwara in not correcting the date of birth of Shri Shyam Lal S/o Sri Mahavir Conveyor

fitter of EDC Colliery from 1-7-1932 to 1-6-1940 by referring to Medical Board is justified. If not to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The case was at the stage of filing rejoinder and framing of issues.

3. On 18-12-1991 the parties compromised the case in the following terms :—

"The workman in both the references shall be examined by Apex Medical Board of W.C.L. on the point of the age of the workman concerned within two months from today and the decision of the Medical Board will be binding on both the parties. Award in terms thereof be passed accordingly."

4. In view of the above compromise arrived at between the parties I give my award in terms of compromise as above and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/112/89-IR(C II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. आ. 567.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एरिया स्टोर ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/294/90-आई. आर. (सी-II)]
राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 567.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Area Store of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(31)/1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Area Store of W.C.L. Kanhan Area, District Chhindwara (M.P.) and they workman, Shri Anjoolal, S/o Parmoo, General Mazdoor, represented through the M.P.K.K. M.P. (HMS), Post Junnardeo, District Chhindwara (M.P.)-480551.

APPEARANCES :

For Workman—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri G. R. Bhandari, Director (P)

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Jabalpur, the 26th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(294)/90-IR (C-II) dated 20-2-91, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Area Store of W.C. Ltd. Kanhan Area, in dismissing Shri Anjoolal, S/o Parmoo, General Mazdoor from services w.e.i. 25-4-88 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. The case was fixed for filing of rejoinder and documents on 18-12-1991. Both parties appeared on 18-12-1991 and stated that they have arrived at the following compromise :—

The matter shall be referred to a joint committee of Shri Jyant Poddar, General Secretary, Hind Khadam Mazdoor Federation (HMS) and Shri N. C. Mishra General Manager (Legal) W.C.L. and the decision of the committee shall be final and binding on both the parties. The committee shall disposed of the matter within three months from today.

In view of the above compromise the Union does not press the dispute. In the circumstances I record a no dispute award without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/294/90-IR (C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली 17 जनवरी, 1992

का.आ. 568.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार शिवपुरी सब एरिया ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/496/90-आई. आर. (सी-II)]
राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 568.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shivpuri Sub Area of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(67)/1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Shivpuri Sub Area of W.C.L. Pench Area Post Shivpuri District Chhindwara (M.P.) and their workman, Shri Ganpat, represented through the B.K.K.M.S. (BMS), Post Office Parasia District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman—Shri A. B. Chatterjee.

For Management—Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Jabalpur, the 26th December, 1992

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/496/90-IR (Coal-II) dated 10-4-91, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Sub-Area Manager, Shivpuri Sub-Area, WCL, Pench Area, P.O. Shivpuri, via; Parasia Distt, Chhindwara (M.P.)

in dismissing/terminating from services to Shri Ganpat S/o Gondu, D.P.R. Token No. 1524 of Shrivari Underground Mine w.e.f. 6-9-89 on the basis of the enquiry conducted without giving him one opportunity to reform is justified? If not to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Union filed its statement of claim. Management did not file any statement of claim despite adjournments.

3. Parties appeared on 18-12-91 and stated that they have come to a mutual settlement in some cases including this case and have filed a record of Note of discussion with B.K.K.M.S. (BMS) Union held on 17-12-91. The terms as agreed to with respect to the workman concerned are as under :—

"The Union claimed that Shri Ganpat, D.P.R. was terminated from service without any basis because he was sick and taking treatment at company dispensary, as such he should be reinstated with back wages.

The management pointed out that Sri Ganpat was absenting with effect from 10-8-88 continuously without prior permission or information and the services of Sri Ganpat was terminated after holding proper enquiry.

However after prolonged discussion it was agreed that Sri Ganpat would be reinstated without back wages within a period of 3 months as DPR in any mine of Pench Area.

The Union as well as Sri Ganpat agreed that they would not raise any claim in any forum in future about this case."

4. Since the parties have agreed that the workman shall be reinstated within 3 months as DPR in any mine of Pench Area, without any back wages no dispute remains to be adjudicated upon. The Union and the workman has also agreed not to raise the dispute for any claim in any forum in future about this case.

5. In view of the above terms of settlement which appear to be just and fair I give my award in terms of the settlement arrived at between the parties and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/496/90-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. भा. 469.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिरवाघर सईडींग ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/341/90-आई. आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January 1992

S.O. 569.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hirdagarh Siding of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT-LC(R)(210)/1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Hirdagarh Siding of W.C.L. Post Dugaria, District Chhindwara (M.P.) and their workman, Shri Kaliram S/o Chokhey, Wagon Loader, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), P.O. Junnardeo, District Chhindwara (M.P.)-480001.

APPEARANCES :

For Workman—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri G. R. Bhandari, Director (P)
and D. Mewar.

INDUSTRY : Coal Mining

DISTRICT : Chhindwara
(MP)

AWARD

Jabalpur, the 24th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/341/90-IR (C-II) dated 8-11-1991, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Hirdagarh Siding of M/s. W.C. Ltd., Kanhan Area in dismissing Shri Kaliram, S/o Chokhey, Wagon Loader, from the services w.e.f. 20-3-87 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Neither party filed any statement of claim inspite of notice. On 18-12-91 S/Shri G. R. Bhandari and D. Mewar of behalf of the management and Shri G. N. Shah on behalf of the Union appeared and stated that the parties have amicably settled the matters and prayed that no dispute award be passed. I accordingly pass a no dispute award without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012/341/90-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. भा. 570.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार रासिकोल कोलियरी ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/332/90-आई. आर. (सी-III)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January 1992

S.O. 570.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rakhikol Colliery of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT-LC(R)(6)/1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rakhikol Colliery, P.O. Rakhikol, District Chhindwara (M.P.) and their workman, Shri Keshaw S/o Dawlat D.P.R. worker, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, District Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri G. R. Bhandari, Director (P).

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, the 26th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(332)/90 IR (C-II) dated 17-1-1991, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of the Manager, Rakhikol Colliery of Western Coalfields Ltd., Kanhan Area, P.O. Rakhikol Distt. Chhindwara in dismissing services of Shri Keshaw S/o Dawlat, D.P.R. worker of Rakhikol Colliery with effect from 1-8-89 without giving him one opportunity to reform is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

2. Statement of claim on behalf of the workman has been filed. Management has not filed its statement of claim in spite of several adjournments. However, on 18-12-1991, both parties appeared and stated that the parties have arrived to the following compromise :—

The matter shall be referred to a joint committee, Shri Jayant Poddar, General Secretary, Hind Khadan Mazdoor Federation (HMS) and Shri N. C. Mishra General Manager (Legal) W.C.L. and the decision of the committee shall be final and binding on both the parties.

The committee shall dispose of the matter within three months from today.

In view of the above compromise the Union does not press the dispute. I therefore, record a no dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.आ. 571.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नन्दन माईन सं. 1 ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंध तंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/495/आई. आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 571.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nandan Mine No. 1 of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

[No. I-22012/495/90-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(61)/1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nandan Mine No. 1 of W.C. Ltd, Post Nandan, Chhindwara

(M.P.) and their workman, Shri Sammal S/o Poosu, Trammer, represented through the M.P.K.K.M.P. (HMS), Post Junnardeo, District Chhindwara (MP)-480551.

APPEARANCES :

For Workman—Shri G. N. Shah,

For Management—S/Sri G. R. Bhandari, and D. Mewar.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, the 24th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/495/90-IR (Coal-II) dated 3-4-91, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Nandan Mine No. 1 of W.C. Ltd. Kanhan Area, in dismissing from the services of Shri Sammal S/o Poosu, Trammer, Nandan Mine No. 1, WCL, Kanhan Area, w.e.f. 11-6-89 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to and from what date?”

2. In this case workman filed his statement of claim. Management has not filed its statement of claim.

3. On 18-12-1991 the representatives of both the parties appeared and stated that they have amicably settled the matters and prayed that no dispute award be passed.

4. Since the workman himself is not interested in prosecuting his case before this Tribunal and as stated by the representatives that they have settled the dispute amicably and a no dispute award be passed. I have no hesitation to record a No Dispute Award and is so recorded without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.आ. 572.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पेंच और कनहन ऐरिया ऑफ डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/26/89-आई. आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 572.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pench and Kanhan Area of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

[No. L-22012/26/89-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(190)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Pench and Kanhan Area of W.C. Ltd., P.O. Parasia, District Chhindwara (M.P.) and their workmen, represented through the Organising Secretary, R.K.

K.M.S. (INTUC), Chandametta, Distt. Chhindwara (M.P.)-480441.

APPEARANCES :

For Workmen—Shri S. K. Rao, Advocate.
For Management—S. Shri G. R. Bhandari, Director (P) and K. Menon Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Chhindwara

AWARD

Dated, the 24th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(26)/89-IR (Coal-II) dated 6th September, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Chief General Manager of Pench and Kanhan Area of W.C. Ltd. in stopping the payment of double wage for the working on the day of weekly rest from August 1983 onwards, is fair and justified. If not, to what relief the workmen are entitled?”

2. This reference was received and registered on 6-10-1989. Parties were noticed to file their respective statement of claim on behalf of the workmen was filed on 5-1-1990. But on behalf of the management a number of adjournments were sought for filing the statement of claim. Despite several adjournments granted, no statement of claim has been filed on behalf of the management till 30-9-91. On 30-9-91 Shri Snasi, Counsel for Management filed an application stating that this application has been signed by the Organising Secretary Shri C. Bhattacharya R.K.K.M.S. (INTUC) and has been presented by him duly verified. According to this application the Union does not press the claim of the workmen of Kanhan Area. As none was present on behalf of the Union on 30-9-91 the case was adjourned.

3. The case was taken up on 18-12-91 on which date parties appeared and stated that in view of the proceedings dated 30-9-91 the matter relating to the workmen of Kannan Area has already been settled. Parties agreed that the case of Shri R. D. Goojar and 7 others as per list to be given by the Union to the management within a fortnight from today will be examined and disposed within two months thereafter by the management in the light of relevant provisions of RIL Circular.

4. In view of the application filed on 30-9-91 by the Union and as agreed to by the parties on 18-12-91, the reference made to this Tribunal stands disposed of accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1992

का. आ. 573 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कुसमुन्डा प्रोजेक्ट आफ एस. ई. सी. एल. के प्रबन्धतन्त्र के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्म-कारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/218/89-आई आर (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th January, 1992

SO. 573.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government

Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kusmunda Project of S.E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-1-1992.

[No. 22012/218/89-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(81)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. S.E.C. Ltd., Kusmunda Project, Post Kusmunda Project, District Bilaspur (M.P.) and their workman, represented through the Chattishgarh Khadan Karkhana Mazdoor Union, Bankimongra, Post Bankimongra, District Bilaspur (M.P.)-493447.

APPEARANCES :

For Workman—Shri Rambilash Shobhnath.
For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Bilaspur (MP)

AWARD

Dated, the 6th January, 1992

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012(218)/89-IR (Coal-II) dated 6-3-1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Sub-Area Manager, SECL, Kusmunda Project in not changing the date of birth recorded in the Shiv Bachan Higher Secondary School, Rohtash in the School Leaving Certificate as 7-4-39, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Facts leading to this case are that the workman, Shri Shiv Shankar Yadav has been working as Foreman at Kusmunda Project of the Management. His date of appointment recorded is 7-4-1932. The Management had notified objections in regard to the correction of age in the year 1987. The workman had raised objection to the effect that his date of birth is 7-4-1939 and his date of birth in the record of the management be correctly recorded. His case was rejected.

3. The workman says that he was initially appointed as per order dated 8-6-59 and he joined on 9-6-1959 as Coal Cutter Machine Driver with the N.C.D.C. Ltd. At the time of his appointment he had put in an application along with his transfer Certificate showing his date of birth to be 7-4-1939. Management obtained his signatures on a blank paper which are normally filled in subsequently on the basis of the documents by the management itself. Later on he was transferred from N.C.D.C. Ltd. Sonda Colliery to Banki Colliery. Now it is known as A.E.C.L. His date of birth has been wrongly recorded as 7-4-1932 as also his date of appointment as 1-4-75. Despite his representation his case was not considered nor his School Leaving Certificate was considered. His date of birth is 7-4-1939 which calls for change and his service recorded be correctly accordingly.

4. The management says that at the time of his appointment from 7-4-59 his apparent age was recorded as 27 years at Sonda Colliery which comes to 7-4-1932. He was not appointed as Coal Cutting Machine Driver from 9-6-59. His service record was made at the time of his appointment on the information and documents given by the workman. His signatures were obtained accordingly. The objection of the workman was considered and it was not found to be correct. Thus his claim was rejected.

5. In their respective rejoinder the parties have reiterated the same facts in the case. In addition the management

says that his School Leaving Certificate is not a genuine document. According to the management the reference is liable to be rejected.

6. The workman has proved 8 documents Ex. W/1 to Ex. W/8. Management has proved 4 documents Ex. M/1 to Ex. M/4. The workman has examined himself as WW-1 while the management has examined D. S. Rathore as MW-1. These witnesses have been examined on affidavits.

7. Documents filed by the parties are not disputed.

8. Ex. W/1 is a Certificate from the Asst. Surgeon, N.C.D.C. dated 16-5-81 according to which the workman was about 25 years of age on that date. If this certificate is taken into account his year of birth should be approximately 1934. Ex. W/7 is the photo copy of the transfer certificate according to which the workman's date of birth is 7-4-1939. Ex. W/8 is another photo copy of his original application dated 3-6-59, according to which he had attached his School Leaving Certificate showing his date of birth to be 7-4-1939. These documents do not appear to be disputed.

9. Ex. M/1 is service register according to which the date of birth recorded is 7-4-1932. Date of birth has been recorded on the basis of record of daily rated service sheet. Ex. M/1 also discloses that his first appointment was made on 1-4-1975. Thus the service record Ex. M/1 is patently incorrect inasmuch as it is obvious that his date of initial appointment has been wrongly entered.

10. Ex. M/2 is the examination report dated 31-5-1988 of the workman. This report shows that the workman had produced his School Leaving Certificate of 9th Class. The report does not disclose that his School Leaving Certificate was considered. His date of birth was approved on the basis of physical appearance as recorded by the management. Ex. M/3 is his service register. This also shows that the workman was appointed on 7th April, 1959 and his age was 27 years at that time as per record. Referring to Ex. W/1 is apparent is also incorrect according to which he was about 25 years old on 16-5-61.

11. The workman has outrightly stated that at the time of his initial appointment he had produced his School Leaving Certificate according to which his date of birth is 7-4-1939. How his date of birth was recorded as 7-4-1932 is not understandable. Questioning the validity of the School Leaving Certificate in the rejoinder is nothing but an after thought to make an excuse to devoid the workman of his legitimate right. This is nothing short of high handedness on the part of the management. Even the procedure as per Ex. M/4 has not been followed. The workman has been shown to be Non-matric in Ex. M/1 (See on reverse). Thus the workman was educated and his testimony must be believed that he had submitted his certificate along with the application at the time of his initial appointment. I have already pointed out from Ex. M/1 that the entries therein of his initial appointment are wrong.

12. This case speaks either of malice or high handedness, on the part of the management. Date of birth has been wrongly recorded as 7-4-1932. It should be 7-4-1939. His service record should be accordingly corrected. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management of Sub-Area Manager, SECL, Kusmunda Project in not changing the date of birth of the workman concerned, Shri Shiv Shankar Yadav S/o Shri Garjan Yadav recorded in the Shiv Rachan Higher Secondary School, Rohatash in the School Leaving Certificate as 7-4-1939 is unjustified. His date of birth be accordingly corrected as 7-4-1939 in his service record. Management is directed to pay Rs. 2000 as costs to the workman concerned.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का. प्रा. 574 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में,

केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[नं. एल 12012/542/89-ड 2(ए)]

व. के. वेणुगोपालन, हेस्ट अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 574.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 17-1-1992.

[No. L-12012/542/89-D.II (A)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(107)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Bank of India, Chhindwara (MP) and their workman, Shri Pooranlal Mankar represented through the Central Bank Employees Union, C/o Central Bank of India, Budhwari, Chhindwara (MP)

APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—Shri P. D. Tiwari.

AWARD

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Chhindwara (MP)
Dated, the 7th January, 1992

This is a reference made by the Central Government Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/545/89-D.II (A), dated 18-4-1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Regional Manager, Central Bank of India, Chhindwara in not converting part-time sub-staff Shri Pooranlal Mankar of Central Bank of India, Katangi Branch into permanent full time staff even after passing the test/interview alongwith others and stopping him from his duties w.e.f. 5-1-1986 without following the prescribed procedure under Section 25(F) is justified? If not to what relief the workman is entitled?”

2. The Central Government sent the Reference Order to the parties concerned by registered post directing the party raising the dispute to file its statement of claim etc. before this Tribunal. On receipt of the reference Order this Tribunal also issued notices to the parties. But inspite of notice none appeared on behalf of the workman nor sent his statement of claim. As many as eight dates were fixed for filing the statement of claim by the workman but the workman concerned or the Union did not care to the notices sent by this Tribunal. Management filed its statement of claim.

3. Under these circumstances when the workman concerned/Union has not filed its statement of claim etc. as directed I have no other alternative but to close the case. I therefore record a no dispute award. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. प्रा. 575 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में,

में, केन्द्रीय सरकार पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्तर्गत में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल 12012/381/90-आई आर. (सी-II)]
बी. के. वेणुगोपालन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 575.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab and Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 21-1-92.

[No. L-12012/381/90-IR(C-II)]
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. 61/91

Dhana Singh.

Vs.

Punjab & Sind Bank.

For the workman—None.

For the management—Shri Kanwaljit Singh.

AWARD

Central Government vide Gazette notification No. 12012/381/90-I.R.(B) dated 3rd June, 1991 issued u/s 10(1)(d) of the I.D. Act 1947, referred the following dispute to this Tribunal for decision :

"Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank represented through the Regional Manager, Punjab & Sind Bank (Ludhiana Punjab) in terminating the services of Shri Dhana Singh, B.O. No. 26-8-1986 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In the present case registered notice was issued to the petitioner but neither he nor his representative put up an appearance. Last registered notice was issued on 22-8-91 for 11-12-1991. Even today none put up appearance and the registered cover is also not been received back. It seems that the petitioner is not interested to pursue his case. In view of the same reference is dismissed in default and returned to the Ministry.

Chandigarh,
11-12-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1992

का. घा. 576:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्तर्गत में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/88/90-आई. आर. (सी-II)]
बी. के. वेणुगोपालन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th January, 1992

S.O. 576.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in

the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab & Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 21-1-92.

[No. L-12012/88/90-IR(C-II)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

I.D. No. 100/90

Ajit Singh.

Vs.

Punjab & Sind Bank.

For the workman—None.

For the management—Shri Kanwaljit Singh.

AWARD

Central Government vide Gazette notification No. L-12012/88/90-I.R.(C.II) dated 3rd August, 1990 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947, referred the following dispute to this Tribunal for decision :

"Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank in terminating the services of Shri Ajit Singh, clerk is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In the present case registered notice was issued to the petitioner but neither he nor his representative put up an appearance. Last registered notice was issued on 21-8-91 for 4-12-1991. Even today none put up appearance and the registered cover has also not been received back. It seems that the petitioner is not interested to pursue his case. In view of the same reference is dismissed in default and returned to the Ministry.

Chandigarh,
4-12-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का. घा. 577:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्तर्गत में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, एलिये के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30011/15/89-आई. आर. (विधि)]
बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 577.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Alleppey as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Petroleum Corporation, Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-1-1992.

No. L-30011/15/89-IR(Misc.)

B. M. DAVID, Desl. Officer

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, ALLEPPEY

(Dated this the 30th day of December, 1991)

PRESENT:

Shri K. Kanakachandran, Industrial Tribunal.

I.D. No. 129/89

BETWEEN

The Senior Installation Manager, M/s. Bharath Petroleum Corporation Limited, Ernakulam, Cochin-682031, Kerala.

AND

The workmen of the above concern represented by the Secretary, Petroleum Employees' Association, Office of the Bharath Petroleum Corporation Ltd., P.B. No. 2615, Ernakulam, Cochin-682031, Kerala.

REPRESENTATIONS :—

For Management.—M/s. Menon & Pai, Advocates, Ernakulam, Cochin-682011.

For workmen.—M/s. Sebastian Paul and Subal J. Paul, Advocates, Cochin.

AWARD

1. This industrial dispute was referred by the Government of India under Sec. 10(2)(A)(1)(d) of the Industrial Disputes Act. In the reference order dated 27-9-1989, the issues to be adjudicated is shown as follows :—

"Whether the action of the management of M/s. Bharath Petroleum Corporation Ltd., in not extending the Company's new Gratuity Scheme brought into force from 1-1-1986 to the Clerical employees and Labour employees of the erstwhile Burmah Shell Co., who joined service prior to the date of its nationalisation i.e. 24-1-1976, is justified. If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

2. The employees concerned in this dispute were formerly the Clerical Employees under the Burmah Shell Co. This Petroleum Company was taken over by the Government of India through a Central legislation viz., Burmah Shell (Acquisition of Undertakings of India Act, 1976. By virtue of the provisions contained in Sec. 9 of the above Act, the erstwhile employees of Burmah Shell Co., came under the employment of Bharath Petroleum Corporation Ltd., with effect from 24-1-1976. On such a transfer of service, all the benefits enjoyed by the erstwhile employees were allowed to continue. The retiral benefits of erstwhile Burmah Shell Clerical Employees before the date of nationalisation were the following:—

- (i) Pension calculated in accordance with the Rules and Regulation of Pension Fund.
- (ii) Contributory Provident Fund.
- (iii) Gratuity under the Payment of Gratuity Act.

3. But in the case of Clerical Employees who joined the Management Corporation after nationalisation the retirement benefits are only the following :—

- (i) Gratuity as per Company's new Gratuity Scheme.
- (ii) Contributory Provident Fund.

4. The union contends that a new death-cum-retirement gratuity scheme for the employees of public sector enterprises came into force on 1-1-1986 and as per that new scheme, gratuity will be equal to 15/26 of monthly emoluments for each completed year of service subject to a maximum of 16-1/2 times the emoluments or Rs. 1,00,000 whichever is less. Moreover there was no ceiling on reckonable emoluments for calculating the gratuity. According to the union the new gratuity scheme is a better scheme compared to the scheme contained in Payment of Gratuity Act. However in the matter of its application, only the Clerical Staff of the erstwhile Burmah Shell Co., are excluded. The only ground for denial of such better scheme is that they are covered by a pension scheme. Therefore in sum and substance the plea of the union is that the employees in the Clerical Category should also be declared as eligible to claim gratuity in terms of the provisions contained in the new gratuity scheme.

5. In the counter statement filed by the management it is stated that the Bharath Petroleum Corporation's current strength of employees is 7962 and out of which 7715 were recruited after 24-1-1976. The post-nationalisation recruits are being paid retiral benefits as per the directives of the Government of India. Accordingly they are entitled to Contributory Provident Fund and Gratuity under the Company's Gratuity Scheme framed in terms of the guidelines 280 GI/92—15

issued by Bureau of Public Enterprises. The management further contends that the demand of the union cannot be accepted on account of various factors. If the demand is conceded to a small group of old Burmah Shell Clerks who are pensionable, demand will come immediately for pension to all others also. Such demand will not be confined to the management corporation alone but it will spread to all other Public Sector Undertakings. Since the issue referred is an industry-wide issue, the same cannot be adjudicated with the management of Bharath Petroleum Corporation alone. After the formation of the management Corporation, several settlements were signed and in all those settlements union in this dispute was a party. Even in the latest settlement, there is specific provision for the continuation of all the terms of employment and conditions of service under various settlements which are not superseded or varied by any of the latest settlements. In view of that provision, the union is estopped from raising any financial demands during the pendency of the said settlement. Moreover it is incorrect to say that pension scheme of the Burmah Shell is not a bar to erstwhile Burmah Shell Employees to claim benefits of Gratuity Scheme now prevailing in the Bharath Petroleum Corporation. All the retiral benefits are governed by the terms of settlement signed under Sec. 12(3) of the Industrial Disputes Act and any kind of retreat from the terms of settlement is not at all congenial to industrial peace.

6. Both sides adduced oral and documentary evidence in support of their respective contentions. Ext. M1 settlement of the year 1985 provides for the continuation of terms of employment and conditions of service which are in force under various existing settlements and which are not superseded or varied by Ext. M1 settlement. Ext. M2 is the gratuity scheme formulated by the management for bettering the gratuity scheme in respect of those who are not under the pensionable service. Clause 3 of Ext. M2 Scheme is as follows :—

"3. Quantum of Gratuity:

- (i) Superannuation/Resignation/Discharge Gratuity will be equal to 15/26th of the monthly emoluments of the pay last drawn for every completed year of service or part thereof for six or more months, subject to a maximum of 16.5 times the monthly emoluments or Rs. 1,00,000 whichever is less".

7. In the course of evidence the management has submitted a statement showing the details of gratuity which would have been payable had the workman concerned in this dispute been enlisted in the beneficiary clause. It is relevant to extract the particulars of benefits due to WW1 who had tendered evidence before this Tribunal. Ext. M4 contains the details of gratuity which would have been payable if new scheme is made applicable to the workman concerned. Various pensionable benefits available to WW1 are also given in Ext. M4.

V.K.N. PANICKER (9039)

1. GRATUITY:

(1) Date of joining	03.09.49
(2) Date of retirement	30-09-88
(3) Date salary crossed Rs. 2,500/- p.m.	30-07-84
(4) Total Service	39 Years
(5) Gratable Service (i.e., up to crossing Rs. 2500/-	35 years
(6) Salary : Basic	Rs. 1820.00
D.A.	Rs. 1456.79
Total	Rs. 3276.79
(7) Gratuity under Act	2500 x 15 X 35
	—
	26
	Rs. 50,487.77

- (8) Gratuity under Scheme (if made available)
(Para 3 1 of Scheme restricts maximum gratuity to 16.5 months' ceiling).

$$(a) 3276.79 \times 15 \times 39 \quad \text{Rs. } 73,727.77$$

$$26$$

or

$$(b) 3276.79 \times 16.5 \quad \text{Rs. } 54,067.03$$

(Maximum Ceiling under the Scheme)

Therefore, gratuity under scheme would have been
Rs. 54,068/-

II. PENSION UNDER PENSION FUND OF BPCL FOR V.K.M. PANICKER

(1) Last drawn Basic	Rs. 1820.00
(2) Annual Pensionable Salary.	Rs. 1820 X 12 = Rs. 21,840.00
(3) Basic Pension (43% of APS)	Rs. 21840 X 43% : Rs. 9391.20
(4) Commuted Pension (33-1/3%)	Rs. 9391.20 <hr style="width: 10%; margin-left: 15%;"/> 3 Rs. 3130.40
(5) Pension after Commutation.	Rs. 6280.80 (9391.20-313040)
(6) Monthly pension after commutation	Rs. 6280.80/12 Rs. 521.73. i.e., rounded to Rs. 522/-.

(Effective 01 05 88 Pension has been increased by 80% of the Basic Pension before commutation subject to a maximum of Rs. 400/- per month and a minimum of Rs. 80/- per month).

(7) Revised Pension:

$$(a) 80\% \text{ of Annual Basic Pension : } 9391.20 \times 80\% = \text{Rs. } 7512.96$$

Maximum Rs. 4800 p.a.

$$(b) \text{ Present Pension (Revised) : } 522 + 400 = \text{Rs. } 922/-.$$

$$(8) \text{ Commuted value : Annual Commuted Pension X Factor } 3130.40 \times 8.688 = 27196.91.$$

(9) If there was commutation present pension would have been Rs. 1183/- per month.

8. To controvert the figures furnished in Ext. M4, the union could not adduced any evidence. Only a microscopic minority working under the management is claiming the benefit like this. If we make an over all assessment it can be seen that these microscopic minority is in a better position compared to those who are not in the pensionable employment. If Ext. M2 Scheme is made applicable to the workman WW1, the additional benefit he would be getting is around Rs. 4,000 and that too in respect of a person who had rendered about 39 years of service. On account of the liberalised pension scheme the concerned workman would be eligible to get a substantial amount as pension during the entire life period. But this facility is not available to those in the non-pensionable scheme. According to me, the classification made by the management in the matter of application of new gratuity scheme is quite proper and there is no convincing reason to make any change in the gratuity scheme already formulated. It is also worthy to note that except in the matter of newly formulated gratuity scheme, in all other matters including service conditions and monetary benefits, the workman concerned and others are equally treated. I do not find any justification for the demand for enhanced benefits under Ext. M2 gratuity scheme to workmen concerned also when fabulous amount is being received by them as pension.

Award is passed accordingly.
(Dated this the 30th day of December, 1991).
[No. L30011/15/89-IR(MISS)]

K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal
B. M. DAVID, Desk Officer

APPENDIX

Witness examined on the side of the Workmen:—

WWJ—V. K. Narayana Panicker.

Exhibits marked on the side of the Workmen:—

W1—Copy of the office memorandum dated 23-6-1988 of Bureau of Public Enterprises.

Witness examined on the side of the Management:—

MW1—K. Sudhakrishna Pai.

Exhibits marked on the side of the Management:—

M1—Memorandum of Settlement dt. 22-8-1986.

M2—Copy of DCRG Statement.

M3—Memorandum of settlement dt. 23-11-1967.

M4—Photocopy of Calculation of Gratuity of V K N. Panicker.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का. आ. 578 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. बैलाडिला आयरन और प्रोजेक्ट डिपो नं. 5, बछेली के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल 26012/5/84-डी-III (बी)]

बो एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 578.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bailadila Iron Ore Project, Dep. No. 5, Bachel, and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-1-92.

[No. L-26012/5/84-D. III (B)]

B. M. DAVID, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
CASE No. CGIT/LC(RX56)/1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Bailadila Iron Ore Project, Deposit No. 5, Bachel, District Bastar (MP) and their workman, Shri Harminder Singh, Mechanic Gr. I, represented through the Bailadila Mazdoor Union P. O. Bachel District Bastar (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management.—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Iron Ore DISTRICT : Bastar (MP)

AWARD

Dated, 7th January, 1992

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-26012/5/84-D III (B) Dated 25-6-1986, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of M/s. Bailadila Iron Ore Project, Dep. No. 5, Bachel, Dist. Bastar (M.P.) (under NMDC) in removing Shri Harminder Singh Mechanic Gr. I. from service with effect from 23-9-83 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. Facts leading to this case are that Shri Harminder Singh, the workman concerned, was appointed as Mechanic Gr. 1 in Bailadila Iron Ore Project, Deposit No. 5, with effect from 26-7-79. It is said that he was issued charge-sheets from time to time. The charge-sheet relating to this dispute was issued on 25-7-82 which is as follows :—

CHARGE-SHEET

The following has been reported against you :

1. On 21st July, 1982, you were on duty in 2nd shift from 1-00 p.m. to 9-00 p.m. at Service Centre, Akashnagar.
2. You were allotted pivot pin and guide roller work of HP No. 20 along with Shri MS Sonekar, Sr. Mechanic in the beginning of shift by your shift in-charge.
3. At about 6.15 p.m. you were observed loitering near washing ramp which is quite far away from your work spot. On having been asked by Shri R. P. Tiwari, Assistant Engineer (M) the shift in-charge, regarding progress of the work, you started behaving with Shri Tiwari in an abnormal fashion. While Sri Tiwari was questioning Sri Sonekar about the delay and non-start of the work you intervened and started interrupting on top of your voice. When he requested you to keep quiet you continued your arguments and told at the top of your voice that "Tere ko bolne ki tamiz nahi, main tere ko sikha dunga" and further, you all of a sudden, caught hold of Shri Tiwari by his neck-manhandled him and pushed him back.

Your above act constitutes major misconduct under clause 28(2) (vii) and (xii) of Standing Orders for all the Projects and feasibility under the control of NMDC Limited which read as under :—

28(2)(vii)

Fighting riotous, disorderly or indecent behaviour within the premises of the management.

28(2)(xii)

Assaulting, threatening or intimidating any workman or officers of the management within the Mine/Feasibility/Premises/boundaries.

You are, therefore, directed to submit within seven days of receipt of this charge sheet, a written statement of your defence, admitting or denying charges specifically. In case, you do not submit a written statement of defence within the period specified above, it will be presumed that you have nothing to state in your defence and you admit having committed the above act of misconduct and further action in this matter will be taken.

3. The workman was suspended, departmental enquiry was held and the services were terminated with effect from 23rd September, 1983.

4. The workman has not only questioned the validity of the departmental enquiry but also findings as also the quantum of punishment.

5. According to him, he is entitled to be reinstated with full back wages and all other benefits.

6. Since I have held that the departmental enquiry is just and fair I may not refer the points raised by the workman relating to the validity of the enquiry.

7. Management in substance denied the claim of the workman.

8. Following issues were framed by the learned predecessor and I gave my findings on Issue No. 1 in favour of the management and further held that no evidence is required on the question of proving the misconduct of the workman : hence the issues have been accordingly answered vide my Order Dated 4th October, 1990.

ISSUES

1. Whether the enquiry is proper and legal ?
2. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
3. Whether the punishment awarded is proper and legal?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on facts of the case ?

5. Relief and costs?

FINDINGS WITH REASONS :

9. Now we straightway come to the remaining Issues No. 2, 4 & 5.

10. Shri R. P. Tiwari was the star witness of this case who is said to have been assaulted by the workman in duty hours. His testimony has remained unchallenged. The other witnesses viz. R. K. Vishwakarma and M. S. Sonekar have supported the testimony of the above witness so far the circumstances are concerned. Shri Balsaroop, EE(M) is not an eye witness, but according to him Shri R. K. Gupta, Senior E.E. (M) had told relating to the assault on Shri R. P. Tiwari, AE(M) by the workman almost after the incident. Thus the findings arrived at cannot be said to be converse and inconsistency there would not help the workman. This Tribunal is not sitting as an Appellate Court and it is aware of the fact that it should be slow in the interference of the findings if the findings are not perverse. Thus no interference is called for in the findings.

11. So far the question of propriety of punishment is concerned, removal from service is an adequate punishment in the cases of assault in mining areas where the discipline should be maintained. This is a case of assault on A.E.(M), a Senior Officer and these types of misconducts, if dealt with leniently, it would be difficult for the management to maintain the discipline. Thus not only the punishment awarded is proper and legal, but the termination/action taken against the workman is justified on facts of the case. The workman is not entitled to any relief. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management of M/s. Bailadila Iron Ore Project, Dep. No. 5, Bachali, Distt. Bastar (M.P.) (under NMDC) in removing Shri Harminder Singh, Mechanic Gr. I from service with effect from 23-9-83 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-26012/5/84-D.III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का. आ. 579 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि., नागपुर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंच-पट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29012/38/90-आई आर (लिविध)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 579.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-1-92.

[No. 29012/38/90-IR(Vinidh)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(177)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. National Mineral Exploration Ltd. Nagpur (MS) and their workman, Shri Devadas Nikose, Contingent Skilled Driver, Hivra Sendwar, Pandurna, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Workman in person.
For Management.—Shri A. P. Gera.

INDUSTRY : Mineral Corpn. DISTRICT : Nagpur (MS)

AWARD

Dated, December 26, 1991

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-29012/38/90-IR (Vividh) Dated 16th August, 1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur in dismissing Shri Devidas Nikose, contingent skilled driver from service w.e.f. 27-10-86 is justified. If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. Facts leading to this case are that Shri Devidas Nikose was working as a Contingent Skilled Driver. He remained absent. D.E. was held against and his services were terminated with effect from 27-10-1986.

3. Workman says that he had a clean record. He was arrested on the criminal charge of burning his wife on 17-2-85 and remained under detention till his acquittal on 27-1-87. The management was aware of the fact but without informing his services were terminated without any notice to him when he joined his service after release from the judicial custody he was informed that his services have already been terminated. Obviously the workman was prohibited from doing his duties for the reason beyond his control and the order of removal of his service ex-parte is void and is liable to be quashed with continuity of service, back wages and other benefits.

4. According to the management, management was not aware of his detention. Due to his continuous absence without permission he was charge-sheeted. The charge-sheet was sent to his available address but it was received back with the remark that he is not staying there and his whereabouts are not known. After holding ex-parte D. E. the services of the workman were terminated which have rightly been terminated. Reference is accordingly liable to be rejected.

5. Reference was the issue in this case.

FINDINGS WITH REASONS :

6. After filing the written statement the management pleaded to remain absent and ex-parte evidence was recorded against the management on 19-12-91.

7. The workman has examined himself in support of his case. No other oral or documentary evidence has been placed before me.

8. The workman has nowhere stated that he had informed of his detention to the management which itself is a misconduct. Merely saying that he was not in a position to inform the management does not absolve him from his liability. He could have well informed of his alleged detention through the jail authority, (Para 5 & 6 of statement of claim).

9. The workman has stated that his detention was within the knowledge of the management. The workman does not say that the management was initially informed by the police or by him about his detention. Thus merely saying that the management had knowledge of his detention is meaningless.

10. The workman has admitted that he was charge-sheeted and enquiry notice was sent to him at his residential address. That was sufficient compliance of law. There is nothing on record to show that the management had official information that the workman was under detention. The workman himself says that he has nothing to say against the departmental enquiry. Thus the validity of the D.E. is also not challenged.

11. The workman himself admits that he was under detention from 17-2-85 till 27-1-87. It was not obligatory on the part of the management to wait for him indefinitely. His services have rightly been terminated and no interference is

called for in the order of removal of service of the workman. The workman is not entitled to any relief.

12. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management of Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur in dismissing Shri Devidas Nikose, Contingent Skilled Driver, from service w.e.f. 27-10-86 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का. आ. 580 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. माईनिंग एण्ड ट्रान्स्पॉर्टिंग कम्पनी, कन्ट्रक्टर, काल्टा आयरन माइन्स आफ राउरकेला स्टील प्लांट आफ स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया के प्रबंधन के सभ्य नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिवारण, भुवनेश्वर (उड़ीसा) के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल 26011/2/79-डि-III (बी)]

बा. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 580.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Orissa Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s Mining & Transporting Company, Contractor, Kalta Iron Mines of Rourkela Steel Plant of SAIL and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-92.

[F. No. L-26011/2/79/D.III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 8 AT 1979
(CENTRAL)

Date, Bhubaneswar, the 31st December, 1991

BETWEEN

The Management of M/s. Mining & Transporting Company, Contractor of Kalta Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Ltd.,

...First Party-Management

AND

Their workmen represented through United Mines Mazdoor Union, At/P.O. Tensa, Distt. Sundergarh, Orissa.

...Second Party-workmen.

APPEARANCE :

1. Sri H. K. Misra, Advocate—For the Mining and Transporting Company.
2. Sri A. Acharya, Sr. Law Officer—For the Rourkela Steel Plant.

Sri S. N. Mudli, General Secy. of the Union.—For the second party-workmen.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred upon them by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 and by their order dated 21-12-79 have

referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

“Whether removal of the following 608 persons by M/s. Mining and Transporting Company, Contractor, Kalta Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited is justified ? If not, to what relief they are entitled ?”

Sl. No.	Name of the workmen
1	2
(1) Chamra Purty	
(2) Kushnu Sinku	
(3) Motai Karua	
(4) Kairai Purty	
(5) Gurubari Sinku	
(6) Daso Munda	
(7) Haricharan Badra	
(8) Suru Champia	
(9) Junai Munda	
(10) Pandey Purty	
(11) Raimani Pradhan	
(12) Gurubari Purty	
(13) Junia Munda	
(14) Jambi Munda	
(15) Ramai Mundri	
(16) Durai Purty	
(17) Jabuna Mundri	
(18) Mukta Badra	
(19) Soma Barjo	
(20) Muni Mundari	
(21) Salmi Mundari	
(22) Asmati Munda	
(23) Mangalsingh Tamsol	
(24) Budhram Kerai	
(25) Jonga Kerai	
(26) Suru Tamsol	
(27) Jusas Jojo	
(28) Gurua Komal	
(29) Srihari Tanty	
(30) Bartto Surin	
(31) Birsa Kandulna	
(32) Bagun Jonko	
(33) Sankari Chatamba	
(34) Sukmaro Kandulna	
(35) Prabhusoy Purty	
(36) Mangra Munda	
(37) Dawra Sinku	
(38) Marsha Hembram	
(39) Rahil Soy	
(40) Pandey Mundari	
(41) Fagua Rajba	
(42) Sanika Mundari	
(43) Kalree Pingua	
(44) Simal Munda	
(45) Singrai Badra	
(46) Putkar Munda	
(47) Lofar Sijui	
(48) Kandey Sijui	
(49) Deogai Jamda	
(50) Suleman Topno	
(51) Dayal Samad	
(52) Johan Bhengra	
(53) Bijoy Hembram	
(54) Mochia Sirka	
(55) Dosu Gope	
(56) Mansuk Topno	

1	2
(57) Duga Munda	
(58) Mansingh Sundi	
(59) Seko Oram	
(60) Sukurmani Hemram	
(61) Boas Hemram	
(62) Sukram Haiburu	
(63) Lanka Bobonga	
(64) Kumta Hemram	
(65) Narayan Munda	
(66) Lukas Herenj	
(67) Mansid Herenj	
(68) Raidas Champia	
(69) Barju Mundari	
(70) Ghasiram Singh	
(71) Mariam Bage	
(72) Budhni Sundi	
(73) Chamra Soy	
(74) Hisi Purty	
(75) Sagu Hemrani	
(76) Bhimo Thakur	
(77) Jewel Jojo	
(78) Magdali Guria	
(79) Dasram Champia	
(80) Nandi Laguri	
(81) Bajrangi Chattar	
(82) Raimani Hemram	
(83) Dishu Purty	
(84) Selen Jojo	
(85) Sirka Nag	
(86) Kissan Munda	
(87) Pargan Munda	
(88) Piru Sijui	
(89) Budhni Jamda	
(90) Sagan Kandulna	
(91) Nandi Soy	
(92) Suleman Kandulna	
(93) Shankara Purty	
(94) Sini Surin	
(95) Srimati Singh	
(96) Turi Pingua	
(97) Pano Surai	
(98) Magdali Guria	
(99) Mariyan Bhengra	
(100) Jewel Jojo	
(101) Surajmani Mundari	
(102) Dokanla Sidu	
(103) Jonga Munda	
(104) Arjun Champia	
(105) Sundar Gope	
(106) Jayanti Hemram	
(107) Mulia Hemram	
(108) Raimani Hemram	
(109) Almia Kongari	
(110) Kanchan Kengari	
(111) Bagun Baipai	
(112) Boas Jojowar	
(113) Jiwan Sidu	
(114) Raghu Sidu	
(115) Sikur	
(116) Sawan Dang	
(117) Rahil Kundulna	
(118) Baidai Gope	
(119) Matias Hans	
(120) Pando Surin	
(121) Barju Mundari	

1	2	1	2
(122) Nitma Heiburu		(186) Maniram Mundari	
(123) Budhram Munda		(187) Mahendra Munda	
(124) Indra Gope		(188) Randai Munda	
(125) Prafulla Mahakud		(189) Srimati Sandil	
(126) Jagdish Pradhan		(190) Kandey Lohar	
(127) Jima Chattar		(191) Jandai Mundai	
(128) Mani Champia		(192) Sukram Mundari	
(129) Dasma Hemrani		(193) Maran Singh	
(130) Mariyam Dang		(194) Dayadham Munda	
(131) Ram Singh		(195) Dulati Munda	
(132) Jotto Oram		(196) Munika Topno	
(133) Nuas Guria		(197) Dabro Munda	
(134) Salmi Mundari		(198) Suresh Singh Routia	
(135) Markas Herenj		(199) Pendrai Tiria	
(136) Jabuna Pradhan		(200) Suklal Mundari	
(137) Daso Munda		(201) Asrit Barjo	
(138) Munika Soy		(202) Dumbi Munda	
(139) Nuel Purty		(203) Gardi Munda	
(140) Sebyan Guria		(204) Mukta Hemram	
(141) Rahil Herenj		(205) Chandoo Munda	
(142) Sawan Purty		(206) Bahamani Baik	
(143) Suleman Guria		(207) Menjari Sinku	
(144) Roya Munda		(208) Julias Kandulna	
(145) Turi Pingua		(209) Bhangi Purty	
(146) Purendar Purty		(210) Phirda Bhengra	
(147) Sukhimuni Mundari		(211) Sanjaro Turi	
(148) Bhimo Gope		(212) Baya Lohar	
(149) Dinesh Gagrai		(213) Santosh Herenj	
(150) Poulush Burh		(214) Eman Sanga	
(151) Johan Jojo		(215) Junas Topno	
(152) Bharat Mohakur		(216) Fulmani Purty	
(153) Suleman Burh		(217) Budhua Mundari	
(154) Bandha Jojo		(218) Doma Munda	
(155) Mangi Burh		(219) Buran Singh	
(156) Shanti Jojo		(220) Barjo Hemram.	
(157) Malti Mahakur		(221) Sonamani	
(158) Fulmani Burh		(222) Shanti Badra	
(159) Ratni Jojo		(223) Lambe Sidu	
(160) Prahlad Hemram		(224) Sukurmoni Hemram	
(161) Mashidas Champia		(225) Phabhusoy Rajba	
(162) Etwa Purty		(226) Nagi Mundari	
(163) Salmuni Bhuiyan		(227) Reba Munda	
(164) Palo Gagrai		(228) Juljan Ekka	
(165) Jilan Purty		(229) Simon Mundari	
(166) Sibb Oram		(230) Ramsingh Hemram	
(167) Asai Badra		(231) Sanicharwa Mundari	
(168) Benjamin Henjet		(232) Lakhansingh Purty	
(169) Kuni Gope		(233) Etwa Munda	
(170) Ladu Chattar		(234) Sumi Munda	
(171) Niraso Laguri		(235) Boas Mank	
(172) Poulush Bhengra		(236) Saphira Kandulna	
(173) Sriklisan Gardi		(237) Fulmani Guria	
(174) Kirto Surin		(238) Mangal Guria	
(175) Ajub Topno		(239) Minai Soy	
(176) Salmi Surin		(240) Markas Samud	
(177) Basanti Hemram		(241) Jabuna Bobonga	
(178) Raimani Gope		(242) Sobha Topno	
(179) Sombari Pingua		(243) Asrit Sev	
(180) Soma Baik		(244) Thomas Guria	
(181) Sarani Hans		(245) Nitma Birua	
(182) Marlyam Guria		(246) Nirmal Lugun	
(183) Salmi Jojo		(247) Yakub Guria	
(184) Benedik Bage		(248) Soma Munda	
(185) Shanti Karma		(249) Bindral Birua	

1	2	1	2
(250) Etwa Purty		(314) Fulo Hemram	
(251) Susari Dang		(315) Jambi Jamuda	
(252) Subani Surin		(316) Piari Topno	
(253) Prabhusoy Honjet		(317) Asison Topno	
(254) Barju Sidu		(318) Hindu Munda	
(255) Lilmoni Munda		(319) Randai Munda	
(256) Sombari Mundari		(320) Sombari Hemram	
(257) Mangal Hemram		(321) Janki Balmuchu	
(258) Leta Hemram		(322) Samuel Munda	
(259) Soma Hemram		(323) Mery Purty	
(260) Natro Topno		(324) Nimunti Jojo	
(261) Paitrias Cherua		(325) Natro Suren	
(262) Gardi Khandiam		(326) Bijoy Pingua	
(263) Menjo Hemram		(327) Donka Sidu	
(264) Sarani Surin		(328) Shanti Sidu	
(265) Sarani Bage		(329) Etwari Hemram	
(266) Sushina Cherua		(330) Sita Chattar	
(267) Kahnuram Hessa		(331) Baidu Sinku	
(268) Sidu Laguri		(332) Jano Laguri	
(269) Rani Balmuchu		(333) Suru Pingua	
(270) Dobul Bangsingh		(334) Hari Mundai	
(271) Sukra Oram		(335) Butur Munda	
(272) Pani Hessa		(336) Jabni Badra	
(273) Sunia Hessa		(337) Parbati Gope	
(274) Sombari Bangsingh		(338) Sargia Munda	
(275) Bilasi Samad		(339) Pano Munda	
(276) Raisingh Kandiyam		(340) Suren Munda	
(277) Mani Oram		(341) Birsingh Badra	
(278) Radhi Sinku		(342) Josef Henjet	
(279) Birsa Hemram		(343) Laxman Hemram	
(280) Chamu Singh		(344) Mansuk Lagun	
(281) Maria Tiru		(345) Budhni Sirka	
(282) Sifil Horo		(346) Mangalsingh Mundari	
(283) Paulin Horo		(347) Kullu Mundai	
(284) Dharamdas Guria		(348) Jima Mundai	
(285) Thomas Topno		(349) Sombari Hemram	
(286) Lukas Nag		(350) Boas Hans	
(287) Mariyam Rajbu		(351) Mangaldhan Topno	
(288) Mana Bobonga		(352) Sunu Badra	
(289) Shyam Sinku		(353) Kanjeshwari Sandil	
(290) Janamsingh Sinku		(354) Santosh Dang	
(291) Chipri Sinku		(355) Dimbu Munda	
(292) Jewel Guria		(356) Mecho Mundai	
(293) Birang Pingua		(357) Birsa Singh	
(294) Armia Ekka		(358) Budhni Munda	
(295) Kanderam Munda		(359) Maki Sundi	
(296) Emanuol Badra		(360) Mathu Mundari	
(297) Suleman Badra		(361) Sita Hemram	
(298) Samuel Badra		(362) Jamesgregori Totto	
(299) William Nag		(363) Somra Bhakta	
(300) Salmi Badra		(364) Bhadra Kharia	
(301) Alisabha Henjet		(365) Ghasia Munda	
(302) Marsha Badra		(366) Barkuar Munda	
(303) Sukhnath Purty		(367) Sanika Munda	
(304) Kalyan Bara		(368) Hiralal Purty	
(305) Budhua Kandir		(369) Sanika Purty	
(306) Budhni Purty		(370) Sripati Tanty	
(307) Gangi Oram		(371) Matias Munda	
(308) Isac Kongari		(372) Shyamlal Lohar	
(309) Patras Dhanwar		(373) Ramrai Munda	
(310) Etwari Hans		(374) Benjamin Barla	
(311) Marsha Hans		(375) Sanicherwa Munda	
(312) Gurbari Munda		(376) Kinu Munda	
(313) Promdhanmatias Guria		(377) Sonaram Laguri	

1	2
(378) Karainsingh Munda	
(379) Fransis Manki	
(380) Barasaru Das	
(381) Enem Dang	
(382) Supai Munda	
(383) Basudeb Naik	
(384) Lambodar Munda	
(385) Mangal Munda	
(386) Singrai Munda	
(387) Daniel Munda	
(388) Somra Lohar	
(389) Samuel Munda	
(390) Majhi Munda	
(391) Nikulas Munda	
(392) Soma Munda	
(393) Baijnath Champin	
(394) Nanda Munda	
(395) Poulush Munda	
(396) Lukas Kharia	
(397) Albert Kerketta	
(398) Aiban Munda	
(399) Pandu Munda	
(400) Mangra Munda	
(401) Jogu Soy	
(402) Theodar Guria	
(403) Barnabas Mundari	
(404) Ramchandra Tamsoy	
(405) Mangra Munda	
(406) Padma Das	
(407) Daso Munda	
(408) Jena Munda	
(409) Boas Suren	
(410) Sibasan Munda	
(411) Enem Munda	
(412) Bandhna Sohansi	
(413) Jeerge Topno	
(414) Soma Bobonga	
(415) Jiwan Aind	
(416) Subas Munda	
(417) Nando Lohar	
(418) Murli Purty	
(419) Ismail Surin	
(420) Robert Purty	
(421) Gopal Badra	
(422) Matias Edel	
(423) Markas Munda	
(424) Budhua Oram	
(425) Kandey Korah	
(426) Raghu Halburu	
(427) Salan Dang	
(428) Ramsingh Kharia	
(429) Habil Munda	
(430) Markas Horo	
(431) Mangra Munda	
(432) Pius Kongari	
(433) Kusho Naik	
(434) Sambhudhar Naik	
(435) Kolai Kuldi	
(436) Jatia Korah	
(437) Nanda Pingua	
(438) Benjamin Samad	
(439) Ghano Munda	
(440) Karainsingh Das	
(441) Pandu Laguri	
(442) Sidu Chatamba	

1	2
(443) Pirrus Minz	
(444) Martin Kandulna	
(445) Dalbahadur Singh	
(446) Gura Tiria	
(447) Duga Barla	
(448) Amush Munda	
(449) Gopal Majhi	
(450) Boas Dhan	
(451) Sukdeb Munda	
(452) Singa Munda	
(453) Nidhi Mahakui	
(454) Santosh Lugun	
(455) Sanika Kerketta	
(456) Mansingh Munda	
(457) Etwa Tutti	
(458) Sebyan Suren	
(459) Turi Munda	
(460) Purustom Lohar	
(461) Dharmu Patra	
(462) Bharat Mahanta	
(463) Bishnu Pingua	
(464) Mohansingh Munda	
(465) Shyamsundar Gope	
(466) Dukhu Mahanto	
(467) Mangal Singh	
(468) Madan Sidu	
(469) Ghansa Munda	
(470) Duka Munda	
(471) Gobind Pingua	
(472) Tirkey Munda	
(473) Sukram Munda	
(474) Herman Bhuiyan	
(475) Dhamaksingh Munda	
(476) Behari Rout	
(477) Sirnus Jette	
(478) Matias Guria	
(479) Simon Purty	
(480) Ramsingh Nag	
(481) Selai Chaki	
(482) Suleman Hans	
(483) Abhiram Munda	
(484) Raghunath Pingua	
(485) Pradhan Munda	
(486) Somra Lohar	
(487) Matta Munda	
(488) Sanika Topno	
(489) Hari Gope	
(490) Lachman Munda	
(491) Chamra Munda	
(492) Pitrus Dungdung	
(493) Lal Champia	
(494) Udia Munda	
(495) Gagrai Munda	
(496) Toplal Rout	
(497) Kaptainsingh Munda	
(498) Mashidas Apatgara	
(499) Ashok Kumar Murdari	
(500) Gokul Das	
(501) Sona Pingua	
(502) Lalsingh Munda	
(503) Nabin Patra	
(504) Shiblal Sinku	
(505) Binod Tiria	
(506) Budhram Munda	
(507) Kunj Badra	

1	2	1	2
(508) Ajub Soy		(572) Junas Munda	
(509) Gangaram Munda		(573) Sudra Baraik	
(510) Salan Munda		(574) Josef Munda	
(511) Sudarsan Topno		(575) Routu Kerah	
(512) Sukra Munda		(576) Poulush Horo	
(513) Niro Naik		(577) Estilan Topno	
(514) Kushal Bago		(578) Ramchandra Singh	
(515) Lakhindar Patra		(579) Gobadnan Naik	
(516) Barney Munda		(580) Josef Party	
(517) Manmashi Suren		(581) Mangal Sandil	
(518) Daud Bhuiyan		(582) Harun Horo	
(519) Soma Munda		(583) Matka Munda	
(520) Benu Singh		(584) Samuel Munda	
(521) Singrai Sudi		(585) Biksel Burh	
(522) Marshal Barla		(586) Bilkan Aind	
(523) Mangal Munda		(587) Suleman Jojo	
(524) Mangal Munda		(588) Rajo Naik	
(525) Durgaprasad Kayam		(589) Antoni Dang	
(526) Suklal Bhengra		(590) Daud Burh	
(527) Birsu Bhengra		(591) Paul Dang	
(528) Budhram Munda		(592) Ratia Lehar	
(529) Dasarath Lohar		(593) Jogen Pingua	
(530) Roidas Oram		(594) Mashidas Dang	
(531) Lobyan Barla		(595) Subran Baraik	
(532) Mangra Munda		(596) Lalsingh Munda	
(533) Bidu Patra		(597) Habil Barla	
(534) Sudarsan Badra		(598) Markas Kandulna	
(535) Manuel Kandulna		(599) Ghansa Munda	
(536) Lakhan Kuldi		(600) Jiban Laku	
(537) Rajendra Mahakur		(601) Dasra Naik	
(538) Joban Bading		(602) Niarjan Lohar	
(539) Dasra Naik		(603) Niro Badra	
(540) Jadu Gope		(604) Junas Barla	
(541) Poulush Munda		(605) Gabriel Munda	
(542) Putkar Gagrai		(606) Chakra Munda	
(543) Shankar Munda		(607) Aman Topno	
(544) Maghu Naik		(608) Matias Urad	
(545) Siro Munda			
(546) Laldeo Routia			
(547) Hermon Gutia			
(548) Kanu Munda			
(549) Prabhusoy Suren			
(550) Amin Naik			
(551) Raisingh Munda			
(552) Roi Naik			
(553) Maheswar Naik			
(554) Koshar Mahakur			
(555) Mansid Samal			
(556) Soma Munda			
(557) Birsingh Suren			
(558) Jaipal Munda			
(559) Paul Aind			
(560) Dukhan Munda			
(561) Dhankuar Garia			
(562) Mudho Munda			
(563) Katey Munda			
(564) Raisingh Bandra			
(565) Madho Bobonga			
(566) Samu Hemram			
(567) Sadhucharan Lamai			
(568) Sukram Mundari			
(569) Karamsingh Mundari			
(570) Bishan Mundari			
(571) Rama Lohar			

2. It is needless to give a detail narration of the facts giving rise to the present dispute because presently the most question for determination is whether 226 workers out of 608 are gainfully employed or not. For better appreciation of the case, a few facts need be mentioned here :—

In course of hearing of the case on merit, all the parties to the dispute led evidence and after close of argument the then Presiding Officer Sri R. N. Panda passed orders on 24-11-86 holding that Rourkela Steel Plant was the real employer of all the 608 affected workers. He further observed that out of 608 workers 382 have already been given employment on different dates and the remaining 226 are still unemployed. Having held thus, he entertained a doubt as to whether those 226 workers have been gainfully employed or not during the period from 4-10-78 till the order was passed on 24-11-86. In this view of the matter, he kept the matter open for determination regarding gainful employment or otherwise of those workers. This is how the entire proceeding is pending since 1979 for final adjudication.

3. Before going into the merit of the case, I may at the outset observe that it is not the case of all the affected workers in their pleadings that since disengagement they are sitting idle and have not been employed elsewhere. When they are to get pecuniary benefit it is for them to specifically plead that since they lost their job they are unemployed. As against this, if the contractor, namely, Mining & Transporting Company and Rourkela Steel Plant would have urged specifically in their pleadings that the workers since disengagement have taken-up job elsewhere in that case it is for them to prove the same by leading acceptable evidence. However, when orders have been passed to make an enquiry about the

gainful employment or otherwise of 226 out of 608 workers and parties have led evidence in that regard, it is therefore, to be seen as to whether those 226 workers have either been gainfully employed or remained unemployed till now.

4. As I have already stated earlier, by order dated 24-11-86 it was held that 382 workers out of 608 had already been given employment on different dates. For better appreciation, the finding in that regard is extracted hereunder :—

“xx xx xx xx The statement as per Ext. B would indicate that the workers had joined afresh on different dates. This statement as well as the evidence of witness No. 1 for the company has not been challenged by the workmen. I, therefore, accept the genuineness of Ext. B and hold that these 382 workers had already been given appointment on different dates. The remaining 226 workmen do not appear to have been in employment after 4-10-78.”

In Ext. B, marked on behalf of the management, it is mentioned that 382 workers of three different sections, namely, mining, wagon loading and transporting had been given appointment on the request of the union. It does not transpire either from the said Ext. B or from the statement of the witnesses as to the identity of those 382 workers. If the parties would have led evidence in that regard there would have been no difficulty to identify the remaining 226 workers and to give a finding about their gainful employment or otherwise.

5. On 16-12-87 a list of 226 workers was filed by the union. As against it, M/s. Mining & Transporting Company as well as the Rourkela Steel Plant filed separate lists giving details as to who out of these 226 have been gainfully employed and who died in the meantime. The list submitted by them though have been marked exhibits but the list submitted by the union has not been proved.

6. It is no doubt true that onus lies upon the employer to prove that the employees who have been denied of job have been gainfully employed elsewhere but in a peculiar case of this nature it is first and foremost duty of the union to lead cogent evidence about the identity of those 226 workers out of 608. It is seen that while leading evidence the union has challenged the finding of the Tribunal regarding the subsequent employment of 382 workers. It has urged that all the 608 workers are still unemployed.

Witness No. 1 for the workers in paragraph 5 of his statement speaks that not only 226 workers but the rest 382 workers are sitting unemployed. To the same effect is the evidence of witnesses Nos. 2 to 5. Had it been their case that they are amongst 226 workers then in that case I would have atleast allowed them relief holding that they have not been gainfully employed but when it is the case of the union that all the 608 workers are still unemployed, it is difficult for me to find out if these three witnesses are amongst 226 or 382 workers.

M/s. Mining & Transporting Company examined one witness who in his evidence has specifically stated that when the identity of the 226 workers are not established, it is not possible on his part to say as to whether they have been gainfully employed or not.

From the side of the Rourkela Steel Plant although two witnesses have been examined but in view of my earlier finding it is needless to make a detail discussion of their evidence. When the identity of the 226 workers is in question, the union while leading evidence would have proved and exhibited the said list and led reliable evidence that those 226 workers have not been employed elsewhere after they are denied of job. On the contrary it has led evidence to the effect that all the 608 workers are unemployed. In view of this, it is not possible on my part to give a finding on the question of gainful employment when the identity of 226 workers has not been satisfactorily proved.

7. This order as well as the order dated 24-11-86 be treated as Award and sent to the Government of India in the Ministry of Labour for publication.

Dictated & corrected by me.

Presiding Officer,
Industrial Tribunal.
Dt. 31-12-91.

Presiding Officer,
Industrial Tribunal.
Dt. 31-12-91.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri R. N. Panda, M.A. LL.B.,
Presiding Officer, Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.
Industrial Dispute Case No. 8/79 (Central)
Dated Bhubaneswar the 24th November, 1986

BETWEEN

1. The Partner, M/s. Mining and Transporting Company, Contractor, P.O. Barbil, Distt. Keonjhar,
2. The Chief Engineer (OMQ), Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, P.O. Rourkela, Distt. Sundergarh (Orissa).

....First Parties.

AND

1. Chamra Purty,
2. Kushnu Sinku,
3. Motai Karua,
4. Kairai Purty,
5. Gurubari Sinku,
6. Daso Munda,
7. Haricharan Badra,
8. Suru Champia,
9. Junai Munda,
10. Pandey Purty,
11. Raimani Pradhan,
12. Gurubari Purty,
13. Junia Munda,
14. Jambi Munda,
15. Ramai Mundri,
16. Durai Purty,
17. Jabuna Mundra,
18. Mukta Badra,
19. Soma Barjo,
20. Muni Mundari,
21. Salmi Mundari,
22. Asmati Munda,
23. Mangalsingh Tamsol,
24. Budhram Kerai,
25. Jonga Kerai,
26. Suru Tamsol,
27. Junas Jojo,
28. Gurua Komai,
29. Srihari Tanty,
30. Bartto Surin,
31. Birsa Kandulna
32. Bagun Jonko,
33. Sankari Chatamba,
34. Sukmaro Kandulna,
35. Prabhusoy Purty,
36. Mangra Munda,
37. Dawra Sinku,
38. Marsha Hemrom,
39. Rahul Sov,
40. Pandy Mundari,
41. Fagua Raiba,
42. Sanika Mundari,
43. Kairea Pingua,

44. Simal Minda,
45. Singrai Badra,
46. Putkar Munda,
47. Lofar Sijui,
48. Kandey Sijui,
49. Deogai Jamda,
50. Suleman Topno,
51. Dayal Sambad,
52. Johan Bhengra,
53. Bijoy Hemrom,
54. Mochia Sirka,
55. Dosu Gope,
56. Mansuk Topno,
57. Duga Munda,
58. Mansingh Sundi,
59. Suko Oram,
60. Sukurmoni Hemrom,
61. Boas Hemrom,
62. Sukram Haiburu,
63. Lanka Bobonga,
64. Mukta Hemrom,
65. Narayan Munda,
66. Lukas Herenj,
67. Mansid Herenj,
68. Raidas Champia,
69. Barju Mundari,
70. Ghasiram Singh,
71. Mariam Bage,
72. Budhni Sundi,
73. Chamra Soy,
74. Hisi Purty,
75. Sagu Hemrom,
76. Bhimo Thakur,
77. Jewel Jojo,
78. Magdali Guria,
79. Dasram Champia,
80. Nandi Leguri,
81. Bajrangi Chhattar,
82. Baamani Hemrom,
83. Dishu Purty,
84. Selen Jojo,
85. Sirka Nag,
86. Kissan Munda,
87. Pargan Munda,
88. Piru Sijui,
89. Budhni Jamda,
90. Sagan Kandulua,
91. Nandi Soy,
92. Suleman Kandulua,
93. Shankara Purty,
94. Sini Surni,
95. Srimati Singh,
96. Turi Pingua,
97. Pano Surai,
98. Magdali Guria,
99. Mariyam Behngra,
100. Jewel Jojo,
101. Surajmani Mundari,
102. Dokania Sidu,
103. Jonga Munda,
104. Arjun Champia,
105. Sundar Gope,
106. Joyanti Hemrom,
107. Mulia Hemrom,
108. Raimani Hemrom,
109. Alma Kongari,
110. Kanchan Kongari,
111. Bagun Baipai,
112. Boas Jojowar,
113. Jiwan Sidu,
114. Raghu Sidu,
115. Sikur,
116. Sawan Dang,
117. Rahil Kandulua,
118. Baidai Gope,
119. Matial Hans,
120. Pando Surin,
121. Barju Mundari,
122. Nitma Haiburu,
123. Budhram Munda,
124. Indra Gope,
125. Prafulla Mahakur,
126. Jagdish Pradhan,
127. Jima Chhattar,
128. Mani Champia,
129. Dasma Hemrom,
130. Mariyam Dang,
131. Ram Singh,
132. Jotto Oram,
133. Nuas Guria,
134. Salmi Mundari,
135. Markas Herenj,
136. Jobuna Pradhan,
137. Daso Munda,
138. Munika Soy,
139. Nuel Purty,
140. Sebyan Guria,
141. Rahil Herenj,
142. Sawan Purty,
143. Suleman Guria,
144. Roya Munda,
145. Turi Pingua,
146. Purendar Purty,
147. Sukhimuni Mundari,
148. Bhimo Gope,
149. Dinesh Gagrai,
150. Poulush Burh,
151. Johan Jojo,
152. Bharat Mahakur,
153. Suleman Burh,
154. Bandha Jojo,
155. Mangi Burh,
156. Shanti Jojo,
157. Malti Mahakur,
158. Fulmani Burh,
159. Ratni Jojo,
160. Prahlad Hemrom,
161. Mashidas Champia,
162. Etwa Purty,
163. Salmuni Bhuiyan,
164. Palo Gagrai,
165. Jilan Purty,
166. Sibbu Oram,
167. Asai Badra,
168. Benjamin Henjet,
169. Kuni Gope,
170. Ladu Chhattar,
171. Niraso Laguri,
172. Poulush Bhengra,
173. Srikissan Gardi,
174. Kirto Surin,
175. Ajuh Topno,
176. Salmi Surin,
177. Basanti Hemrom,
178. Raimani Gope,

179. Sombari Pingua,
180. Soma Baik,
181. Sarani Hans,
182. Mariyam Guria,
183. Salmi Jojo,
184. Benedik Bage,
185. Shanti Kurua,
186. Maniram Mundari,
187. Mahendra Munda,
188. Randai Munda,
189. Srimati Sandil,
190. Kandey Lohar,
191. Jandai Mundai,
192. Sukram Mundai,
193. Maran Singh,
194. Dayadham Munda,
195. Dulari Munda,
196. Munika Topno,
197. Dobro Munda,
198. Sureshsingh Routia,
199. Pendrai Titia,
200. Suklal Mundari,
201. Asrit Barjo,
202. Dumbi Munda,
203. Gardi Munda,
204. Mukta Hemrom,
205. Chandoo Munda,
206. Bahamani Baik,
207. Menjari Sinku,
208. Julias Kandulna,
209. Bhangi Purty,
210. Phirda Bhengra,
211. Saniaro Turi,
212. Baya Lohar,
213. Santosh Herenj,
214. Eman Sanga,
215. Junas Topno,
216. Fulmani Purty,
217. Budhua Mundari,
218. Doma Munda,
219. Buran Singh,
220. Barjo Hemrom,
221. Sonamani,
222. Shanti Badra,
223. Lembo Sidu,
224. Sukurmoni Hemrom,
225. Prabhusoy Rajba,
226. Nagi Mundari,
227. Reba Munda,
228. Jaljan Ekka,
229. Simon Mundari,
230. Ramsingh Hemrom,
231. Sanicharwa Mundari,
232. Lakhansingh Purty,
233. Etwa Munda,
234. Sonu Munda,
235. Boas Mank,
236. Saphira Kandulna,
237. Fulmani Guria,
238. Mangal Guria,
239. Nibai Soy,
240. Markas Samad,
241. Jabuna Bobonga,
242. Sobha Topno,
243. Asrit Soy,
244. Thomas Guria,
245. Nitma Birua,
246. Nirmal Lugun,
247. Yakub Guria,
248. Sona Munda,
249. Bindrai Birua,
250. Etwa Purty,
251. Susari Dang,
252. Subani Surin,
253. Prabhusoy Henjet,
254. Barju Sidu,
255. Lilmoni Munda,
256. Sombari Mundari,
257. Mangal Hemrom,
258. Leta Hemrom,
259. Soma Hemrom,
260. Natre Topno,
261. Paitris Cherua,
262. Gardi Khandiani,
263. Menjo Hemrom,
264. Sarani Surin,
265. Sarani Bage,
266. Sushina Cherua,
267. Kahnuram Hessa,
268. Sidu Laguri,
269. Ram Balmuchu,
270. Dobul Pangsingh,
271. Sukra Oram,
272. Pani Hessa,
273. Sunia Hessa,
274. Sombari Bangsingh,
275. Bilasi Samad,
276. Raisingh Kandiyan,
277. Mani Oram,
278. Radhi Sinku,
279. Birsu Hemrom,
280. Chamu Singh,
281. Maria Tiru,
282. Siril Hero,
283. Paulin Horo,
284. Dharmadas Guria,
285. Thomas Topno,
286. Lukas Nag,
287. Mariyam Rajba,
288. Manā Bobonga,
289. Shyam Sinku,
290. Janamsingh Sinku,
291. Chipri Sinku,
292. Jewel Guria,
293. Birang Pingua,
294. Armia Ekka,
295. Kanderam Munda,
296. Emanuel Badra,
297. Suleman Badra,
298. Samuel Badra,
299. William Nag,
300. Salmi Badra,
301. Alisabha Henjet,
302. Marsha Badra,
303. Sukhnath Purty,
304. Kalyan Bara,
305. Budhua Kandir,
306. Budhni Purty,
307. Ganji Oram,
308. Isac Konkari,
309. Patras Dhanwar,
310. Etwari Hans,
311. Marsha Hans,
312. Gurbari Munda,
313. Premdhanmatias Guria,
314. Fulo Hemrom,

315. Jambi Jamuda,
316. Piari Topno,
317. Asisen Topno,
318. Hindu Munda,
319. Randai Munda,
320. Sombari Hemrom,
321. Janki Balmuchu,
322. Samuel Munda,
323. Mery Purty,
324. Nimunti Jojo,
325. Natro Soren,
326. Bijoy Pingua,
327. Donka Sidu,
328. Shanti Sidu,
329. Etwari Hemrom,
330. Sita Chattar,
331. Bandu Simku,
332. Jano Laguri,
333. Suri Pingua,
334. Hari Mundari,
335. Butur Munda,
336. Jahni Badra,
337. Parbati Gope,
338. Sargia Munda,
339. Panó Munda,
340. Suren Munda,
341. Birsingh Badia,
342. Josef Henjet,
343. Laxman Hemrom,
344. Mansuk Lugun,
345. Budhni Sirka,
346. Mangalsingh Mundari,
347. Kullu Mundai,
348. Jima Mundai,
349. Sombari Hemrom,
350. Boas Hans,
351. Mangaldhan Topno,
352. Sunu Badra,
353. Kanjehwari Sandil,
354. Santosh Dang,
355. Dimbu Munda,
356. Mecho Mundai,
357. Birs Singh,
358. Budhi Munda,
359. Maki Sundi,
360. Mathu Mundari,
361. Sita Hemrom,
362. Jamesgregori Tette,
363. Somra Bhakta,
364. Bhadra Kharia,
365. Ghasia Munda,
366. Barkuar Munda,
367. Sanika Munda,
368. Hiralal Purty,
369. Sanika Purty,
370. Sriputi Tanty,
371. Matias Munda,
372. Shyamlal Lohar,
373. Ramrai Munda,
374. Benjamin Barla,
375. Sanicharwa Munda,
376. Kinu Munda,
377. Sonaram Laguri,
378. Karamsingh Munda,
379. Fransis Munki,
380. Barasaru Das,
381. Enem Dang,
382. Supai Munda,
383. Basudev Naik,
384. Lambodhar Munda,
385. Mangal Munda,
386. Singrai Munda,
387. Daniel Munda,
388. Somra Lohar,
389. Samuel Munda,
390. Majhi Munda,
391. Nikulas Munda,
392. Soma Munda,
393. Rajnath Champia,
394. Nanda Munda,
395. Palush Munda,
396. Lukas Kharia,
397. Albert Kerketta,
398. Aiban Munda,
399. Pandu Munda,
400. Mangra Munda,
401. Jogu Soy,
402. Theadar Guria,
403. Barnabas Mundari,
404. Ramchandra Tamsoy,
405. Mangra Munda,
406. Padna Das,
407. Daso Munda,
408. Jena Munda,
409. Boas Suren,
410. Sibasan Munda,
411. Enem Munda,
412. Bandhna Sehansu,
413. Jeorge Topno,
414. Soma Babanga,
415. Jiwan Aind,
416. Subas Munda,
417. Nanda Lohar,
418. Murali Purty,
419. Ismaili Surin,
420. Robert Purty,
421. Gopal Badra,
422. Matias Edel,
423. Markas Munda,
424. Budhua Oram,
425. Kandey Korah,
426. Raghu Haiburu,
427. Salan Dang,
428. Ramsingh Kharia,
429. Habil Munda,
430. Markas Horo,
431. Mangra Munda,
432. Pius Kongari,
433. Kusho Naik,
434. Sambhudhar Naik,
435. Kolai Kuldi,
436. Jatia Korah,
437. Nanda Pingua,
438. Benjamin Samad,
439. Ghano Munda,
440. Karamsingh Das,
441. Pandu Laguri,
442. Sidu Chatamba,
443. Pitrus Minz,
444. Martin Kandulna,
445. Dalbahadur Singh,
446. Gura Tiria,
447. Duga Baria,
448. Amush Munda,
449. Gopal Majhi,

450. Boas Dhan,
451. Sukdeb Munda,
452. Singh Munda,
453. Nidhi Mahakur,
454. Santosh Lugun,
455. Sanika Kerketta,
456. Mansingh Munda,
457. Etwa Tutti,
458. Seban Suren,
459. Turi Munda,
460. Purustom Lohar,
461. Dharimu Patra,
462. Bharat Mahanto,
463. Bishnu Pingua,
464. Mohansingh Munda,
465. Shyamsundar Gope,
466. Dukhu Mahanto,
467. Mangal Singh,
468. Madan Sidu,
469. Ghansa Munda,
470. Duka Munda,
471. Gobind Pingua,
472. Tirkey Munda,
473. Sukram Munda,
474. Hermon Bhuyan,
475. Dhumaksingh Munda,
476. Behari Rout,
477. Sirnus Jette,
478. Matias Guria,
479. Simon Purty,
480. Ramsingh Nag,
481. Selui Chaki,
482. Suleman Hans,
483. Abhiram Munda,
484. Raghunath Pingua,
485. Pradhan Munda,
486. Somra Lohar,
487. Matta Munda,
488. Sanika Topno,
489. Hari Gope,
490. Lachman Munda,
491. Chamra Munda,
492. Pitrus Dungdung,
493. Lal Champia,
494. Udia Munda,
495. Gagraj Munda,
496. Toplal Rout,
497. Kaptainsingh Munda,
498. Mashidas Apatgara,
499. Ashok Kr. Mundari,
500. Gokul Das,
501. Sona Pingua,
502. Lalsingh Munda,
503. Nabin Patra,
504. Shiblal Sinku,
505. Binod Tiria,
506. Budhram Munda,
507. Kunja Badra,
508. Ajub Soy,
509. Gangaram Munda,
510. Salan Munda,
511. Sudarson Topno,
512. Sukra Munda,
513. Niro Naik,
514. Kushal Bage,
515. Lakhinder Patra,
516. Bamey Munda,
517. Manmasbi Suren,
518. Daud Ehuayan,
519. Soma Munda,
520. Benu Singh,
521. Singrai Sundi,
522. Marshal Baria,
523. Mangal Munda,
524. Mangal Munda,
525. Durgaprasad Kayam,
526. Sukalal Bhengra,
527. Birsu Bhengra,
528. Budhram Munda,
529. Dasarath Lohar,
530. Roidas Oram,
531. Lebyan Barla,
532. Mangra Munda,
533. Bidu Patra,
534. Sudarsan Badra,
535. Manuel Kandulna,
536. Lakhon Kuldi,
537. Rajendra Mahakur,
538. Johan Bading,
539. Dasra Naik,
540. Jadu Gope,
541. Paulush Munda,
542. Putkar,
543. Shankar Munda,
544. Maghu Naik,
545. Siro Munda,
546. Laldeo Routia,
547. Hermon Guria,
548. Manu Munda,
549. Prabhusoy Suren,
550. Amin Naik,
551. Raisingh Munda,
552. Roi Naik,
553. Maheswar Naik,
554. Keshar Mahakur,
555. Mansid Samad,
556. Soma Munda,
557. Birsingh Suren,
558. Jaipal Munda,
559. Paul Aind,
560. Dukhan Munda,
561. Dhankuar Guria,
562. Madho Munda,
563. Katey Munda,
564. Ramsingh Bandra,
565. Madhe Bobonga,
566. Samu Hemrom,
567. Sadhucharan Lamai,
568. Sukram Mundari,
569. Karamsingh Mundari,
570. Bishan Mundari,
571. Rama Lohar,
572. Junas Munda,
573. Sudra Baraik,
574. Josef Munda,
575. Foutu Korah,
576. Poulush Horo,
577. Estifan Topno,
578. Ramachandra Singh,
579. Gobardhan Naik,
580. Josef Purty,
581. Mangal Sandil,
582. Harun Horo,
583. Matka Munda,

584. Samuel Munda,
585. Biksai Burh,
586. Bilkan Aind,
587. Suleman Jojo,
588. Rajo Naik,
589. Antoni Dang,
590. Daud Burh,
591. Faul Dang,
592. Ratia Lohar,
593. Jogen Pingua,
594. Mashidas Dang,
595. Subran Baraik,
596. Lalsingh Munda,
597. Habil Barla,
598. Markas Kandulna,
599. Ghansa Munda,
600. Jibal Laku,
601. Dasra Naik,
602. Niranjani,
603. Niro Badra,
604. Junas Barla,
605. Gabriel Munda,
606. Chakra Munda,
607. Aman Topno,
608. Matias Urad,

All workmen are represented by the Secretary, United Mines Mazdoor Union, P.O. Tensa, Distt. Sundergarh, Orissa.

.....Second Party.

APPEARANCES:

Sri A. Bagchi, Advocate—For first party No. 1.

Sri J. K. Tripathy, Advocate,

Sri A. Acharya, Junior Manager (Law)

.....For the First Party No. 2.

Sri S. R. Ghose, Advocate,

Sri A. Das, Office Secretary.

.....For the Second Party.

ORDER

1. This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 made by the Central Government for adjudication vide Ministry of Labour Order No. L-26011/2/79-D.II.B. The terms of the reference may be quoted as follows:—

“Whether the removal of 608 persons, as per names in the Annexure, by M/s. Mining and Transporting Company, Contractor, Kalta Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited is justified? If not, to what relief they are entitled?”

2. The case of the workmen is that M/s. Mining and Transporting Company, Contractor of Kalta Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Ltd. employed the 608 workmen for raising, loading and transporting of Iron Ores of Kalta Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Ltd. The said workmen were recruited through the said Contractor and the said Contractor paid wages to the said workmen and through the said workmen used to work for raising iron ores and loading and transporting the said Iron Ores on behalf of the said mines of the Steel Authority of India Ltd. These workmen had been working for a very long period for 5 to 10 years. They were all piece-rated workmen. They had no grade and scales of pay. They were denied of the benefits of E.S.I. Scheme, leave facilities and full back wages. It is further stated that these workmen laboured to produce goods and services and their goods and services were for the business of the said mines of the said Authority. The Steel Authority of India Ltd. had economic control over the workmen. The presence of the intermediate contractor with whom the said workmen had immediate or direct relation was of no consequence. The said mines belong to the said Authority and the Iron Ores raised by

the said workmen were also exclusively taken by the said authority for their own use or trade or business. Thus it is stated that the workmen were broadly under the control of the Steel Authority of India Ltd. There was long standing grievances amongst the workmen employed under the said authority as contained in the strike notice by their letter dated 13-3-1978. The Management of the said authority neither negotiated with the Union nor even gave any reply. The matter was then referred to the Assistant Labour Commissioner (Central) Government of India, Rourkela for his intervention. The Asst. Labour Commissioner (Central) Rourkela called several joint conferences and tried to bring about a settlement of the matter but no settlement could be arrived at due to adamant and uncompromising attitude of the said authority. He therefore submitted his failure report on 9-5-1978. After submission of the failure report by the A.L.C. the Union continued bipartite discussion with the said authority for an amicable settlement of the grievances of the workmen. But all efforts of the Union for an amicable settlement failed. Hence the workmen went on strike with effect from 4-9-78 in pursuance of their notice dated 13-3-78. On 25-9-78 the Assistant Labour Commissioner sent a telegram to the Union to withdraw the said strike and the Union on receipt of the said telegram withdrew the strike and on the assurance from the said A. L.C. the strike was called off with effect from 2-10-1978 and the workmen excepting those who were in jail custody reported for duties on 3-10-1978. But the said contractor and the Steel Authority of India Ltd. told them that their services stood terminated due to their absence from duties during the strike period. Those who were in jail custody for resorting to strike reported for duties after having been released from the jail custody, were not allowed to join their duties on the same ground. None of the workman had been paid any compensation before the retrenchment. The action of the Management amounts to unfair labour practice and also an act of victimisation.

3. The First Party No. 1 admits that M/s. Mining and Transporting Company was a contractor under Steel Authority of India Ltd. The Steel Authority of India Ltd. had its Kalta Iron Mines. It contends that the strike notice dated 13-3-1978 has no relation whatsoever with the Mining and Transporting Company. It was unaware of development between United Mines Mazdoor Union and General Manager, Steel Authority of India Ltd. Rourkela Steel Plant. The Company was not a party to any negotiation with the United Mines Mazdoor Union prior to the concerned stoppage of work with effect from 4-9-1978. It received a letter for the first time on 5-10-1978 from the Union Mines Mazdoor Union only after issue or appeal notice dated 20-9-1978 by the Company. The failure report in question had no relation or connection whatsoever with the Company. The strike notice is not maintainable as per provisions under Section 22 of the Industrial Disputes Act, 1947. No notice was served on the Company as per the law. The Company denies of any knowledge of what transpired between the Assistant Labour Commissioner and the workers. The allegation that the strike was called off on 2-10-1978 is said to be not tenable. It is stated that the workers had wilfully abandoned their services and no Industrial Establishment/Business Organisation can wait on the whims and fancies of the employees to return or to resume work. Their services were terminated as per clause 21 of the certified Standing orders of the employees to return or to resume work. Their services were terminated as per clause 21 of the certified Standing orders are not entitled to any relief as they are themselves responsible for the whole situation. The authority of the Union to represent these 608 workmen is also challenged.

4. The Steel Authority of India Ltd. inter alia contends that the tenders were invited for raising, staking, loading, unloading and transporting specific quantity of Iron ore within Kalta Iron Mines to the railway siding at Roxy within the stipulated period. The terms and conditions were that the tenderer will engage his own labourers, vehicles and other plant materials and equipments for doing the above work at their own expenses. The number of workers employed were never a part of the tender. They were exclusively left to the discretion of the tenderer. It was specifically said that so far the workmen employed by the tenderer are concerned, he will abide by all the laws relating to labour and would not give wages less than the minimum wages as has been fixed by the Mines Wage Board. The other terms and conditions of employment were exclusively at the discretion of the tenderer. The Management of Kalta

Iron Mines of Rourkela Steel Plant had no authority of supervision or control economic or otherwise. The Management was only concerned with the total work done within the stipulated period. The M/s. Mining and Transporting Company whose principal business is mining and transporting, offered to execute the works and the said offer being accepted, entered into agreements for the purpose which was duly executed by both the parties. The agreement did not say as to the number of workmen to be employed, their rates of wages and other terms and conditions of service. It is an independent employer. It employed its own workmen. During the course of work, the work-force directly employed by the independent employer M/s. Mining and Transporting Company as is apparent illegally remained unauthorisedly absent from duty as a concerted action. Under the certified Standing Order of that Company, absence from duty for exceeding 30 days amounts to voluntary abandonment of service. It is further stated that due notice was given by the employer to its employees to resume duty. But there was no response from the workmen. It is further stated that the work undertaken by M/s. Mining and Transporting Company was completed and the duration of the work was also over on December, 1979 and since then there is absolutely no relationship between the Management of Kaila Iron Mines of Rourkela Steel Plant and M/s. Mining and Transporting Company or its employees. This is not a case of either termination of services or retrenchment of the concerned workmen. The Steel Authority of India Ltd. has also challenged the authority of the Union to represent the workmen. In this connection it is further stated that on 28-8-1981, the United Mines Mazdoor Union entered into an agreement with the Management of Kaila Iron Mines of Rourkela Steel Plant wherein it has been agreed that near about all the retrenched workmen of the existing contractor would be engaged by the new contractor and in view of this agreement the present reference has become infructuous.

4. From the aforesaid pleadings the following questions arises for considerations :—

- (1) Whether the removal of 608 persons, as per names in the Annexure, by M/s. Mining and Transporting Company, Contractor, Kaila Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited is justified ?
- (2) Whether the 608 workmen have voluntarily abandoned their services or they have been refused employment ?
- (3) Whether for the refusal of employment, if any, the M/s. Mining and Transporting Company or the Steel Authority of India Ltd. or both of them are liable to take them into service with payment of compensation ?
- (4) Whether the present Union could have espoused the cause of the workmen and if not whether on that ground the reference is said to be invalid ?

5. The first three questions may be conveniently taken up together. By now it is not in dispute that the 608 workmen as per names in the Annexure to the reference were engaged for raising, loading and transporting iron ores of Kaila Iron Mines. The said mine belongs to the Rourkela Steel Plant of the Steel Authority of India Limited. M/s. Mining and Transporting Company who it is stated recruited these workmen for the aforesaid purpose, takes the stand that the workers had wilfully abandoned their services and on that ground their services were terminated as per Clause 21 of the Certified Standing Order of the Company. In this connection it is further stated that the workers had gone on strike without serving notice on the company. The Steel Authority of India Limited who is said to be the principal employer, contends that the Mining and Transporting Company is an independent entity having its own establishment. For all practical purposes, in the eye of law it is an independent employer. The said Company employed its own work-force to execute the work of raising, transporting, loading and unloading the iron ores. The workers having illegally remained absent for a period exceeding 30 days from duty the Mining and Transporting Company as per

the provision contained in their own Standing Order terminated their services, on the ground of voluntarily abandonment of service. At the same breath the Rourkela Steel Plant contends that there has been no termination of service to the knowledge of the Management of Rourkela Steel Plant. With regard to the service of strike notice and the validity thereof the Rourkela Steel Plant is conspicuously silent. It is the case of the workmen that they had given strike notice by their letter dated 13-3-1978. This notice as it appears from Ext. 1 was addressed to the General Manager, Hindustan Steel Limited, Rourkela Steel Plant with copies to different authorities as also the Chief Engineer (OMQ), HSI; Rourkela, Manager, Kaila Iron Mines, Kaila General Manager (IR and A) SAIL, New Delhi, Manager M/s. MTC. As stated earlier the Rourkela Steel Plant does not dispute the service of the strike notice. M/s. Mining and Transporting Company has however not admitted the receipt of the strike notice. From the certificate of posting (vide Ext. 1/2) it appears that the copy of the notice was also sent to this company. In his evidence witness No. 1 from the workmen says that prior to this strike, a notice was given to the Hindustan Steel Limited and also the contractor, Mining and Transporting Company as per Ext. 1. This part of his evidence has not been challenged by the Rourkela Steel Plant. The only cross-examination directed by the Company to this witness with regard to the service of the strike notice is as to how the notice was not sent by Regd. post with A.D. The fact however remains that the workers went on strike and the Mining and Transporting Company in their notice dated 20-9-1978 intimated that the strike is not only illegal but also unjustified as the strike was done without giving notice. They also called upon the workers to join their duties immediately failing which they intimated that they would be reluctantly compelled to take appropriate action against the striking workers. It is therefore apparent that the principal employer and also the contractor were aware of the fact that the workers were in strike. The question that arises for consideration is whether as per the Standing Order No. 21 of the Company, it could terminate the services of the workers on the ground that they had remained absent from duty for a period exceeding 30 days. The workmen have filed a copy of the Standing Order of this Company which does not make any provision for automatic termination of the services of a workman on the ground of absence from duty for a period exceeding 30 days. The Mining and Transporting Company has filed a copy of another set of Standing Order. According to clause 21 of this standing order an employee absenting without information and permission for more than 30 days without leave may incur automatic termination of service for it would be implied that the employee has abandoned or left the service of his own accord. The Standing Order filed by the workmen has been certified by the Labour Commissioner, Bhubaneswar as it appears from the certificate attached to the Standing Order. The Standing Order filed by the Mining and Transporting Company is not supported by any such certificate although seals of Regional Labour Commissioner, Calcutta appear on it. In the absence of certificate that these Standing Orders have been certified, it is not safe to accept the correctness of the Standing Order filed by the Mining and Transporting Company. That apart it does not appear from the Standing Order filed by the Company as to when they were certified by the Labour Commissioner, Calcutta. Assuming for the sake of argument that these Standing Orders filed by the Company vide Ext. A are applicable both to the employment and the employees, it has to be examined whether in the facts and circumstances of this case clause 21 of the Standing Order can be invoked so as to terminate the services of the workmen. It is provided in clause 21 that if an employee absents without information and permission for more than 30 days without leave he may incur automatic termination of service for it would be implied that the employee has abandoned or left the services of his own accord. It would thus appear that the termination of service is not by way of any penalty but on account of the implication that the employees have left the service voluntarily, of his own accord. In the instant case as we have seen, the workmen went on strike as their demands were not fulfilled. It is also in the evidence that negotiations were going on between the principal employer and the workers. On the intervention of the Assistant Labour Commissioner the workers agreed to join

their duties and they offered to join their duties on 3-10-1978 after calling off their strike. By no stretch of imagination it can be said that the workers at any time meant or intended to give up their job. In these circumstances the theory of abandonment of service has to be negated. Moreover the Company, as admitted by it, had called upon the workers to join their duties for their own interest and for the interest of the Management. The Management was, therefore, quite well aware of the fact that the workers had gone on strike for fulfilment of some of their demands. It is therefore not understood as to how the Company could take a view that the workers had abandoned or left their service of their own accord. In any view of the matter clause 21 of the Standing Order could not be relied on by the Company so as to terminate the services of the workmen. This contention must therefore fall on the ground. I would therefore hold that termination of the services of the workmen or refusal of employment to the workmen (from whichever angle we may view) was neither legal nor justified. The 608 workmen have not voluntarily abandoned their services. The employer has refused employment to them.

6. The next question that arises for consideration is whether these 608 workmen should be taken into service with payment of compensation. It is the evidence of witness No. 1 for the Mining Company that out of 608 employees, 382 have been re-employed. The same effect is the evidence of witness No. 2 who says that 300 to 350 workmen presented themselves and they accepted them. He has further stated that whoever came was re-employed. From Ext. 14 it appears that in response to the notice of the company dated 20-9-1978, out of 852 heads miner, 381 heads wagon loader and 32 heads driller, 611 heads miner, 20 heads wagon loader and 26 heads driller have already reported for their duties. 241 heads miner, 361 heads wagon loader and 6 heads driller did not report to their duties. This would go to show that 608 workers did not report to duty on 4-10-78. This statement has been made by witness No. 1 with reference to the 'B' register. The statement as per Ext. B would indicate that the workers had joined afresh on different dates. This statement as well as the evidence of witness No. 1 for the Company has not been challenged by the workmen. I would therefore accept the genuineness of Ext. B and hold that these 382 workers had already been given employment on different dates. The remaining 226 workers do not appear to have been in employment after 4-10-78. The contention of the Union that all the 608 workmen have not been given employment after 4-10-78 can not therefore be accepted. It is only 226 workmen who had been refused employment on 4-10-1978 have gone without any employment. In fact it is not the case of the Union or any one of the 382 workers (who were appointed afresh) that they were again removed from service by the Mining and Transporting Company. No such dispute appears to have arisen or raised by anybody. It is the case of the Mining and Transporting Company that they closed their business with effect from 1-9-1981 and one would normally presume that alongwith other workers, these 382 workers were either engaged elsewhere or preferred to go without employment. If that is the position, the claim of the Union so far as these 382 workers for their reinstatement in service and back wages can not be accepted.

7. We have next to examine whether 226 workers who were refused employment by the Mining and Transporting Company on 4-10-1978 can be reinstated in service and can not be made entitled to the payment of back wages. I have held earlier that the refusal of employment to all the 608 workers by the Mining and Transporting Company on 4-10-1978 was neither legal nor justified. They were therefore, entitled to reinstatement in service. It is the case of the Mining and Transporting Company that it closed its business on 1-9-1981. But the closure of business, if any, was in relation to the Kalta Iron Mines. In other words their contract with the Kalta Iron Mines ceased and the Mining and Transporting Company was no more concerned with the lifting and raising of iron ores. The effect of cessation of such a contract on the workmen may be next examined. In this connection we have to find out whether the Kalta Iron Mines was or was not the employer so far as these workmen are concerned. In this connection reference may be made to a decision

reported in AIR Supreme Court page 1410 it has been held :

"Whether a workers or group of workers labours to produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer. He has economic control over the workers' subsistence, skill, and continued employment. If he for any reason, chokes off, the worker is, virtually, laid off. The presence of intermediate contractors with whom alone the workers have immediate or direct relationship ex contractu is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors governing employment, it is found, though draped in different perfect paper arrangement, that the real employer is the Management, not the immediate contractor."

On the guidelines indicated in the aforesaid decision we may examine the facts of the present case. Admittedly the workmen were engaged in the work of raising, loading and unloading of iron ores from the Kalta Iron Mines and the iron ores so collected were being used by the Rourkela Steel Plant. It is no doubt the case of the Rourkela Steel Plant that they had employed the Mining and Transporting Company as their contractor for raising and transporting iron ores. It was no doubt a part of the contract that the contractor would engage its own labourers, vehicle and other materials for performing the aforesaid work. It is also admitted the case that the contractor i.e. Mining and Transporting Company had engaged the workers and was paying the wages. The fact however remains that the goods produced by the workers was for the Rourkela Steel Plant and that they were the real pay master. It has been admitted by the Manager of the Kalta Iron Mines as witness No. 3 for the Management No. 2 that the contractor was not competent to sell the ore to outsiders. Blasting was done by the Steel Authority of India Limited. Contractors were taking the decision regarding the manner of raising of iron ores and the place. The Rourkela Steel Plant in para 10 of their written statement have taken stand that the Union had entered into an agreement on 28-8-81 that the Management of Kalta Iron Mines when it was agreed that all the retrenched workmen of the existing contractors would be engaged by the new contractor. If it is so, it is reasonable to assume that the Management of Kalta Iron Mines was concerned with the workmen and the wanted under the agreement that all the retrenched workmen (effective from 1-9-81) should be engaged by the new contractor. This also gives indication that the workmen engaged in raising and transporting the iron ores for Rourkela Steel Plant were concerned with their employment and were not very much bothered about the change of the contractor. Taking all these facts into consideration it would be reasonable to hold that Rourkela Steel Plant is the real employer. The cessation of the contract between the Rourkela Steel Plant through Kalta Iron Mines and the Mining and Transporting Company could have no effect so far as the workers are concerned. This is not a case of closure of the undertaking i.e. the Kalta Iron Mines. The 226 workers who were thrown out of the employment with effect from 4-10-78 could therefore reasonably claimed reinstatement under the Management with effect from 4-10-78. The Mining and Transporting Company with whom the Rourkela Steel Plant had a subsisting contract till 1-9-81 were liable to pay wages of these 226 workers from 4-10-78 till 1-9-81. The Rourkela Steel Plant which is the real employer is also liable to take them into service with effect from 1-9-81. It is however not known if these 226 workmen have not been gainfully employed during the period from 4-10-78 till now. No specific issue was framed in this regard. In order to effectively decide the question of payment of compensation or back wages it would be necessary to hear the parties afresh. I would therefore call upon the parties to come with evidence on this question.

8. I may disposed of one legal issue that was raised before me in course of argument. It has been contended both on behalf of the Mining and Transporting Company and also the Rourkela Steel Plant that the Union without any proof that 608 workmen were members of the Union could not have raised the present dispute. As admitted by the Mining and Transporting Company 608 workmen named

in the reference were engaged by them and that they have terminated their services. It is not in dispute that the Union which has espoused the cause was operating in the area. The Union therefore, could at least be held to be connected with the dispute. As rightly submitted by the learned representative for the workmen the dispute being one relating to termination of service could be raised by the workers themselves. Therefore whether the espousal of the cause of the workmen by the Union has been in accordance with law or not, the fact remains that an industrial dispute is in existence and that being the position the Tribunal has jurisdiction to decide the dispute. It was next submitted on behalf of the Rourkela Steel Plant that no workers having been examined in this case, it may be assumed that the workers are not interested in the dispute. It is not possible to accept such a broad proposition. If the cause of certain workmen is safeguarded by the executive of any Union connected with the dispute and if they are able to prove the case of the workmen there may not be any difficulty in granting proper relief to the workmen. In that view of the matter the non-appearance or non-examination of any workmen would not be fatal to this proceeding. Before passing the final Award I would call upon the parties to adduce evidence regarding gainful employment or otherwise all the 226 workmen tendered to above on 26-12-86. Inform all the parties.

R. N. PANDA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1992

का. आ. 581:—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. मँगनीज ओर (इण्डिया) लि. नागपुर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्म-कारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 27012/1/88-डे-III(बी)]

डी. एम डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd January, 1992

S.O. 581.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-1-92.

[No. L-27012/1/88-D III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(36)/1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of Manganese Ore India Ltd., Nagpur and their workman, Shri Keshiram Sitaram C/o. Shri S. O. Gupta, Vice President, Bharatiya Manganese Mazdoor Sangh, at/Post Tirodi, District Balaghat.

APPEARANCES:

For Workman—Shri S. O. Gupta.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Manganese Ore Mining

DISTRICT : Balaghat (M. P.)

AWARD

Dated the 8th January, 1992

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-27012/1/88-D.III(B) dated 6th February, 1989, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of M/s. Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur in discharging Shri Kashiram Sitaram, Blaster from service w.e.f. 1-10-1983 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?”

2. Although the parties have filed their respective statement of claim, rejoinder by the management and certain documents by the parties, but the workman is not appearing since last number of hearings i.e. right from the beginning. The case was registered on 16-2-89. Workman never appeared to prosecute his case. It appears that the workman has no interest in the case. I therefore record a no dispute Award and pass no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का. आ. 582:—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, व श्रम न्यायालय, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/131/89 आई आर (बी III)]

मुभाष चन्द शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 582.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-1-92.

[No. L-12012/131/89-IR (B). III]

S. C. SHARMA, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. 130/89

Prithvi Pal

Vs.

State Bank of India

For the workman—None.

For the Management—Shri Ashok Khullar.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12012/131/89-I.R.(B.III) dated 11-8-1989 issued U/S 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for decision:

“Whether the action of the management of State Bank of India in relation to the Regional Manager, Region II, State Bank of India Local Head Office, 17-B Chandigarh in dismissing Shri Prithvi Pal Ex-Messenger from the Office of the Bank, w.e.f. 19-2-1983 is legal and justified? If not, to what relief, the workman concerned is entitled to?”

2. In the present case registered notice was issued to the petitioner but neither he nor his representative put up appearance. Last registered notice was issued on 12-9-91 for 8-1-92. Even today none put up appearance and the registered cover is also not been received back. It seems that the petitioner is not interested to pursue his case. In view of the same reference is dismissed in default and returned to the Ministry.

Chandigarh.

Dated: 8-1-1992.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

[No. L-12012/131/89-IR (B. III)]

S. C. SHARMA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1992

का. आ. 583:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल-12012/162/90-आई आर (ब-3)]

सुभाष चन्द्र शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd January, 1992

S.O. 583.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 22-1-92.

[No. L-12012/162/90-IR (B. III)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(204)/1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Gwalior and their workmen, Shri Raghur Singh Baghel, represented through the State Bank of India Employees Union (Bhopal Circle) C/o State Bank of India, Gandhi Colony Branch, Indore (M.P.)-452001.

APPEARANCES:

For workman—Shri I. P. Choukse.

For Management—Shri S. L. Aggarwal.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Gwalior-I (M.P.)

AWARD

Dated: January 8th, 1992

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/162/90-IR(B-3) dated 17-10-1990, for adjudication of the following dispute—

“Whether the action of the management of State Bank of India through Chief Regional Manager, Gwalior, in stopping six annual increments with cumulative effect of Shri Raghur Singh Baghel, order 21-2-86, is justified? If not, to what relief the workman is entitled to and from which date?”

2. The case was registered on 22-10-90. Neither party filed their respective statement of claim despite several opportunities were given to them.

3. None appeared on behalf of the workman for the last three hearings. It appears that the workman has no interest in the case. No dispute award is therefore passed without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का. आ. 584:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स टिस्का लिमि. की सिजुआ भेलतंड कोलियरी के प्रबन्धन में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 1), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल-20025/8/87 ड-3(ए)/आई आर (कोल-I)]

के.जे. देवप्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 584.—In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. D), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sijua Bhelatand Colliery of M/s. TISCO Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on the 21-1-92.

[No. L-20025/8/87 D-3(A)|IR(Coal-D)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)
(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 9 of 1987

PARTIES:

Employers in relation to the management of Sijua Bhelatand Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Company Limited.

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri S. K. Mitra,
Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers.—Shri B. Lal, Advocate.

For the Workmen.—Shri R. S. Murthy, Advocate

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 31st December, 1991

AWARD

By Order No L-20025/8/87-D.III(A), dated. the 31st August, 1987, the Central Government in the

Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

‘Whether the action of the management of Sijua Bhelatand Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Company Limited in dismissing from service their workmen, S/Shri Rizwanul Haque and 13 others (as in the list below) from 28th September, 1975 was justified ? If not to what relief are these workmen entitled ?’

List of workers

1. Abul Azin
2. Ganesh Prasad
3. Md. Sagir Ansari
4. Md. Shamsuddin
5. Md. Hussain
6. Tirllok Singh
7. Shabir Ahmed
8. Md. Rafique
9. Abdul Razzaque
10. Abdul Bari Ansari
11. L. K. Sarkar
12. Shahabuddin Khan
13. Hiro Mahato

2. The case of the management of Sijua Bhelatand Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Company Limited, as disclosed in the written statement-cum-rejoinder, details apart, is as follows:

The present reference is bad in law and on facts. The reference on the face of it is not maintainable in that the management of Sijua-Bhelatand Colliery of M/s. TISCO Ltd. never dismissed the persons named in the schedule to reference. There was no demand for and on behalf of the persons concerned against any order of dismissal. The case of the persons concerned is that they were retrenched with effect from 28-9-1975 and they never stated that they were dismissed from service. Dismissal and retrenchment do not carry one and the same meaning. Dismissal is always made for committing some misconduct. Retrenchment is simply termination of service. The two words are known in industrial jurisprudence for carrying different meaning. There was no relationship of employer & employee between the employer & the person concerned. The management has a large regular labour force at their different collieries including Bhelatand Colliery and occasionally certain specific jobs for specific period which are not of permanent nature are awarded on contract. Abdul Hassan Khan was engaged as a contractor for completing some jobs which were for very specific period. He employed some persons and thereafter left the contract. The persons concerned made a complaint to the Labour Enforcement officer Asstt. Labour Commissioner that the contractor left the contract without making their full and final payment. The management was informed by the Labour Enforcement Officer/Asstt. Labour Commissioner as the principal employer and it was decided

by the Labour Enforcement Officer/Asstt. Labour Commissioner, after hearing the parties, that they were not the employees of M/s. TISCO. However, it was decided that the management should pay wages claimed, by these persons against the contractor and the same might be realised from the bills payable to the contractor by the management. As a gesture of good will the management paid the dues to the persons concerned which was payable to them by the contractor. Later, these persons under the advice of some interested persons, resorted to speculation claiming that they were directly working under the present management and they were verbally stopped/retrenched with effect from 28-9-75. Conciliation was held and the failure report was sent by the Conciliation Officer as no settlement could be arrived. Thereafter the Central Government refused to make reference to an Industrial Tribunal holding that there was no case for reference as there was no employer and employee relationship between the management and the persons concerned by letter dated 29-10-1977. The persons concerned again represented before the Govt. of India through their application addressed to the then Labour Minister for reconsideration of the matter. The Central Government again considered the matter and informed the person concerned that there was nothing to revise the decision already communicated to them by letter dated 6-10-78. Thereafter the persons concerned filed a Writ petition, being C.W.J.C. No. 696 of 1979(R), before Hon'ble High Court, Patna (Ranchi Bench) for direction to refer the industrial dispute for adjudication. The main ground taken in the Writ petition is that the relation of employer and employees could be adjudicated by the Industrial Tribunal/Labour Court and not by the Government. The Hon'ble High Court, after hearing the parties, directed the Central Govt. to consider the matter and refer the industrial dispute for adjudication. Thereafter the Central Govt. has referred the present dispute to this Tribunal for adjudication. The persons concerned were never in direct and regular employment of the management. They were never required to work regularly by the contractor and they hardly worked for 75 to 100 days in all. They were employed by the contractor for a very specific and limited period so they cannot have any claim for regular work and their termination cannot be claimed as retrenchment.

3. The case of the majority of the workmen, namely, Abul Azin (Sl. No. 1), Ganesh Prasad (Sl. No. 2), Sagir Ansari (Sl. No. 3), Md. Shamsuddin (Sl. No. 4), Md. Sagir Ansari (Sl. No. 3), Md. Shamsuddin (Sl. No. 4), Shabir Ahmed (Sl. No. 7), Md. Rafique (Sl. No. 8), Abdul Razzaque (Sl. No. 9), Abdul Bari Ansari (Sl. No. 10), L. K. Sarkar (Sl. No. 11), Shahabuddin Khan (Sl. No. 12) and Hiro Mahato (Sl. No. 13), as appearing in the written statement submitted by them briefly stated, is as follows :

The term of reference absolutely makes it clear that the concerned workmen were working under the management and that their services were illegally terminated by the management with effect from 28-9-1975. The concerned workmen and three others were employed under the management from 1974 and their services were illegally terminated by the management which amounted illegal retrenchment. Dismissal of a workman from service has a wide amplitude and it

includes termination of service of a workman by the management by way of illegal retrenchment. Hiro Mahato expired on 26-12-85 and in his place the present claim/written statement is submitted by his son (legal heir) Puran Mahto. One Abdul Hassan was labour recruiting agent and his job was to get qualified persons recruited for the work and benefit of the owner of the collieries for which he used to receive commission. The concerned workmen were employed by the management through Abdul Hassan Khan in different capacity, such as, pump khalasi, electrical fitter, helper mazdoor and mechanical fitter. They used to get their wages from the management. But the management unlawfully terminated their services with effect from 28/9-75 after they put in a continuous service for more than one year under the management. Each one of them was employed continuously by the management in underground sections of Bhelatand Colliery for more than 190 days in a continuous period of 12 months. They, after termination of their services made several representations before the concerned authorities but no effect. Thereafter on or about 23-8-76 they made a demand on the management by issuing a letter addressed to the Divisional Manager of the collieries of the management. They were not also paid their wages by the management for different periods. The matter was referred to the Asstt. Labour Commissioner (C)/Conciliation Officer, Dhanbad who intervened in the matter and they got a portion of their wages, but the remaining portion as well as profit sharing bonus and other monetary benefits to which they are entitled to remained due. Thereafter they raised an industrial dispute in the course of which they submitted a number of documents and asserted that Abdul Hassan Khan could not have been a contractor within the meaning of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 in as much as he did not have any definite contract to do a particular job. Abdul Hassan Khan had a contract with the management for recruitment of labour for and on behalf of the management and as such although they were appointed through his agency, they never became the employees under him. Anyway, conciliation proceeding ended in failure. But the Government of India refused to refer the dispute for adjudication. Then again, they made a representation to the Minister of Labour through Md. Rizwanul Haque. But since no response was made, they again made a representation to the Secretary, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi. Thereafter the Central Government, by letter dated 6-10-78, intimated that the Government had declined to revise its earlier order dated 27-10-77 refusing to make a reference of the dispute for adjudication. Thereafter they again made a further representation to the Government of India, Ministry of Labour by petition dated 4-1-79. They received no reply. In the circumstances they were constrained to file Writ petition before Hon'ble Patna High Court (Ranchi Bench) challenging the decision of the Ministry of Labour, Government of India. The Hon'ble Court directed the Central Government for passing an appropriate order with regard to the dispute raised by them and thereafter the present reference has been made to this Tribunal. The concerned workmen asserted that they were employed directly by the management for more than one year in underground mine of Sijua Bhelatand

and they all have put more than 190 days attendance in a continuous period of 12 months. The action taken by the management in terminating the services of the concerned workmen amounts to illegal retrenchment and such action is contrary to and in violation of the relevant provisions of the Industrial Disputes Act. Termination of their services amounted to illegal retrenchment and they should be deemed to be continued in service from 28-9-75 except Hiro Mahto in whose case he should be taken to have continued in service till the date of his death. They are entitled to reinstatement in service with full wages.

4. In rejoinder to the written statement of workmen concerned, the management has stated that the persons named in the terms of reference were never employed by the management at any time and the management never illegally terminated their services. It is wrong to say that the expression dismissal of a workman from service has a wide amplitude and it includes termination of service of a workman by the employer by way of illegal retrenchment. Hiro Mahto died long before the present reference and hence his case cannot be considered nor can his son be taken as a party in this case. The management has their own labour force of pump khalasi, electrical fitter, mechanical fitter and helper mazdoor and the persons concerned were never employed in those capacities by the management. It is totally false and baseless to claim that the concerned persons continuously worked for 190 days. The management paid some dues payable to the persons concerned by the contractor and it was decided that the same can be deducted from the bills of the contractor. The persons concerned never worked under the management and they never worked for 190 days or more even under the contractor. In fact, their employment by the contractor was for a very short period lasting till the job was performed and so they cannot set up a case of retrenchment on the plea that the services were stopped by the management. In the context of facts and circumstances, the concerned persons are not entitled to get any relief.

5. In rejoinder to the written statement of the management, the concerned workmen have reiterated that Abdul Hassan Khan was a labour supplier contractor and he was not their employer. The employer was the management of Sijua Bhelatand Colliery of M/s. TISCO Ltd. Dismissal includes all kinds of termination of services of workmen in the generic sense and in the present case termination of service of the concerned workmen was wholly illegal. The essence of the matter is that the workmen concerned have been illegally deprived of their employment and the management cannot be permitted to defeat their claim by raising technical objection. Besides, while adjudicating the industrial dispute, the Industrial Tribunals have wide powers and extensive discretion to construe the terms of reference. There existed undoubtedly employer-employee relationship between the management and the workmen concerned. The management does not keep a regular work force for all types of job. Even for perennial nature of jobs the management keeps contract labour and violates the provisions of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act. Abdul Hassan Khan was not engaged by the management for completing any particular job within a specified period nor was he employed for a specific period. He was a labour supplier and the wages of the con-

corned workmen were always a said by the management directly. The management took work from the workmen concerned, but did not pay them wages and when they were caught napping by the enforcement authority, they had no alternative other than to pay the wages to the concerned workmen. They were directly employed by the management for a long period and they all along worked in underground mine and that too for more than 190 days in a continuous period of 12 months. They are entitled to get full relief by way of reinstatement in service from 28-9-1975, and all other consequential relief.

6. The management, in order to prove its case, has examined three witnesses, namely, MW-1 Kusturi Lal Sharma, at present working as Senior Manager, Jamadoba Colliery of M/s. TISCO, MW-2 S. K. Kar, posted as Senior Personnel Officer in the Director's office at M/s. TISCO, Jamadoba and MW-3 Md. Farid Ansari, working in the office of Divisional Manager (Project) at Jamadoba and laid in evidence a sheet of documents which have been marked Exts. M-1 to M-24.

On the other hand, the concerned persons have examined two of them, namely, WW-1 Abul Azim and WW-2 Tirlok Singh. Besides, they have examined WW-3 B. N. Singh, earlier working in Bhetatand colliery and later transferred to Sijua Section and laid in evidence some documents which have been marked Exts. W-1 to W-3/2.

7. The present industrial dispute, as the terms of reference and schedule indicate, was raised by Md. Rizwanul Haque on behalf of himself and 13 other workmen, namely, (1) Abdul Azin, (2) Ganesh Prasad, (3) Md. Sagir Ansari, (4) Md. Shamsuddin, (5) Md. Hussain, (6) Tirlok Singh, (7) Shabir Ahmed, (8) Md. Rafique, (9) Abdul Razzaque, (10) Abdul Bari Ansari, (11) L. K. Sarkar, (12) Shahabuddin Khan, and (13) Hiro Mahato.

But the written statement filed on behalf of the workmen indicates that the industrial dispute is being pursued by 10 workmen and Puran Mahato, S/o a deceased workmen, Hiro Mahato. It appears from the evidence of MW-1 Abul Azim that Shabir Ahmed and Shahabuddin Khan got employment from the management subsequently. Shabir Ahmed is a signatory to the written statement, but Shahabuddin Khan is not. None of them has come forward to adduce evidence in support of their claim before this Tribunal. That being so, I am constrained to hold that these two workmen should be left out of the consideration in the present industrial dispute.

Rizwanul Haque who raised the present industrial dispute is not a signatory to the written statement nor has he come forward independently to vouch for his claim in the present dispute. MW-1 Abdul Azin has stated that he does not know whether Rizwanul Haque is alive or dead. In the circumstances, his claim should also be left out of the consideration in the present industrial dispute.

Abdul Razzaque and L. K. Sarkar whose names appear at serial nos. 9 and 11 respectively are not

signatories to the written statement nor have they come forward to support their claim in the present dispute. Necessarily their cases should also be left out of consideration in the present case.

Admittedly, Hiro Mahato whose name appears at sl. no. 13 is dead. His son Puran Mahto has signed written statement. There is no evidence on record to indicate as to when Hiro Mahato left the mortal world. Puran Mahato has not claimed employment in the present dispute as a dependent of his father, Hiro Mahato. Necessarily it has to be established by evidence that Hiro Mahato was alive at the time when the present industrial dispute was referred for adjudication to this Tribunal. Puran Mahato has not come forward to vouch for the fact as to when his father Hiro Mahato died. The evidence on record does not also indicate as to when Hiro Mahato died. It follows, therefore, that the case of Hiro Mahato shall be left out of consideration in the present case. Hence, the case of only 8 workmen, namely, (1) Abul Azin (Sl. No. 1) (2) Ganesh Prasad (Sl. No. 2), (3) Md. Sagir Ansari (Sl. No. 3), (4) Md. Shamsuddin (Sl. No. 4), (5) Md. Hussain (Sl. No. 5), (6) Tirlok Singh (Sl. No. 6), (7) Md. Rafique (Sl. No. 8) and (8) Abdul Bari Ansari (Sl. No. 10) falls for consideration in the present industrial dispute. For brevity and convenience I shall refer to these eight workmen as concerned workmen herein-after.

8. The essence of the case of the management, as disclosed in the written statement is that Abdul Hussain Khan was engaged as contractor for completing some job which was for a very specific period and it so happened that he employed some persons, left the contract and the concerned workmen made complaint to the Labour Enforcement Officer that the contractor had left the contract without making their full and final payment and at the instance of Labour Enforcement Officer/Asstt. Labour Commissioner it was decided that the management should pay wages claimed by the concerned persons against the contractor and the same might be realised from the bills payable to the contractor by the management and the management did pay the dues to the concerned workmen as a gesture of goodwill. In other words, the men were engaged by Abdul Hussain Khan and they were never the workmen of the management and as such there existed no relationship of employer and employee between and the management and them.

On the other hand, the case of the concerned workmen as disclosed in the written statement is that they were employed under the management from 1974 and that their services were illegally terminated by the management with effect from 28-9-1975. It is their further case that one Abdul Hussain Khan was Labour Recruiting Agent and his job was to get qualified persons recruited for the work and benefit of the owner of the colliery for which he used to receive commission and that they were employed by the management through Abdul Hussain Khan in different capacities, such as, pump khalasi, electrical fitter, helper mazdoor and mechanical fitter and that they used to get their wages from the management.

9. At the time of hearing the management revamped and refurbished its case by examining MW-1 Kasturi Lal Sharma, presently working as Sr. Manager, Jamadoba Colliery of M/s. TISCO, who has stated that way back in 1971-72 M/s. TISCO decided to increase the capacity of steel production and in order to achieve this the management decided to mechanise the collieries and expand its capacity. For this purpose, the evidence of Shri Sharma reveals, a special cell called Colliery Expansion Project was created in 1972 after obtaining approval from the Government and he was posted at Bhelatand for sinking of Pit Nos. 1 and 2 for deepening of the mine since the existing seam over-line was exhausted. According to him, deepening of shaft is a very specialised nature of work which highly skilled and competent contractors were given the job. M/s. Cementation Ltd. which is a reputed contractor was given the charge of sinking of Bhelatand Shaft. As a matter of fact, this firm started sinking of the shaft some time in 1973 and when the shaft sinking process in Pit Nos. 1 and 2 in Bhelatand Project was going on, the regular coal raising operation in that colliery was not continuing. His evidence further indicates that the management engaged another contractor, Abdul Hussain Khan to execute the job directly proximate to and in connection with the shaft sinking operation of the two pits and that Sri Khan was given the job of making drivage in 15 Seam. Thus, it is seen that the management has introduced a new case of engaging Abdul Hussain Khan as contractor for the job of drivage required in the process of deepening of shaft for extension of mine in order to expand its capacity. A sheaf of documents has been filed by the management to prove that the licence was obtained for the job of expansion of mine from the Government (Ext. M-1 and Ext. M-11) and that the job of deepening shaft was awarded to M/s. Cementation Ltd. a firm of contractors (Exts. M-13, M-14, M-15, M-16, M-17, M-18, M-19, M-20, M-21, M-22 and M-23). The management has also produced a letter on the subject of award of contract for drivage in 15 Seam at Sijua to Abdul Hussain Khan dated 9/15-7-74 (Ext. M-10). This is an unsigned letter and in terms of this letter Shri Khan was directed among others to drivage through solid coal and removal of coal and any other operation connected with the job and also to supply any category of persons on hazree in connection with the job and he would be paid category-wise in accordance with the existing rules of the Company. According to the evidence of MW-2 S. K. Kar, posted as Senior Personnel Officer in Director's office of M/s. TISCO at Jamadoba, when any contractor is engaged by the management, an agreement is executed between the management and the contractor. In the present case no such formal agreement has been produced. Then again, the letter issued by the management to Abdul Hussain Khan as referred to above is an unsigned letter. Nevertheless this letter indicates that Abdul Hussain Khan was directed to supply, among others, any category of person on hazree in connection with the job of drivage in 15 seam at Sijua Colliery. Thus, it is evidenced that Abdul Hussain Khan, a contractor, was directed to supply contract labour for the work of the establishment of the management. A contractor, in relation to an establishment, means, among others, who supplies contract labour for any work of the establishment as per Sec. 2(1)(b) of

the Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970. Hence, Abdul Hassan Khan was, as the evidence reveals, as much a contractor for execution of job as a contractor for supply of labour for the establishment of the management. The management could not produce any bill submitted by the contractor to prove that the wages of the concerned workmen were drawn by him from the management. This also indicates that Abdul Hussain Khan was a contractor for supply of labour as well.

10. The management has taken no plea in the written statement that Abdul Hussain Khan was engaged for the job of drivage in 15 Seam at Sijua colliery or for the matter of that he was engaged for the job incidental to shaft sinking for deepening of mine. MW-1 Shri Sharma has stated that the company had an agreement with Abdul Hussain Khan, the contractor, expressed through work order issued to him and that the management of the company is in a position to file a copy of that work order. He has further stated that the company is in a position to produce bills raised by the contractor and payment made to the contractor by the company. Despite the claim of Shri Sharma, the management could not produce the work order issued to Abdul Hussain Khan. Even if the letter issued to Abdul Hussain Khan (Ext. M-10) is considered as a work order, the management could not produce even a single bill raised by the contractor and that payments were made to the contractor.

The case of the management is that occasionally certain specific job for specific period which are not of permanent nature are awarded on contract. The letter to Abdul Hassan Khan (Ext. M-10) does not indicate that it was for a specific period.

On the other hand, the concerned workmen have examined two of them, WW-1 Abdul Azim and WW-2 Tirlok Singh. Abdul Azim has stated in his evidence that other concerned workmen and he himself worked in Bhelatand colliery of M/s. TISCO from January, 1974 to 28-9-75 and during this period they had worked regularly in Bhelatand colliery and all of them worked in underground mine of the colliery and the management stopped them from work with effect from 29-9-75. According to him, in 1974 all of them worked for 270 days and their attendance was recorded in Form 'C' Register as they had worked underground. They were provided with cap lamps while going to work in underground mine and that was recorded in the Cap Lamp Register. He has further disclosed that he was working as helper mazdoor assisting the pump operator in operating pump. Shahabuddin was working as a helper, Abdul Bari Ansari as electrician while Hiro Mahato as fitter, Rizwanul Haque as pump operator, L. K. Sarkar as helper mazdoor and the rest as pump operator or khalasis. WW-2 Tirlok Singh has stated that they stated working in Bhelatand colliery of M/s. TISCO from January, 1974 and worked there till 29-9-75 and during that period they had worked regularly and continuously in the colliery. As a matter of fact, they worked for 500 days or more in the colliery during this period and their attendance was recorded in Form 'C' register and all of them had worked in underground mine. According to him, while they were all deployed to work in underground mine, they used to be provided with cap lamp, shoes and helmet

by the management and whenever cap lamps were provided to them, they had to sign Cap Register and the management used to provide them with work implements. He has further stated that overmen and mining sirdars used to supervise their work and they used to get wages from the management along with other workmen of the management through pay counter of Sijua colliery. He and Abul Azin have stated that Abdul Hassan Khan was a contractor for supply of labours and since they used to live in the neighbourhood of Bhelatand, they had talked with Abdul Hassan Khan over their engagement in the colliery and Abdul Hassan Khan handed them over to the management. WW-3 B. N. Singh, since retired from service, joined Bhelatand colliery as Mining Sirdar in 1951 and posted there till 1982, and thereafter he was transferred to Sijua Section and as per his statement, now both the collieries have become one unit. According to him, he was promoted to the post of Overman and thereafter to the post of Senior Overman. He has firmly stated that the concerned workman were working in 16 Seam of Bhelatand colliery for two years during 1974-75. He has also stated that Abdul Hassan Khan was labour in Bhelatand colliery. He has further stated that he had seen some of the concerned workmen working as pump khalasi and some as helper and that he had not seen them working at drivage.

The concerned workmen have produced form of appointment as competent person by the management issued in favour of Ganesh Prasad, Md. Sagir, Shabir Ahmed, Tirlok Singh, Shamauddin and Md. Rafuque as pump khalasi and Abdul Bari Ansari as electrician (Ext. W-1 series). They have also produced the duty list of the management of pumping staff which shows the names of Md. Sagir, Abdul Bari Ansari, Md. Rafuque, Shahabuddin, Md. Shamsuddin, Hiro Mahato and L. K. Sarkar (Ext. W-2 series) and direction of the management to issue cap lamps in favour of Md. Hussain, Azin and Rizwanul Haque (Ext. W-3 series). It has been asserted by WW-1 Abul Azin and WW-2 Tirlok Singh that their attendances were marked in Form 'C' Register since they worked underground mine and this could also be available from Cap Lamp Register. The management through the custodian of these documents, have not produced the same. Besides, the evidence of two concerned workman, B. N. Singh, who was earlier in the service of the management and promoted to the post of Senior Overman, has vouched for the fact that the concerned workman had worked as pump khalasi and helper during the years 1974-75. There is no reason to disbelieve his evidence. It has not been alleged by the management nor the management could prove that he joined hand wagon of the concerned workmen in order to bolster up their case by adducing false evidence.

Thus, from the evidence on record, I have no hesitation to hold that the concerned workman had worked in the Bhelatand colliery of the management during the year 1974 till 29-9-1975 in various capacity, such as, pump khalasi, electrical fitter and helper and in the process they put in attendance for more than 240 days in 1974 and at least 220 days in 1975. The nature of job performed by the concerned work-

men indicates that they are of permanent nature. The evidence on record also establishes that the concerned workmen worked under the supervision of the management and that their work implements were also provided by the management. Where a group of workers labours produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer. He has economic control over the workers' subsistence, skill, and continued employment. If he, for any reason, chokes off, the worker is, virtually, laid off. The presence of intermediate contractors with whom alone the workers have immediate or direct relationship contract is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors governing employment it is found, though draped in different perfect paper arrangement, that the real employer is the Management, not the immediate contractor. This principle has been laid down by the Supreme Court in the decision reported in 1978 Lab. I.C. 12649 Hussainbhai Vs. The A'ath Factory Teshilali Union and others. It may be mentioned that in the present case the concerned workmen went out of employment after they were stopped from job with effect from 29-9-75. This being so, I come to a firm conclusion that the management is the real employer of the concerned workmen and that there existed relationship of employer and employee between the management and the concerned workmen.

11. This conclusion is also reached by approaching the case from different angle.

In view of the provisions of Sections 7, 9 and 12 of the Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970 it is evident that (i) the principal employer should obtain a certificate of registration and (ii) the workmen can be employed on contract labour basis only through licenced contractor. In a situation wherein either of these two conditions is not satisfied, the position would be that a workman employed by intermediary would be deemed to have been employed by the principal employer. This principle of law has been laid down in the decision reported in the decision of Gujarat High Court reported in 1990 Lab. I.C. 1968 (Food Corporation of India Workers' Union Vs. Food Corporation of India and others). In the present case after the hearing was over the management produced certificate of registration of the establishment indicating that Abdul Hassan Khan was employed for the job of underground stone and miscellaneous job' and he was having a maximum work force of 39 (corrected later to 21). Even so, the management could not produce the licence issued to the contractor under the provisions of Contract Labour (Regulation & Abolition) Act. In the circumstances, the concerned workmen should be deemed to have been employed by the principal employer i.e. the management.

12. It appears from the evidence on record that the concerned workmen were stopped from duty with effect from 28-9-1975. Since they are held to be the workmen of the management, there was no justification for the management to stop them from work. Normally, the concerned workmen should have been reinstated in service with effect from 29-9-75. But regard being had to the financial condition of the coal

industry, I direct the management to reinstate the concerned workmen in service with effect from the date of the present reference i.e. 31-8-1987 and to pay them 50% of their back wages till they resume duties.

13. Accordingly, the following award is rendered---

The action of the management of Sijua Bhelatand Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd. in dismissing the concerned workmen, namely, (1) Abul Azin, (2) Ganesh Prasad, (3) Md. Sagir Ansari, (4) Md. Shamsuddin, (5) Md. Hussain, (6) Tirok Singh, (7) Md. Rafique and (8) Abdul Bari Ansari, from service is not justified. The management is directed to reinstate them in service with effect from 31-8-1987, place them in proper category and to pay them 50% of back wages from the date as aforesaid till they are allowed to resume duty. The concerned workmen are directed to report for duties within one month from the date of publication of the award.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20025/8/87. D III(A) | IR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1992

का. भा. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मेसर्स सी. सी. एल. की खास करनपुरा कोलियरी के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-24012/163/86डी-4(बी) आई/आर (कोल-I)]

के. जे. दैव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th January, 1992

S.O. 585.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Khas Karanpura Colliery of C.C.I. and their workmen which was received by the Central Government on the 21-1-92.

[No. L-24012/163/86-D.IV(B) | IR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD
PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1) (d) of the I. D. Act., 1947

REFERENCE NO. 127 OF 1987

280 GI/92-18

PARTIES :

Employers in relation to the management of Karanpura Colliery of Central Coalfields Limited, P.O. Sayal, Distt. Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri J. D. Lall, Advocate.

On behalf of the employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dated, Dhanbad, the 10th January, 1992

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012/163/86-D. IV(B), dated, the 10th April, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Khas Karanpura Colliery of Central Coalfields Limited, P.O. Sayal, Distt. Hazaribagh in terminating services of Sh. Balgovind Karmali, P. R. Loader on 22-10-86 his date of birth indicate in the certificate of School and without referring his case to the Medical Board is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. This is the case in which Shri Balgovind Karmali the concerned workman has challenged his date of birth as recorded in the Form B Register of the colliery. According to him he was born in the year 1947 but in the Colliery Register it has been wrongly recorded as 22-10-26.

3. He has filed W. S. stating that he was appointed as P. R. coal Cutter in Arra colliery Kujuarea of the CCL on 8-4-73. Admittedly he was transferred from Arra colliery to Khas Karanpura colliery in the year 1977 and since then he has been working as P. R. loader in Khas Karanpura colliery. He stated that as per School Certificate issued to him the date of birth is 22-2-47 but some how or other due to mistake of the clerk concerned his date of birth was recorded as 22-10-26 which according to the concerned workman was not correct. The concerned workman after having come to know wrong recording of the date of birth filed representation with the colliery management in the year 1982 for necessary correction in the register regarding the date of his birth but was not so done and lastly he was superannuated with effect from 22-10-86 illegally and arbitrarily.

4. The concerned workman has pleaded ignorance as to how and under what circumstances his date of birth was wrongly recorded in the colliery records. According to him the identity card was issued to him in the year 1974 but there also his date of birth has not been noted. Accordingly it has been

prayed that his termination from the services with effect from 22-10-86 was quite illegal and unjustified and accordingly it has been prayed further that the management be directed to reinstate the concerned workman to his original job with continuity of service and full back wages for the idle period.

5. The management has also filed separate W. S. Apart from legal objection, it has been stated that the workman immediately after his employment in Arra colliery declared his date of birth as 22-10-26 which was duly entered in the record of the management and also in the Form A under C. M. P. F. scheme which was duly attested by the concerned workman. The concerned workman attained 60 years of age on 22-10-86 and accordingly he was superannuated. It was further stated that as per instruction No. 37 of the NCWA-II dated 5-2-81 if there is no variation in the record of the management in regard to the date of birth of the workmen the issue will not be reopened and such cases will not be referred to the age determination committee/medical board, and also in the light of the implementation instruction of JBCCI. There is no question of placing any reliance on the so-called certificate of school. It was contended that the sanctity and legitimacy of the decision of the JBCCI cannot be jeopardised. Lastly it was contended that the employers have reason to believe that the person concerned indulged himself in fraud and dishonesty while making his present claim and that the so-called school certificate is fictitious and fabricated document. On these grounds it has been prayed that the reference be answered in favour of the management and the concerned workman is not entitled to any relief.

6. The concerned workman has based his claim on the basis of the original school leaving certificate (Ext. W-1) wherein the date of his birth has been recorded as 22-2-47 and according to the entry of this certificate the concerned workman will superannuate on 22-2-2007 after attaining the age of 60 years. The learned Counsel for the workmen has urged that no register or document worth the name has been filed by the management to establish the actual date of birth of the concerned workman. It was stated that the Form B Register is maintained by the management in which apart from other particulars, the date of birth of the each workman is noted and signature or the LTI as the case may be of the workmen is obtained. That Register has not been produced before this Court for the reasons based known to the management. Contrary to that it has been canvassed on behalf of the management that the things admitted need not be proved and the reference was made to para-3 of the W. S. filed by the concerned workman. From the recitals of the paragraph it seems that the concerned workman was aware that his date of birth was wrongly recorded as 22-10-26 in the colliery register and in such view of the matter it was not very necessary for the management to prove any register or the document.

7. The date of birth as recorded in the School leaving certificate is definitely considered to be the correct and authentic. In this regard there has been so many judicial pronouncement by the Honble Courts. But according to the management this document Ext. M-1 is forged and fabricated. Since the

genuineness of the document was at a stake, it was for the concerned workman to get the school register of the particular year called for. The School leaving certificate shows that the concerned workman was a student of Sikni Upper Primary School, Ramgarh, Hazaribagh. The concerned workman while deposing as WW-1 expressed his inability to call for the relevant register from Sikni Primary School. However, he has denied that Ext. W-1 was a forged and fabricated document and that the entries made thereunder was false. I think mere denial of the suggestion was not enough and in the peculiar circumstances of the case the School Register ought to have been called for just to give the seal of authenticity on Ext. W-1.

8. There is a medical certificate also certifying that the concerned workman was aged about 40 years on 30-8-87. Ossification of bone is the real test to ascertain the correct age of a person. But this certificate does not show that there was any such test. The concerned workman has stated in his evidence that he was not X-rayed. Ext. W-4 is the certificate of the Mukhiya concerned regarding the age of the concerned workman. But I do not think that the Mukhiya was the competent person to issue any such certificate. In this way we find that the certificates Ext. W-2 and W-4 are not very helpful to the concerned workman. Ext. W-5 is the affidavit sworn in by the concerned workman regarding his age. The concerned workman had also ventilated his grievance even before the Commissioner, North Chhotanagpur, Division, Hazaribagh. There is no other paper in favour of the concerned workman to prove his age. This itself manifest that the School Leaving Certificate is the only triumph card upon which the concerned workman has solely relied upon. I have already dealt with the pros and cons of this document and specially when the very genuineness of this document was called in question, it was highly demanded on the part of the concerned workman to call for the relevant school register and perhaps that would have solved the crux of the problem. The management has filed photo copy of the declaration Form Ext. M-1 which is maintained by the C. M. P. F. office. In the declaration from Balgovind Mistry has noted his date of birth as 22-10-26. That declaration was said to have been made on 2-3-72 when the concerned workman entered into the service. The concerned workman had put his LTI on the form. One question may arise as to why the concerned workman will be writing his date of birth as 22-10-26 when his date of birth as recorded in the School Leaving certificate was 22-2-1947. Normally a man is never supposed to make any declaration against his own interest. While drawing my attention towards Col. 11 of the declaration form it was urged on behalf of the management that mark of identification of the concerned workman has been noted as "cut" mark on the left hand but to a question put to the concerned workman he replied that he had no cut mark in his left hand. Relying upon this statement the learned counsel for the management critically argued that the concerned workman was not a real man and he being a fake person made his entry into the service from back door. In this connection I may state that there is no specific averment in the W. S. of the management that the concerned workman was an imposter and in the circumstances I doubt whether this aspect of the matter can be agitated at this stage when the con-

cerned workman has already rendered 15 years of service.

9. However a close examination of the declaration form will reveal something strange which may im-probabilise the genuineness of the document. When the concerned workman was born in 1926 then in the year 1972 he must be aged about 46 years when he entered into the service. Murtydevi the wife of the concerned workman has been made nominee of the entire amount of the C. M. P. F. There she has been shown aged 24 years. Now the question arises if the concerned workman was aged 46 years then, how his wife could be aged 24 years only and this may lead to inference that the concerned workman was born around about 1947. MW-1 has proved this declaration form but he cannot say about the correctness of its contents. I have taken into consideration all the evidence both oral and documentry. I have dealt with Ext. W-1 as also Ext. M-1. These two documents in my opinion are not authentic and therefore this is the fit case in which the concerned workman should be examined by the medical board just to assess his age. In the circumstances the management is directed to get the concerned workman examined by the Medical Board duly constituted by the management with due notice to the concerned workman within one month from the date of publication of the Award. The decision taken by the medical board regarding the age will be final and superannuation of the concerned workman will depend upon the age assessed by the Medical Board.

An award is passed accordingly.

B. RAM, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1992

का. आ. 586.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार रेलवे मेल सर्विस भोपाल के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40011/21/89/डी II (बी) (पार्टे)]

के. वा. बी. उण्णा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th January, 1992

S.O. 586.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Railway Mail Service, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 23-1-1992.

[No. L-40011/21/89-D. II (B) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE HON'BLE SHRI V. N. SHUKLA,
PRESIDING OFFICER

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBU-
NAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

1. CASE NO. CGIT/LC(R) (136)/1990

2. CASE NO. CGIT/LC(R) (137)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Superintendent, Railway Mail Service, Bhopal (M. P.) and their workmen Shri Amar Singh C/o Shri Shyam Lal (Case No. 136/90) and Shri Gopal Prasad Gaur & others (Case No. 137/90), represented through the Circle Secretary, Bhartiya Telephone Karamchari Sangh (BMS), 44/26, South T.T. Nagar, Bhopal (M.P.).

APPEARANCES :

For Workmen .. Shri B. L. Tiwari

For Management .. Shri N. P. Goswamy

INDUSTRY : Railways .. DISTRICT : Bhopal (M.P.)

AWARD

DATED : 10TH JANUARY, 1992

Since in both the above references common points against common management are involved both these cases are disposed of by a common award/order.

2. References are as follows :—

1. Reference Notification No. L-40011/20/89-D-2(B) dated 15-5-90 (registered as Case No. 136/90 in this Tribunal).

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of the Superintendent, Railway Mail Service, M.P. Dn., Bhopal in not permitting the workers Sh. Karan Singh, Kamlesh Kumar, Chanda Dass and Sh. Amar Singh w.e.f. 13-7-86 is justified or not. If not to what relief the workers are entitled to?”

2. Reference Notification No. L-40011/21/89-D-2 (B) dated 15-5-90 (registered as Case No. 137/90 in this Tribunal).

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Supdt., Railway Mail Service, Bhopal in terminating the services of Sh. Gopal Prasad Gour & Sh. Ramdulare Tiwari is justified? If not, to what relief the workmen is entitled to?”

2. Since we have to deal with cases of six different workmen of the management we will have to deal with them separately one by one.

3. Ref. No. 136/90. This Ref. No. 136/90 relates to Shri Karan Singh, Kamlesh Kumar, Chanda Dass and Shri Amar Singh. They were the workmen working with the management on daily wages. Their services are said to have been determined with effect from 12-7-86.

4. According to the workmen, they were employed in August, 1982 and they worked until 12-7-86 continuously and without any interruption. Their services were terminated without complying the provisions of Sec. 25-F of the I. D. Act. They are therefore entitled to be reinstated with full back wages, regularisation and all other benefits.

5. According to the management, the workmen Shri Amar Singh, Chandra Das and Kamlesh Kumar were engaged in place of leave vacancies of Shri

Shyam Sunder, Mool Chand and A. K. Dixit, on their own responsibility. There was a joint declaration for these workmen that they will have no claim at all to the post and will leave the post as soon as regular E. D. M. M. returned. Their service conditions are governed by the E.D.A. Conduct and Service Rules, 1964.

6. Shri Karam Singh, was, however, engaged for excess work as and when required, as daily rated mazdoor. He was never engaged continuously and does not therefore come within the meaning of workmen under the I. D. Act.

7. They had no continuity of service, they have not completed 240 days continuous service and their claim is unjust and is liable to be rejected.

8. Ref. No. 137/90 : Coming to the Ref. No. 137/90, it relates to the cases of Shri Gopal Prasad Gaur and Shri Ramdulare Tiwari. Shri Gopal Prasad Gaur, according to him, worked from May 1985 till the date of his termination. Shri Ram Dulare Tiwari worked from July 1982 till the date of termination. They worked continuously and their services have been orally terminated in violation of Sec. 25-F of the I.D. Act. Thus they are entitled to be reinstated with back wages and all consequential benefits.

9. According to the management, Shri Ramdulare Tiwari and Shri Gopal Prasad Gaur were engaged for excess work in the department as and when required as daily rated mazdoors. Shri Ram Dulare Tiwari worked intermittently during the period July 1982 to July 1984. Shri Gopal Prasad Gaur worked from May 1985 to July 1986 and since there was no work they were not engaged thereafter. They have not completed 240 days continuous service and they are not entitled to the relief as claimed.

10. The Schedule to both the references was the issue for determination in both the references.

FINDINGS WITH REASONS :

11. Both the cases were fixed for 6-1-1992 on which date the management remained absent and cases proceeded ex parte against the management.

12. We have got affidavits of the workmen concerned before us.

13. According to the affidavits in Case No. 136/90 Shri Karan Singh worked from 15-4-82 to 15-7-86, Shri Kamlesh Kumar from 7-5-84 to 30-7-86. Chanda Das from 1-8-82 to 12-7-86 and Shri Amar Singh from 1-8-82 to 15-7-86 continuously. They have further stated that their services were terminated without complying with the provisions of Sec. 25-F of the I. D. Act. Obviously the workmen had completed more than 240 days continuous service in the light of the affidavits filed by them. It is not disputed that provisions of Sec. 25-F of the I. D. Act have not been complied, hence all these workmen are entitled to be reinstated with continuity in service and back wages. They are entitled to be regularised also.

14. So far the cases of Shri Gopal Prasad Gaur and Shri Ram Dulare Tiwari (Case No. 137/90) are concerned, they have not pleaded as to on what date their services were terminated. The order of reference is silent on this point.

15. According to the management and as I have already pointed out, Shri Ram Dulare Tiwari worked intermittently during the period July 1982 to July 1986 and Shri Gopal Prasad Gaur from May 1985 to July 1986. There is no evidence that there was break in service. There is no evidence that provisions of Sec. 25-F of the I.D. Act were complied with. From the above facts as also from the affidavits of the workmen concerned it is established that they they have worked for more than 240 days continuous service and for want of compliance of provisions of Sec. 25-F of the I. D. Act their retrenchment is void. They are also entitled to be reinstated in service with all back wages and continuity in service and regularisation etc.

16. Reference No. 136/90 and 137/90 are answered as follows :—

Ref. No. 136/90 :

The action of the management of the Superintendent, Railway Mail Service, M. P. Dn. Bhopal in not permitting the workers Sr. Karan Singh, Kamlesh Kumar, Chanda Das and Sh. Amar Singh w. e. f. 13-7-86 is not justified. They are entitled to be reinstated with all back wages, continuity in service and all other consequential reliefs. No order as to costs.

Ref. No. 137/90 :

The action of the Management of Supdt., Railway Mail Service, Bhopal in terminating the services of Shri Gopal Prasad Gaur and Shri Ramdulare Tiwari is not justified. They are entitled to be reinstated with all back wages, continuity in service and all other consequential reliefs. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-40011/21/89-D. II(B) (Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1992

का. आ. 587 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार शिवालिक फैक्ट्री जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल 14012/8/89 डी II (बी) (भाग)]
के. वा. बी. उष्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th January, 1992

S.O. 587.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of vehicle Factory Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 23-1-92.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (5)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Vehicle Factory, Jabalpur and their work-
man, Shri Shiv Kumar Khare, D.G.F & A,
Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri Shiv Kumar Khare.

For Management.—Shri C. K. Sharma, Advocate.
INDUSTRY : Vehicle Factory.—DISTRICT : Jabal-
pur (M.P.)

AWARD

The 9th January, 1992

This is a reference made by the Central Govern-
ment, Ministry of Labour, vide its Notification No.
L-14012/8/89-D-2(B) Dated 15th January, 1990, for
adjudication of the following dispute :—

Whether the action of the management of Con-
troller of Accounts (Factory) Vehicle Fac-
tory, Jabalpur in terminating the services
of Shri Shiv Kumar Khare S/o Jaynarayan
Khare, Ex-Casual Labour with effect from
3-3-88 is justified ? If not, to what relief the
workman concerned is entitled ?

2. Shri Shiv Kumar Khare was appointed as casual
worker vide Order No. Admn. 132 dated 4-11-1980.
His services were terminated with effect from 3-3-88.

3. Workman says that he has put in more than 6
years service continuously upto 2-3-88 honestly and
sincerely. Instead of regularising, particularly the work-
man being from weaker section his services were ter-
minated. The termination order is illegal and the
workman is entitled to be reinstated and regularised
as Casual Labour with other reliefs as is admissible
to him.

4. The management says that the workman was
under the Controller of Accounts(F) and the Accounts
Officer of the Vehicle Factory, Jabalpur does not
come under the definition of the Factory. Thus neither
the management is an industry nor Shri Shiv Kumar
Khare is a workman. Thus the reference is not tenable.

5. The alleged workman is not entitled to regulari-
sation because he is merely a casual employee em-
ployed for a short period during 1980 to 1983. He
was initially appointed as casual labour on 4-11-80 on
daily wages. The order specifically mentions that the
job is purely temporary and his services are liable
to be dispensed with any time without notice. His
services came to an end on 30-1-81. Thereafter he
was appointed for 89 days only and his services came
to an end with the efflux of time. Last period of such
employment ended on 3-3-88. There was no order of
termination. It is, however not disputed that the work-

man has completed more than 240 days service in a
year.

6. At the time of initial appointment of the work-
man he was already over age i.e. above 26 years his
date of birth being 3-3-1954. Thus he could not be
kept in regular employment. He also does not come
within the categories to whom the age relaxation is
permissible. Since he does not fulfil the eligibility con-
ditions of being eligible to the appointment being over-
age he is not entitled to the alleged reliefs. The refer-
ence is liable to be rejected.

7. The workman has reiterated the above facts in
his rejoinder.

8. Reference was the issue in this case.

FINDINGS WITH REASONS

9. The only disqualification in taking the workman
in service is his being overage. The workman has
proved six documents Ex. W/1 to Ex. W/6. No other
oral or documentary evidence was led by either party.
This is, however, a fact that the workman belongs to
weaker Section i.e. Casual Labour.

10. It is not a case where the retrenchment com-
pensation was given or provisions of Sec. 25-F of the
I.D. Act applied (Para 5).

11. Management is very much a part and parcel
of the factory as is apparent from the letter of the
management Ex. W/5. This letter has been issued by
the Asstt. Controller of Accounts to the Office of the
Controller of Accounts. Para 1 of that letter reads as
under :—

"It appears from the records of this office that
S/Shri Mithailal and R. K. Khare are engaged as
casual labour in Accounts Office, Vehicle Factory,
Jabalpur since 7/80 and 11/80 respectively."

This workman was employed in the Accounts Office
of the Vehicle Factory, Jabalpur. It is very much a
part and parcel of the Vehicle Factory. Vehicle Fac-
tory is an industry does not remain a debatable point.
The Accounts Office is not severable from the admini-
stration of the Vehicle Factory. Thus the workman
would be a workman well within the definition of the
I.D. Act and the Accounts Office being part and par-
cel of the Factory unseverable it could come within the
definition of the industry.

12. That being so, non-compliance of Sec. 25-F of
the I.D. Act would be fatal in this case.

13. As per Ex. W/6 dated 7-12-87 the case of the
workman was considered considering the fact that he
was age bar. But even then he was recommended for
being appointed on the post of Furrash by the Dy.
Controller of Accounts (AN). It is true that the docu-
ment Ex. W/4 relates to the period prior to 20th
March, 1979, but in this letter the cases of persons
despite the fact that they were overage at the time
of their initial appointment the matter of their regu-
larisation was recommended.

14. Whatever may be the instructions and regula-
tions as also letter the principles of natural justice
calls for indulgence of this Tribunal to exercise its

right in creating a contract and reinstating the workman who had worked for about 8 years with the management and has already spent long span of his past period of his life. Thus it is itself a sufficient ground not to disentitle him from taking back in service.

15. I am, therefore, of the view that the workman should be taken back in service. He should be regularised with continuity in service, but in the circumstances of the case he shall not be entitled to any back wages. He shall, however, be entitled to all other benefits of continuity in service. Reference is answered accordingly as follows:—

The action of the management of Controller of Accounts (Factory) Vehicle Factory, Jabalpur in terminating the services of Shri Shiv Kumar Khare S/o Jaynarayan Khare, Ex-Casual Labour with effect from 3-3-88 is not justified. He is entitled to be reinstated with continuity of service and all other benefits, but without any back wages. No. order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1992

का. आ. 588.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीनियर सुपरिण्डेंट टेलीग्राफ ट्रैफिक, भोपाल के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 40011/17/89-आई.आर. (डॉ. यू.) (भाग)]

के. वी. बी. उण्ण, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th January, 1992

S.O. 588.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sr. Supdt. Telegraph Traffic, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 23-1-92.

[No. L-40011/17/89-IR(DU) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (173)/1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of Senior Superintendent. Telegraph Traffic, Bhopal, and their workmen, represented through the Circle Secretary, Bhartiya telephones Karmachari Sangh, 44/26, South T. T. Nagar, Bhopal-462003.

APPEARANCES:

For Workmen/Union.—None.

For Management.—Shri K. C. Agarwal.

INDUSTRY: Telegraph

DISTRICT: Bhopal (MP)

AWARD

Dated: January 8th, 1992

This is a reference made by the Central Government: Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40011/17/89-IR(D.U.) dated 27-7-90, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of Senior Supdt. Telegraph Traffic, Bhopal in not regularising to Shri Subhash Likhar, S/o Dinanath, Narendra Kumar, C/o Kisan Rao Raut, Jhumki Lal S/o Ramcharan, Arjun-singh S/o Sitaram, Suraj Prakash S/o C. L. Bilyone, Dindayal S/o Jawali, Md. Siraj Khan S/o Hafi Khan, M. S. Yadav, Gangaram Yadav and Shri P. K. Tanwar is justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?”

2. The case was registered on 16-8-1990, Notices were issued to the parties. Neither the workmen concerned or anyone of them nor any representative of the Union put appearance before this Court on any dates fixed for hearing. Even the Union did not care to send statement of claim on behalf of the workmen concerned. Management has also not filed its statement of claim.

3. In the above circumstances there appears to be no dispute. I therefore record a no dispute award and make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1992

का. आ. 589 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-92 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है [और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला नैनीताल में तहसील व परगना काशीपुर के राजस्व ग्राम सरवरखेड़ा, गंगापुर रफवा, कुदियावाला, हरियावाला, बसई, शाहगंज, बेनजूड़ी, कचनल गांजी, मानपुर फिरोजपुर, लक्ष्मीपुर, लच्छी, भगवन्तपुर, प्रतापपुर, हेमपुर — दया, उज्जैन, खड़कपुर देवीपुरा, कचनल, गुसाई, हेमपुर इस्माइल, बोहरी परसा,

नन्दरामपुर, जैतपुरघौसी, सांडखेड़ा, दैमोरा, कुआंखेड़ा, कुन्देरवा गंगापुर गोमाई, गिवलालपुर, बामखेड़ाखुर्द, उलल, थकिया, गुलाबी, फमियापुर, गिन्नी खेड़ा, खोखड़ा ताल, कनकपुर, चमकपुर, हरीपुरा, महुआ खेड़ा, जसपुर पट्टी, नेतराम, जसपुर पट्टी, मंशा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।

[संख्या एम - 38013/1/92 - एम. एम. 1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 30th January, 1992

S.O. 589.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st February, 1992 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely:—

"The areas comprising of revenue villages Sarvarkhera, Gangapur, Rafva, Kudayanwala, Haryawala Basai, Shahganj, Baljuri, Kaehnal Ganji, Manpur, Firozpur, Laxmipur, Lachchi, Bhawantpur, Pratappur, Hempur Daya, Ujjain, Kharkpur, Devipur, Kichnal Gosain, Hempur Ismail, Dehri Parsa, Bandrampur, Jaitpur Dhonsi, Sandkhera, Daimora, Kuankhera, Kundekhera, Gangapur Gosain, Shivalpur, Banskhera Khurd, Ullu, Thakia, Gulabi, Faslapur, Ginnikhera, Khokhratal, Kanakpur, Chamakpur, Hariपुरा, Mahuakhera, Jaspur Patti, Netram, Jaspur Patti, Mansha in Tehsil and Pargana Kashipur, District Nainital."

[No. S-38013/1/92-SSI]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1992

का. आ. 590 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-2-92 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 और धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय 5 और 6 [द्वारा 76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

कानपुर लखनऊ रोड पर उन्नाव जिला एवं परगना के ग्राम टीकर गडी, आन्दपुर, मांझरी व गजौली के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र"।

[संख्या एम - 38013/2/92-एम. एम. 1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 30th January, 1992

S.O. 590.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st February, 1992 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely:—

"The areas comprising of the Revenue Villages Tikergarhi, Chandpur, Jhanjhari, Gajoli in Pargana and District Unnao on Kanpur Lucknow Road."

[No. S-38013/2/92-SSI]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1992

का. आ. 591.—भूत पत्थर तथा डोलोमाइट खान श्रमिक कल्याण निधि नियम, 1973 के साथ एडिज भूत पत्थर तथा डोलोमाइट खान श्रमिक कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा केन्द्रीय ग्याहकार समिति गठित करती है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:—

- उप श्रम मंत्री, प्रधान
भारत सरकार, नई दिल्ली
सरकारी सदस्य
- अपर सचिव, उपाध्यक्ष (एवेन)
श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली
- सहानिदेशक (श्रम कल्याण),
श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली
- कल्याण आयुक्त (मुख्यालय),
श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली
- कल्याण आयुक्त,
श्रम कल्याण संगठन,
555 ए/2, एच
मम्फोर्डगंज, इलाहाबाद-211002
- कल्याण आयुक्त,
श्रम कल्याण संगठन,
75, मिलन रोड, प्रथम तल, बंगलौर-560052
- कल्याण आयुक्त,
श्रम कल्याण संगठन
33, अशोक नगर, बृहन्नेश्वर-751009
- कल्याण आयुक्त,
श्रम कल्याण संगठन
44-ए, गांधीनगर, भीमबाड़ा 311001
- कल्याण आयुक्त,
श्रम कल्याण संगठन
क्लाक V (मूल) सामान्य श्रम
अ कार्यालयवास परिसर, (निकट गवर्न
मैटरनिटी अस्पताल), सुल्तान बाजार
हैदराबाद-500195

10. कल्याण प्रायुवन,
श्रम कल्याण संगठन,
आकधर-वसुधारीनगर, जिला हजारीबाग
बस्मा (बिहार)—829137
11. कल्याण प्रायुवन,
श्रम कल्याण संगठन,
5. सेन्ट्रल बाजार, रोड़,
नागपुर-440010
12. कल्याण प्रायुवन,
श्रम कल्याण संगठन,
162. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग,
कलकत्ता-700026
13. कल्याण प्रायुवन,
श्रम कल्याण संगठन 44. नर्मदा रोड़, जबलपुर-482001
नियोजक संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य
14. श्री एस एन. निबारी
महाप्रबंधक,
चाहवासा सीमेंट वर्क्स, एसोसिएटेड सीमेंट
कम्पनी लि.,
आकधर सिक्कनी,
जिला सिंहभूम (बिहार) 833215
15. श्री रमेश चावला,
वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार,
टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लि.,
जमशेदपुर
16. श्री बाई राघवेश्वर राव,
गुजरात अंबुजा सीमेंट्स लि.,
अंबुजा नगर,
कोशीनार, जिला अमरेली (गुजरात)
17. श्री सुरेश कुमार चौकनी,
रेसकोर्स, डी/डी रेस कोर्स बिल्डिंग,
ग्वारीबाव रोड़, बड़ोदा (गुजरात)
18. श्री सुरेश अग्रवाल,
निदेशक, श्री मोदी मिनरल्स एंड आइडिंग मिल्स (प्रा.) लि.
नीम का थाना,
जिला—सीकर (राजस्थान)
19. श्री ए. के. पाठक,
महा प्रबंधक जामुल सीमेंट वर्क्स,
एसोसिएटेड कम्पनी लि.,
जिला-दृंगी (मध्य प्रदेश)
20. श्री आर. सी. मिह,
महाप्रबंधक (खान), रेमन्ड सीमेंट वर्क्स,
आकधर—गोपाल नगर, जिला—बिलासपुर
(मध्य प्रदेश)
21. श्री जी चन्द्र शेखरन,
खान अधीक्षक, इन्डिया सीमेंट्स लि.
डून बिल्डिंग, 827 प्रता सलाह,
मद्रास-600002
22. श्री एस. पी. छुल्लर,
उपाध्यक्ष (खान)/ एजेन्ट केमोराम सीमेंट,
आकधर—बसन्तनगर—505187
तालुक—पेड्डापल्ली, जिला—करीमनगर (आन्ध्र प्रदेश)
23. श्री आर. हनुमन्ताराव,
सीक इन्जीनियर (असिस्ट, खान एवं खदान),
राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., विशाखापट्टनम इस्पात परियोजना,
6-1-67/19/ग,
सैफाबाद हैदराबाद-500004
24. श्री एस. लिंगदोस्,
प्रबंध निदेशक, कोमर्ग पाइमस्टोन एंड माइनिंग कम्पनी लि.,
पी.ए.—नाली, अपर नकमियने, गिनांग-79300 (मेघालय)
25. श्री टी. चौधरी,
एजेन्ट, नार्थ बंगाल डोमोहाइट लि.,
28-श्री जैक्सपियर सारणी, "नीलाम्बर"
10 श्री मंजिन, फ्लैट नं 10-ए,
कलकत्ता-700017
- फर्मकार संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य
26. श्री बी. चौधरी
संयुक्त महा सचिव,
इंडियन नेशनल माइन वर्कर्स फेडरेशन,
काफी हाउस एस आई रोड़,
जयपुर—302002
27. श्री के. एन. पाठक
सचिव,
इंडियन नेशनल माइन वर्कर्स फेडरेशन,
मार्फत गैनपुर लेबर यूनियन
बीरमिलपुर,
जिला सुन्वरगढ़ (उड़ीसा)
28. रोबिन दत्ता
अध्यक्ष,
सीमेंट एवं धमन कर्मचारी यूनियन,
भारतीय सीमेंट निगम लि.,
पो. ओ. संभार सीमेंट फैक्ट्री
जिला रायपुर, (म.प्र.)
29. डा. सुधाकर कुलकर्णी,
भारतीय मजदूर संघ,
राम नरेश भवन,
लिनक गार्स, पहाड़गंज
नई दिल्ली-110055
30. श्री डी. के. राव,
महा सचिव,
एस. के. एम. एम.
पो. आ. —नंदिनी माइन्स,
जिला दुर्ग, (म.प्र.)
31. श्री संकूज अचरई,
सचिव,
महाराष्ट्र स्टेट माइनिंग कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन,
गुजरी चौक, पो. आ. —कैम्पटी,
जिला—नागपुर
32. श्री जयन्त पोद्दार,
महा सचिव,
कोलियरी मजदूर कांसेस एच.एम.एस
बंगाल होटल

2 मोहम्मदहुसैन स्ट्रीट,
पो. आ.—आसनसोल-713301
जिला बर्दवान, (पश्चिम बंगाल)

33. श्री सतपाल वर्मा,
अध्यक्ष,
प्लामू खान मजदूर
संघ (एच. एम. एस.)
विष्णु मंदिर रोड,
पो. आ.—डाल्टन गंज,
जिला प्लामू (बिहार)
34. श्री बी. लक्ष्मण
अध्यक्ष,
वैलाडिला मजदूर यूनियन (सीटू)
11/381, पो. आ. आकाशनगर,
जिला—वस्ती (म.प्र.)
पिन—494554
35. डा. श्रीमती हीरा दलाल,
बालको कर्मचारी संघ,
क्वार्टर नं. 177, सैक्टर-II,
बालको नगर,
कोरबा, जिला --बिलासपुर (म.प्र.)
36. श्री फाटिक घोष,
सचिव,
यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (लेनिन सारणी)
अखिल भारतीय समिति,
77/2/1, लेनिन सारणी,
कलकत्ता-700013
37. श्री जियाद अली बोकसी,
सदस्य,
अखिल भारतीय समिति,
यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (लेनिन सारणी)
एस. यू. सी. आई. कार्यालय,
पो. आ.—सूरी,
जिला बोरभूम (पश्चिम बंगाल)
38. कल्याण प्रसादक (मुख्यालय)—सचिव]
श्रम मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

[संख्या यू.-23011/2/88 डब्ल्यू-II(सी)]

बो.डी. नागर, अवर सचिव

New Delhi, the 31st January, 1992

S.O. 591.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972), read with sub-rule (1) of rule 3 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, the Central Government hereby constitutes the Central Advisory Committee consisting of the following members, namely :—

1. Deputy Minister for Labour, Government of India, New Delhi.—Chairman.

Members representing Government :

2. Additional Secretary, Ministry of Labour,
New Delhi.—Vice-Chairman (Ex-officio)
3. Director General (Labour Welfare),
Ministry of Labour,
New Delhi.
4. Welfare Commissioner (Headquarters),
Ministry of Labour,
New Delhi.
5. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
55 A/2, New Mumfordganj,
Allahabad-211002.
6. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
75, Millers Road,
First Floor,
Bangalore-560052.
7. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
33, Ashok Nagar,
Bhubaneswar-751009.
8. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
44-A, Gandhi Nagar,
Bhilwara-311001.
9. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
Bloc V (Ground Floor),
General Pool Office Accommodation Com-
plex,
(Near Government Maternity Hospital),
Sultan Bazar,
Hyderabad-500195.
10. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
P.O. Jhumritelaiya,
District Hazaribagh,
Karma (Bihar)—829137.
11. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
5, Central Bazar Road,
Nagpur-440010.
12. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
162, Shyama Prasad Mukherjee Road,
Calcutta-700026.
13. Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
44, Narmada Road,
Jabalpur-482001.

Members Representing Employers' Organisations :

14. Shri S. N. Tewari,
General Manager,
Chaibassa Cement Works,
Associated Cement Company Ltd.,
P.O. Jhinkpani,
District Singhbhum (Bihar)-833215.

15. Shri Ramesh Chawla,
Senior Technical Adviser,
Tata Iron & Steel Company Limited,
Jamshedpur.
16. Shri Y. Raghavendra Rao,
Gujarat Ambuja Cements Limited,
Ambuja Nagar,
Kodinar,
District Amreli (Gujarat).
17. Shri Suren Kumar Chowksi,
Race Course,
B/C Race Course Building,
Kharivaw Road,
Baroda (Gujarat).
18. Shri Suresh Agarwal,
Director,
Shree Modi Minerals & Grinding
Mills (P) Limited,
Ncem-Ka-Thaa,
District Sikar (Rajasthan).
19. Shri A. K. Pathak,
General Manager,
Jamul Cement Works,
Associated Cement Company Limited,
District Durg (M.P.).
20. Shri R. C. Singh,
General Manager (Mines),
Raymond Cement Works,
P.O. Gopalpur,
District Bilaspur (M.P.).
21. Shri G. Chandrashekar,
Mines Superintendent,
India Cements Limited,
Dhum Building,
827, Anna Salai,
Madras-600002.
22. Shri S. P. Khullar,
Vice President (Mines) Agent,
Kesoram Cement,
P.O. Basantnagar-505187,
Taluk—Peddapalli,
District Karimnagar (A.P.).
23. Shri R. Hanumantharao,
Chief Engineer (Ore, Mines & Quarry),
Rashtriya Ispat Nigam Limited,
Vishakhapatnam Steel Project,
6-1-67/19/A, Saifabad,
Hyderabad-500004.
24. Shri S. Lyngdoh,
Managing Director,
Komarrah Limestone & Mining Company
Limited, PA-TASI,
Upper Lachumiere,
Shillong-793001.
(Meghalaya).
25. Shri T. Choudhuri,
Agent,
North Bengal Dolomite Limited,
28-B Shakespeare Sarani,
'Neelamber',
10th Floor, Flat No. 10-A,
Calcutta-700017.

Members representing Workers' Organisations :

26. Shri B. Chaudhury,
Joint General Secretary,
Indian National Mineworkers Federation,
Coffee House,
M.I. Road,
Jaipur-302002.
27. Shri K. N. Pathak,
Secretary,
Indian National Mineworkers Federation,
Clo Gangpur Labour Union,
Birmitrapur,
District Sundergarh (Orissa).
28. Shri Robin Dutta,
President,
Cement & Dhudan Karamchari Union,
Cement Corporation of India Limited,
P.O. Mandhar Cement Factory,
District Raipur (M.P.).
29. Dr. Sudhakar Kulkarni,
Bharatiya Mazdoor Sangh,
Ram Narosh Bhavan,
Tilak Gali,
Paharganj,
New Delhi-110055.
30. Shri D. K. Rao,
General Secretary,
SKMS,
P.O. Nandini Mines,
District Durg (M.P.).
31. Shri Maifooz Agai,
Secretary,
Maharashtra State Mining Corporation
Workers' Union,
Guiri Chowk,
P.O. Kamptee,
District Nagpur.
32. Shri Jayanta Podder,
General Secretary,
Colliery Mazdoor Congress (HMS),
Bengal Hotel,
2, Md. Hussain Street,
P.O. Asansol-713301,
District Burdwan (West Bengal).
33. Shri Satpal Verma,
President,
Palamau Khan Mazdoor Sangh (HMS),
Vishnu Mandir Road,
P.O. Daltonganj,
District Palamau (Bihar).
34. Shri B. Chakraborty,
President,
Bailadila Mazdoor Union (CITU),
II/381, P.O. Akashnagar,
District Bastar (M.P.),
Pin-494554.
35. Dr. Smt. Hira Dalal,
Balco Karamchari Sangh,
Quarter No. 177, Sector III,
Balco Nagar,
Corba,
District Bilaspur (M.P.).

36. Shri Fatick Ghosh,
Secretary,
United Trade Union Congress (Lenin Sarani),
All India Committee,
77/2/1, Lenin Sarani,
Calcutta-700013.

37. Shri Ziid Ali Boxi,
Member,
All India Committee,
United Trade Union Congress (Lenin Sarani),
S.U.C.I. Office,
P.O. Suri,
District Birbhum (West Bengal).

38. Welfare Administrator (Hqrs.),
Ministry of Labour,
Government of India,
New Delhi.—Secretary.

[No. U 23011/2/88 W. IIC]

V. D. NAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1992

का. प्रा. 592-सिने कर्मकार कल्याण निधि नियम, 1984 के नियम 3 के उप-नियम (1) के साथ पठित सिने कर्मकार कल्याण निधि, अधिनियम, 1981 (1981 का 33) की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उपश्रम मंत्री को केन्द्रीय सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्ति करती है और दिनांक 2 दिसम्बर, 1989 को भारत राजपत्र के भाग II, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 3726 से 3727 पर प्रकाशित भारत

सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 21 नवम्बर, 1989 की अधिसूचना संख्या 3076 में निम्नलिखित संशोधन करनी है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 1 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“1. उप श्रम मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

अध्यक्ष

[संख्या यू.-18025/1/88-एडव्यू II/सी]

वी. डी. नागर, प्रवर सचिव

New Delhi, the 31st January, 1992

S.O. 592.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Cine-Workers Welfare Fund Act, 1981 (33 of 1981), read with sub-rule (1) of rule 3 of the Cine-Workers Welfare Fund Rules, 1984, the Central Government hereby appoints the Deputy Minister for Labour as the Chairman of the Central Advisory Committee and amends the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour number S.O. 3076 dated the 21st November, 1989 published at pages 3726 to 3727 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 2nd December, 1989, namely :—

In the said notification, for serial number 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“1. Deputy Minister for Labour, Government of India, New Delhi.—Chairman.”.

[No. U-18025/1/88-W-II(C)]

V. D. NAGAR, Under Secy.

